रजिस्ट्री सं० डी० 222 REGISTERED No. D. 222

भारत का राजपत्र
The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 5] नई दिल्ली, शनिवार, जनवरी 30, 1971/माघ 10, 1892
No. 5] NEW DELHI, SATURDAY, JANUARY 30, 1971/MAGHA 10, 1892

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और (संघ क्षेत्र प्रशासन को छोड़कर) केन्द्रीय प्राधिकरणों द्वारा जारी किये गए विधिक आदेश और अधिसूचनाएं।

Statutory orders and notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administration of Union Territories)

MINISTRY OF PETROLEUM AND CHEMICALS AND MINES AND METALS

(Department of Mines and Metals)

New Delhi, the 12th January 1971

S.O. 480.—Whereas in pursuance of the notification of the Government of India in the late Ministry of Steel and Mines No. S.O. 2565, dated the 21st August, 1965, made under section 9 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government has acquired;

(i) Lands measuring 235.00 acres in villages Manidi, Garbhudih, Bardubhi, Baludih, Dubrajpur and Jatudih; and

(ii) the rights to mine, quarry, bore, dig and search for, win, work and carry away minerals in lands measuring 40.00 acres in villages Garbhudih, Baludih, Dubrajpur, Bardubhi and Jatudih, in the District Dhanbad.

And whereas Sarvashri Sarju Singh, Sheo Lal Singh, Jagdeo Singh, Sahdeo Singh Shrimati Kundya Devi, w/o Harku Singh were found as persons interested under section 13 of the said Act, in accordance with the authentication by the State Government authorities, and accordingly compensation for an area 4.07 acres of the said acquisition was assessed in their favour.

And whereas the amount of compensation payable for the said acquisition could not be fixed by agreement there being a dispute as to the sufficiency of amount of compensation offered and the amount so offered has been accepted by the persons interested under protest;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 14 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957, the Central Government hereby constitutes a Tribunal consisting of Shri Rabneshwar Prasad Sinha, Additional Judicial Commissioner, Ranchi, for the purpose of determining the amount of compensation payable to the persons interested.

[No. F. C3-5(9)/70.]

पेट्रोलियम और रसायन तथा खान और धातु मंत्रालय

(खान तथा धातु विभाग)

नई दिल्ली, 12 जनवरी, 1971

का० आ० 480.—यतः कोयला वाले क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 9 के अधीन भारत सरकार के भूतपूर्व इस्पात और खान मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का० आ० 2565 तारीख 21 अगस्त, 1965 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार ने निम्नलिखित का अर्जन किया है :—

(i) मनीदी, गरबूडीह, बारदुभी, बालुडीह, डुबराजपुर और जातुडीह ग्रामों में 235.00 एकड़ माप की भूमी ; और

(ii) धनबाद जिले मे गरबूडीह, बालुडीह, डुबराजपुर, बारदुभी और जातुडीह ग्रामों में 40.00 एकड़ माप की भूमि में, खनिजों के खनन, खदान क्रिया, बोर करने, खोदने के लिए और उन की तलाश करने , उन्हें प्राप्त करने, कार्य करने और ले जाने के अधिकार ।

और यतः राज्य सरकार प्राधिकारियों के अधिप्रमाणीकरण के अनुसार उक्त अधिनियम की धारा 13 के अधीन सर्वश्री सरजु सिंह, शिवलाल सिंह, जगदेव सिंह, सहदेव सिंह, श्रीमती कुदया देवी पत्नी हरकू सिंह हितबद्ध व्यक्ति पाए गए थे और तदुनसार 4.07 एकड़ क्षेत्र के उक्त अर्जन के लिए प्रतिकार उनके पक्ष में निर्धारित किया गया था ।

और यतः प्रस्थापित पतिकर की राशि की पर्याप्तता के बारे में विवाद होने से उक्त अर्जन के लिए संदेय प्रतिकर की राशि करार द्वारा नियत नहीं की जा सकी ; और इस प्रकार प्रस्थापित राशि हितबद्ध व्यक्तियों द्वारा सविरोध ही स्वीकार की गई है ?

अतः अब कोयला वाले क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 की धारा 14 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार हितबद्ध व्यक्तियों को संदेय प्रतिकर की राशि को अवधारित करने के प्रयोजन के लिए एतद्द्वारा एक अधिकरण को गठित करती है जिसमें श्री रबनेशवर प्रसाद सिन्हा, अपर न्यायिक आयुक्त रांची होगें ।

[सं० फा० को० 3–5(9)/70]

S.O. 481.—Whereas in pursuance of the notification of the Government of India in the late Ministry of Steel and Mines No. S.O. 2565, dated the 21st August, 1965, made under section 9 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government has acquired;

(i) Lands measuring 235.00 acres in villages Manidi, Garbhudih, Bardubhi, Baludih, Dubrajpur and Jatudih, and

(ii) the rights to mine, quarry, bore, dig and search for, win, work and carry away minerals in lands measuring 40.00 acres in villages Garbhudih, Baludih, Dubrajpur, Bardubhi and Jatudih, in the District Dhanbad.

And whereas Sarvashri Mukuteshwar Singh, Mani Lal Singh and Jati Lal Singh were found as persons interested under section 13 of the said Act, in accordance with the authentication of the State Government authorities and accordingly compensation for an area of 5.26 acres of the said acquisition was assessed in their favour;

And whereas the amount of compensation payable for the said acquisition could not be fixed by agreement there being a dispute as to the sufficiency of amount of compensation offered and the amount so offered has been accepted by the persons interested under protest;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 14 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957, the Central Government hereby constitutes a Tribunal consisting of Shri Rabneshwar Prasad Sinha, Additional Judicial Commissioner, Ranchi, for the purpose of determining the amount of compensation payable to the persons interested.

[No. F. C3-5(9)/70.]

का० आ० 481.—यत: कोयला वाले क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 9 के अधीन भारत सरकार के भूतपूर्व इस्पात और खान मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का० आ० 2565 तारीख 21 अगस्त, 1965 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार ने निम्नलिखित का अर्जन किया है :—

(i) मनीदी, गरबूडीह, बारदुमी, बालुडीह, डुबराजपुर और जातुडीह ग्रामों में 235.00 एकड़ माप की भूमि; और

(ii) धनबाद जिले में गरबूडीह, बालुडीह, डुबराजपुर, बारदभी और जातुडीह ग्रामों में 40.00 एकड़ माप की भूमि में, खनिजों के खनन, खदान क्रिया, बोर करने, खोदने के लिए और उनकी तलाश करने, उन्हें प्राप्त करने, कार्य करने और ले जाने के अधिकार।

और यत: राज्य सरकार प्राधिकारियों के अधिप्रमाणीकरण के अनुसार उक्त अधिनियम की धारा 13 के अधीन सर्वश्री मुकुटेश्वर सिंह, मनी लाल सिंह और जाति लाल सिंह हितबद्ध व्यक्ति पाये गये थे और तदनुसार 5.26 एकड़ क्षेत्र के उक्त अर्जन के लिए प्रतिकर उनके पक्ष में निर्धारित किया गया था।

और यत: प्रस्थापित प्रतिकर की राशि की पर्याप्तता के बारे में विवाद होने से उक्त अर्जन के लिए संदेय प्रतिकर की राशि करार द्वारा नियत नहीं की जा सकी; और इस प्रकार प्रस्थापित राशि हितबद्ध व्यक्तियों द्वारा सविरोध ही स्वीकार की गई है।

अत:, अब कोयला वाले क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 की धारा 14 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार हितबद्ध व्यक्तियों को संदेय प्रतिकर की राशि को अवधारित करने के प्रयोजन के लिए एतद्द्वारा एक अधिकरण को गठित करती है जिसमें श्री रबनेशवर प्रसाद सिन्हा, अपर न्यायिक आयुक्त, रांची होंगे।

[सं० फा० को० 3-5(9)/70]

S.O. 482.—Whereas in pursuance of the notification of the Government of India in the late Ministry of Steel and Mines No. S.O. 2565, dated the 21st August, 1965, made under section 9 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government has acquired:

(i) Lands measuring 235.00 acres in villages Manidi, Garbhudih, Barudubhi, Baludih, Dubrajpur and Jatudih; and

(ii) the rights to mine, quarry, bore, dig and search for, win, work and carry away minerals in lands measuring 40.00 acres in villages Garbhudih, Baludih, Dubrajpur Bardubhi and Jatudih, in the District Dhanbad

And whereas Mukutdhari Sai Jhalu Sai, Maharaj Singh Vakil Singh, Kanthi Prasad Singh, Radha Nath Singh, and Srimati Butan Devi were found as persons interested under section 13 of the said Act, in accordance with the authentication of State Government authorities and accordingly compensation for an area 17.29 acres of the said acquisition was assessed in their favour;

And whereas the amount of compensation payable for the said acquisition could not be fixed by agreement there being a dispute as to the sufficiency of amount of compensation offered and the amount so offered has been accepted by the persons interested under protest;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 14 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957, the Central Government hereby constitutes a Tribunal consisting of Shri Rabneshwar Prasad Sinha, Additional Judicial Commissioner, Ranchi, for the purpose of determining the amount of compensation payable to the persons interested.

[No. F. C3-5(9)/70]

का० आ० 482.—यत: कोयला वाले क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 9 के अधीन भारत सरकार के भूतपूर्व इस्पात और खान मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का० आ० 2565 तारीख 21 अगस्त, 1965 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार ने निम्नलिखित का अर्जन किया है :—

(i) मनीदी, गरबूडीह, बारदुभी, बालुडीह, डुबराजपुर और जातुडीह ग्रामों में 235.00 एकड़ माप की भूमि; और

(ii) धनबाद जिले में गरबूडीह, बालुडीह, डुबराजपुर, बारदुभी और जातुडीह ग्रामों में 40.00 एकड़ माप की भूमि में, खनिजों के खनन, खदान क्रिया, बोर करने, खोदने के लिए और उनकी तलाश करने, उन्हें प्राप्त करने, कार्य करने और ले जाने के अधिकार ।

और यत: राज्य सरकार प्राधिकारियों के अधिप्रमाणीकरण के अनुसार उक्त अधिनियम की धारा 13 के अधीन सर्वश्री मुकुटधारी साय, झालु साय, महाराज सिंह, वकील सिंह, कांथी प्रसाद सिंह, राधानाथ सिंह और श्रीमती बुटन देवी हितबद्ध व्यक्ति पाए गए थे और तदनुसार 17.29 एकड़ क्षेत्र के उक्त अर्जन के लिए प्रतिकर उनके पक्ष में निर्धारित किया गया था;

और यत: प्रस्थापित प्रतिकर की राशि की पर्याप्तता के बारे में विवाद होने से उक्त अर्जन के लिए संदेय प्रतिकर की राशि करार द्वारा नियत नहीं की जा सकी; और इस प्रकार प्रस्थापित राशि हितबद्ध व्यक्तियों द्वारा सविरोध ही स्वीकार की गई है;

अत:, अब कोयला वाले क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 की धारा 14 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार हितबद्ध व्यक्तियों को संदेय प्रतिकर की राशि को अवधारित करने के प्रयोजन के लिए एतद्द्वारा एक अधिकरण को गठित करती है जिसमें श्री रबनेशवर प्रसाद सिन्हा, अपर न्यायिक आयुक्त, रांची होंगे ।

[सं० फा० को० 3-5(9)/70]

S.O. 483.—Whereas in pursuance of the notification of the Government of India in the late Ministry of Steel and Mines No. S.O. 2565, dated the 21st August, 1965, made under section 9 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government has acquired;

(i) Lands measuring 235.00 acres in villages Manidi, Garbhudih, Barabhi, Baludih, Dubrajpur and Jatudih; and

(ii) the rights to mine, quarry, bore, dig and search for, win, work and carry away minerals in lands measuring 40.00 acres in villages Garbhudih, Baludih, Dubrajpur, Bardubhi and Jatudih, in the District Dhanbad.

And whereas Sarvashri Kunj Bihari Singh, Santu Singh and Keshav Singh were found as persons interested under section 13 of the said Act, in accordance with the authentication by the State Government authorities and accordingly compensation for an area 0.73 acres of the said acquisition was assessed in their favour;

And whereas the amount of compensation payable for the said acquisition could not be fixed by agreement there being a dispute as to the sufficiency of amount of compensation offered and the amount so offered has been accepted by the persons interested under protest;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 14 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957, the Central Government hereby constitutes a Tribunal consisting of Shri Rabneshwar Prasad Sinha, Additional Judicial Commissioner, Ranchi, for the purpose of determining the amount of compensation payable to the persons interested.

[No. F. C3-5(9)/70.]

का० आ० 483.—यतः कोयला वाले क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 9 के अधीन भारत सरकार के भूतपूर्व इस्पात और खान मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का० आ० 2565 तारीख 21 अगस्त, 1965 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार ने निम्नलिखित का अर्जन किया है :—

(i) मनीदी, गरबूडीह, बारदुभी, बालुडीह, डुबराजपुर और जातुडीह ग्रामों में 235.00 एकड़ माप की भूमि; और

(ii) धनबाद जिले में गरबूडीह, बालुडीह, डुबराजपुर, बारदुभी और जातुडीह ग्रामों में 40.00 एकड़ माप की भूमि में, खनिजों के खनन, खदान क्रिया, बोर करने, खोदने के लिए और उनकी तलाश करने, उन्हें प्राप्त करने, कार्य करने और ले जाने के अधिकार ।

और यतः राज्य सरकार प्राधिकारियों के अधिप्रमापीकरण के अनुसार उक्त अधिनियम की धारा 13 के अधीन सर्वश्री कुंज बिहारी सिंह, संतु सिंह और केशव सिंह हितबद्ध व्यक्ति पाये गये थे और तदनुसार 0.73 एकड़ क्षेत्र के उक्त अर्जन के लिए प्रतिकर उनके पक्ष में निर्धारित किया गया था;

और यतः प्रस्थापित प्रतिकर की राशि की पर्याप्तता के बारे में विवाद होने से उक्त अर्जन के लिए संदेय प्रतिकर की राशि करार द्वारा नियत नहीं की जा सकी; और इस प्रकार प्रस्थापित राशि हितबद्ध व्यक्तियों द्वारा सविरोध ही स्वीकार की गई है;

अतः, अब कोयला वाले क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 की धारा 14 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार हितबद्ध व्यक्तियों को संदेय प्रतिकर की राशि को अवधारित करने के प्रयोजन के लिए एतद्द्वारा एक अधिकरण को गठित करती है जिसमें श्री रबनेशवर प्रसाद सिन्हा, अपर न्यायिक आयुक्त, रांची होंगे ।

[सं० फा० को० 3-5(9)/70]

S.O. 484.—Whereas in pursuance of the notification of the Government of India in the late Ministry of Steel and Mines No. S.O. 2565, dated the 21st August, 1965, made under section 9 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government has acquired:

(i) Lands measuring 235.00 acres in villages Manidi, Garbhudih, Bardubhi, Baludih, Dubrajpur and Jatudih; and

(ii) the rights to mine, quarry, bore, dig and search for, win, work and carry away minerals in lands measuring 40.00 acres in villages Garbhudih, Baludih, Dubrajpur, Bardubhi and Jatudih, in the District Dhanbad.

And whereas Jaleshwar Singh and Baneshwar Singh who were found as persons interested under section 13 of the said Act in accordance with authentication by the State Government authorities and accordingly compensation for an area of 0.47 acres of the said acquisition was assessed in their favour;

And whereas the amount of compensation payable for the said acquisition could not be fixed by agreement there being a dispute as to the sufficiency of amount of the compensation offered and the amount so offered has been accepted by the persons interested under protest;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 14 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957, the Central Government hereby constitutes a Tribunal consisting of Shri Rabneshwar Prasad Sinha, Additional Judicial Commissioner, Ranchi, for the purpose of determining the amount of compensation payable to the persons interested.

[No. F. C3-5(9)/70.]

का० आ० 484.—यतः कोयला वाले क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 9 के अधीन भारत सरकार के भूतपूर्व इस्पात और खान मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का० आ० 2565 तारीख 21 अगस्त, 1965 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार ने निम्नलिखित का अर्जन किया है :—

(i) मनीदी, गरबूडीह, बारदुभी, बालडीह, डुबराजपुर और जातुडीह ग्रामों में 235.00 एकड़ माप की भूमि; और

(ii) धनबाद जिले में गरबूडीह, बालुडीह, डुबराजपुर, बारदुभी और जातुडीह ग्रामों में 40.00 एकड़ माप की भूमि में खनिजों के खनन, खदान क्रिया, बोर करने, खोदने के लिए और उनकी तलाश करने, उन्हें प्राप्त करने, कार्य करने और ले जाने के अधिकार ।

और यतः राज्य सरकार प्राधिकारियों के अधिप्रमाणीकरण के अनुसार उक्त अधिनियम की धारा 13 के अधीन जलेश्वर सिंह और बनेश्वर सिंह हितबद्ध व्यक्ति पाये गये थे और तदनुसार 0.47 एकड़ क्षेत्र के उक्त अर्जन के लिए प्रतिकर उनके पक्ष में निर्धारित किया गया था;

और यतः प्रस्थापित प्रतिकर की राशि की पर्याप्तता के बारे में विवाद होने से उक्त अर्जन के लिए संदेय प्रतिकर की राशि करार द्वारा नियत नहीं की जा सकी; और इस प्रकार प्रस्थापित राशि हितबद्ध व्यक्तियों द्वारा सविरोध ही स्वीकार की गई है;

अतः, अब कोयला वाले क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 की धारा 14 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार हितबद्ध व्यक्तियों को संदेय प्रतिकर की राशि को अवधारित करने के प्रयोजन के लिए एतद्द्वारा एक अधिकरण को गठित करती है जिसमें श्री रबनेशवर प्रसाद सिन्हा, अपर न्यायिक आयुक्त, रांची होंगे ।

[सं० फा० को० 3-5(9)/70]

S.O. 485.—Whereas in pursuance of the notification of the Government of India in the late Ministry of Steel and Mines No. S.O. 2565, dated the 21st August, 1965, made under section 9 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government has acquired:

(i) Lands measuring 235.00 acres in villages Manidi, Garbhudih, Bardubhi, Baludih, Dubrajpur and Jatudih; and

(ii) the rights to mine, quarry, bore, dig and search for, win, work and carry away minerals in lands measuring 40.00 acres in villages Garbhudih, Baludih, Dubrajpur, Bardubhi and Jatudih, in the District Dhanbad.

And whereas Sarvashri Panchanan Singh, Alku Singh and Laljee Singh were found as persons interested under section 13 of the said Act, in accordance with authentication by the State Government authorities and accordingly compensation for an area of 0.04 acres of the said acquisition was assessed in their favour;

And whereas the amount of compensation payable for the said acquisition could not be fixed by agreement there being a dispute as to the sufficiency of amount of the compensation offered and the amount so offered has been accepted by the persons interested under protest;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 14 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957, the Central Government hereby constitutes a Tribunal consisting of Shri Rabneshwar Prasad Sinha, Additional Judicial Commissioner, Ranchi, for the purpose of determining the amount of compensation payable to the persons interested.

[No. F. C3-5(9)/70.]

का० आ० 485.—यतः कोयला वाले क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 9 के अधीन भारत सरकार के भूतपूर्व इस्पात और खान मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का० आ० 2565 तारीख 21 अगस्त, 1965 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार ने निम्नलिखित का अर्जन किया है :—

(i) मनीदी, गरबूडीह, बारदुभी, बालुडीह, डुबराजपुर और जातुडीह ग्रामों में 235.00 एकड़ माप की भूमि; और

(ii) धनबाद जिले में गरबूडीह, बालुडीह, डुबराजपुर, बारदुभी और जातुडीह ग्रामों में 40.00 एकड़ माप की भूमि में, खनिजों के खनन, खदान क्रिया, बोर करने, खोदने के लिए और उनकी तलाश करने, उन्हें प्राप्त करने, कार्य करने और ले जाने के अधिकार ।

और यतः राज्य सरकार प्राधिकारियों के अधिप्रमाणीकरण के अनुसार उक्त अधिनियम की धारा 13 के अधीन सर्वश्री पंचानन सिंह, अलकू सिंह और लालजी सिंह हितबद्ध व्यक्ति पाये गये थे और तदनुसार 0.04 एकड़ क्षेत्र के उक्त अर्जन के लिए प्रतिकर उनके पक्ष में निर्धारित किया गया था;

और यतः प्रस्थापित प्रतिकर की राशि की पर्याप्तता के बारे में विवाद होने से उक्त अर्जन के लिए संदेय प्रतिकर की राशि करार द्वारा नियत नहीं की जा सकी; और इस प्रकार प्रस्थापित राशि हितबद्ध व्यक्तियों द्वारा सविरोध ही स्वीकार की गई है;

अतः, अब कोयला वाले क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 की धारा 14 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार हितबद्ध व्यक्तियों को संदेय प्रतिकर की राशि को अवधारित करने के प्रयोजन के लिए एतद्द्वारा एक अधिकरण को गठित करती है जिसमें श्री रबनेशवर प्रसाद सिन्हा, अपर न्यायिक आयुक्त, रांची होंगे ।

[सं० फा० को० 3-5(9)/70]

S.O. 486.—Whereas in pursuance of the notification of the Government of India in the late Ministry of Steel and Mines No. S.O. 2565, dated the 21st August, 1965, made under section 9 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government has acquired·

(i) Lands measuring 235.00 acres in villages Manidi, Garbhudih, Bardubhi, Baludih, Dubrajpur and Jatudih; and

(ii) the rights to mine, quarry, bore, dig and search for, win, work and carry away minerals in lands measuring 40.00 acres in villages Garbhudih, Baludih, Dubrajpur, Bardubhi and Jatudih, in the District Dhanbad.

And whereas Debilal Singh, s/o Asirbad Singh was found as person interested under section 13 of the said Act in accordance with authentication by State Government authorities and accordingly compensation for an area of 0.10 acres of the said acquisition was assessed in his favour;

And whereas the amount of compensation payable for the said acquisition could not be fixed by agreement there being a dispute as to the sufficiency of amount of the compensation offered and the amount so offered has been accepted by the persons interested under protest;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 14 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957, the Central Government hereby constitutes a Tribunal consisting of Shri Rabneshwar Prasad Sinha, Additional Judicial Commissioner, Ranchi, for the purpose of determining the amount of compensation payable to the persons interested.

[No. F. C3-5(9)/70.]

का० आ० 486.—यतः कोयला वाले क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 9 के अधीन भारत सरकार के भूतपूर्व इस्पात और खान मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का० आ० 2565 तारीख 21 अगस्त, 1965 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार ने निम्नलिखित का अर्जन किया है :—

(i) मनीदी, गरबूडीह, बारदुभी, बालुडीह, डुबराजपुर और जातुडीह ग्रामों में 235.00 एकड़ माप की भूमि; और

(ii) धनबाद जिले में गरबूडीह, बालुडीह, डुबराजपुर, बारधभी और जातुडीह ग्रामों में 40.00 एकड़ माप की भूमि में, खनिजों के खनन, खदान क्रिया, बोर करने, खोदने के लिए और उनकी तलाश करने, उन्हें प्राप्त करने, कार्य करने और ले जाने के अधिकार ।

और यतः राज्य सरकार प्राधिकारियों के अधिप्रमाणीकरण के अनुसार उक्त अधिनियम की धारा 13 के अधीन देबीलाल सिंह सुपुत्र श्री आसिर्बाद सिंह हितबद्ध व्यक्ति पाया गया था और तदनुसार 0.10 एकड़ क्षेत्र के उक्त अर्जन के लिए प्रतिकर उसके पक्ष में निर्धारित किया गया था;

और यतः प्रस्थापित प्रतिकर की राशि की पर्याप्तता के बारे में विवाद होने से उक्त अर्जन के लिए संदेय प्रतिकर की राशि करार द्वारा नियत नहीं की जा सकी; और इस प्रकार प्रस्थापित राशि हितबद्ध व्यक्तियों द्वारा सविरोध ही स्वीकार की गई है;

अतः, अब कोयला वाले क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 की धारा 14 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार हितबद्ध व्यक्तियों को संदेय प्रतिकर की राशि को अवधारित करने के प्रयोजन के लिए एतदद्वारा एक अधिकरण को गठित करती है जिनमें श्री रबनेशवर प्रसाद सिन्हा, अपर न्यायिक आयुक्त, रांची होंगे ।

[सं० फा० को० 3-5(9)/70]

S.O. 487.—Whereas in pursuance of the notification of the Government of India in the late Ministry of Steel and Mines No. S.O 2565, dated the 21st August, 1965, made under section 9 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government has acquired;

(i) Lands measuring 235.00 acres in villages Manidi, Garbhudih, Bardubhi, Baludih, Dubrajpur and Jatudih; and

(ii) the rights to mine, quarry, bore, dig and search for, win, work and carry away minerals in lands measuring 40.00 acres in villages Garbhudih, Baludih, Dubrajpur, Bardubhi and Jatudih, in the District Dhanbad.

And whereas Sarvashri Kunju Mahto, s/o. Babu Lal Mahto, Dhan Mahto and Sebur Mahto, s/o. Dhanjay Mahto were found as persons interested under section 13 of the said Act, in accordance with authentication by the State Government authorities accordingly compensation for an area of 1.19 acres was assessed in their favour;

And whereas the amount of compensation payable for the said acquisition could not be fixed by agreement there being a dispute as to the sufficiency of amount of the compensation offered and the amount so offered has been accepted by the persons interested under protest;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 14 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957, the Central Government hereby constitutes a Tribunal consisting of Shri Rabneshwar Prasad Sinha, Additional Judicial Commissioner, Ranchi, for the purpose of determining the amount of compensation payable to the persons interested.

[No. F. C3-5(9)/70]

का० आ० 487—यतः कोयला वाले क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम 1957 (1957 का 20) की धारा 9 के अधीन भारत सरकार के भूतपूर्व इस्पात और खान मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का० आ० 2565 तारीख 21 अगस्त 1965 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार ने निम्नलिखित का अर्जन किया है:—

(i) मनीदी, गरबूडीह, बारदुभी, बालुडीह, डुबराजपुर और जातुडीह ग्रामों में 235.00 एकड़ माप की भूमि, और

(ii) धनबाद जिले में गरबूडीह, बोरुडीह, डुबराजपुर, बारदुभी और जातुडीह ग्रामों में 40.00 एकड़ माप भूमि में, खनिजों के खनन, खदान किया, बोर करने, खोदने के लिए और उन की तलाश करने, उन्हें प्राप्त करने, कार्य करने और ले जाने के अधिकार।

और यतः राज्य सरकार प्राधिकारियों के अधिप्रमाणीकरण के अनुसार उक्त अधिनियम की धारा 13 के अधीन सर्वश्री कुंजु महतो सुपुत्र बाबू लाल महतो, धान महतो और साबुर महतो हितबद्ध व्यक्ति पाए गए थे और तदनुसार 1.19 एकड़ क्षेत्र के उक्त अर्जन के लिए प्रतिकर उनके पक्ष में निर्धारित किया गया था ;

और यतः प्रस्थापित प्रतिकर की राशि की पर्याप्तता के बारे में विवाद होने से उक्त अर्जन के लिए संदेय प्रतिकर की राशि करार द्वारा नियत नहीं की जा सकी ; और इस प्रकार प्रस्थापित राशि हितबद्ध व्यक्तियों द्वारा सविरोध ही स्वीकार की गई है ;

अतः, अब कोयला वाले क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 की धारा 14 की की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार हितबद्ध व्यक्तियों को संदेय प्रतिकर की राशि को अवधारित करने के प्रयोजन के लिए एतद्द्वारा एक अधिकरण को गठित करती है जिसमें श्री रबनेश्वर प्रसाद सिन्हा, अपर न्यायिक आयुक्त, रांची होंगे।

[सं० फा० को० 3—5 (9)/70]

S.O. 488.—Whereas in pursuance of the notification of the Government of India in the late Ministry of Steel and Mines No. S.O. 2565, dated the 21st August, 1965, made under section 5 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government has acquired;

(i) Lands measuring 235.00 acres in villages Manidi, Garbhudih, Bardubhi, Baludih, Dubrajpur and Jatudih; and

(ii) the rights to mine, quarry, bore, dig and search for, win, work and carry away minerals in lands measuring 40.00 acres in villages Garbhudih, Baludih, Dubrajpur, Bardubhi and Jatudih, in the District Dhanbad.

And whereas Tiju Mahto, s/o. Panchy Mahto was found as person interested under section 13 of the said Act, in accordance with the authentication by the State Government authorities and accordingly compensation for an area 0.55 acre of the said acquisition was assessed in his favour;

And whereas the amount of compensation payable for the said acquisition could not be fixed by agreement there being a dispute as to the sufficiency of amount of the compensation offered and the amount so offered has been accepted by the persons interested under protest;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 14 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957, the Central Government hereby constitutes a Tribunal consisting of Shri Rabneshwar Prasad Sinha, Additional Judicial Commissioner, Ranchi, for the purpose of determining the amount of compensation payable to the persons interested.

[No. F. C3-5(9)/70.]

का० आ० 488.—यतः कोयला वाले क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 9 के अधीन भारत सरकार के भूतपूर्व इस्पात और खान मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का० आ० 2565 तारीख 21 अगस्त, 1965 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार ने निम्नलिखित का अर्जन किया है;

(i) मनीदी, गरबूडीह, बारदुभी, बालुडीह, डुबराजपुर और जातुडीह ग्रामों में 235.00 एकड़ माप की भूमि ; और

(ii) धनबाद जिले में गरबूडीह, बालुडीह, डुबराजपुर, बारदुभी और जातुडीह ग्रामों में 40.00 एकड़ माप की भूमि में, खनिजों के खनन, खदान क्रिया, बोर करने, खोदने के लिए और उन की तलाश करने, उन्हें प्राप्त करने, कार्य करने और ले जाने के अधिकार।

और यतः राज्य सरकार प्राधिकारियों के अधिप्रमाणीकरण के अनुसार उक्त अधिनियम की धारा 13 के अधीन तीजु महतो सुपुत्र पंची महतो हितबद्ध व्यक्ति पाया गया था और तद्नुसार 0.55 एकड़ क्षेत्र के उक्त अर्जन के लिए प्रतिकर उसके पक्ष में निर्धारित किया गया था;

और यतः प्रस्थापित प्रतिकर की राशि की पर्याप्तता के बारे में विवाद होने न के लिए संदेय प्रतिकर की राशि करार द्वारा नियत नहीं की जा सकी ; और इस प्रकार प्रस्थापित राशि हितबद्ध व्यक्तियों द्वारा सविरोध ही स्वीकार की गई है ;

अतः, अब कोयला वाले क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 की धारा 14 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार हितबद्ध व्यक्तियों को संदेय प्रतिकर की राशि को अवधारित करने के प्रयोजन के लिए एतद्द्वारा एक अधिकरण को गठित करती है जिसमें श्री रबनेश्वर प्रसाद सिन्हा, अपर न्यायिक आयुक्त, रांची होंगे।

[सं० फा० को० 3-5(9)/70]

S.O. 489.—Whereas in pursuance of the notification of the Government of India in the late Ministry of Steel and Mines No. S.O. 2565, dated the 21st August, 1965, made under section 9 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government has acquired;

(i) Lands measuring 235.00 acres in villages Manidi, Garbhudih, Bardubhi, Baludih, Dubrajpur and Jatudih; and

(ii) the rights to mine, quarry, bore, dig and search for, win, work and carry away minerals in lands measuring 40.00 acres in villages Garbhudih, Baludih, Dubrajpur, Bardubhi and Jatudih, in the District Dhanbad.

And whereas Sarvashri Sahdeo Mahto, Nakul Mahto, Bhim Mahto, and Shrimati Menua Mahtain, d/o Arjun Mahto were found as persons interested under section 13 of the said Act, in accordance with the authentication by the State Government authorities, and accordingly compensation for an area 2.94 acres of the said acquisition was assessed in their favour;

And whereas the amount of compensation payable for the said acquisition could not be fixed by agreement there being a dispute as to the sufficiency of amount of the compensation offered and the amount so offered has been accepted by the persons interested under protest;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 14 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957, the Central Government hereby constitutes a Tribunal consisting of Shri Rabneshwar Prasad Sinha, Additional Judicial Commissioner, Ranchi, for the purpose of determining the amount of compensation payable to the persons interested.

[No. F. C3-5(9)/70.]

का० आ० 489.—यतः कोयला वाले क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 9 के अधीन भारत सरकार के भूतपूर्व इस्पात और खान मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का० आ० 2565 तारीख 21 अगस्त 1965 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार ने निम्नलिखित का अर्जन किया है :—

(i) मनीदी, गरबूडीह, बारदुभी, बालुडीह, डुबराजपुर और जातुडीह ग्रामों में 235.00 एकड़ माप की भूमि, और

(ii) धनबाद जिले में गरबूडीह, बालुडीह डुबराजपुर, बारदुभी और जातुडीह ग्रामों में 40.00 एकड़ माप की भूमि में, खनिजों के खनन, खदान क्रिया, ेर करने, खोदने के लिए और उन की तलाश करने, उन्हें प्राप्त करने, कार्य करने और ले जाने के अधिकार।

और यतः राज्य सरकार प्राधिकारियों के अधिप्रमाणीकरण के अनुसार उक्त अधिनियम की धारा 13 के अधीन सर्वश्री सहदेव महतो नकुल, महतो, भीम महतो और श्रीमती मेनुआ महताईन सुपत्नी अर्जुन महतो हितबद्ध व्यक्ति पाए गए, थे और तदतनुसार, 2.94 एकड़ क्षेत्र के उक्त अर्जन के लिये प्रतिकर उनके पक्ष में निर्धारित किया गया था ;

और यतः प्रस्थापित प्रतिकर की राशि की पर्याप्तता के बारे में विवाद होने से उक्त अर्जन के लिये संदेय प्रतिकर की राशि करार द्वारा नियत नहीं की जा सकी, और इस प्रकार प्रस्थापित राशि हितबद्ध व्यक्तियों द्वारा सविरोध ही स्वीकार की गई है ;

अतः, अब कोयला वाले क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम 1957 की धारा 14 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार हितबद्ध व्यक्तियों को संदेय प्रतिकर की राशि को अवधारित करने के प्रयोजन के लिये एतद्द्वारा एक अधिकरण को गठित करती है जिसमें श्री रबनेश्वर प्रसाद सिन्हा, अपर न्यायिक आयुक्त, रांची होंगे।

[सं० फा० को० 3-5(9)/70]

S.O. 490.—Whereas in pursuance of the notification of the Government of India in the late Ministry of Mines and Fuel No. S.O. 2761, dated the 20th September, 1963, made under section 9 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development), Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government has acquired;

(i) Lands measuring 193.25 acres in villages Samsikhra, Dhandabar, Dhobni, Gopinathdih, Parasia and Garbhudih, and

(ii) the rights to mine, quarry, bore, dig and search for, win, work and carry away minerals in lands measuring 1405.25 acres in villages Parasia, Garbhudih, Manidi, Samsikhra, Panderkanali, Chirudi, Dhandabar, Dhobni, Gopinathdih, Chakphutuha, Rajesbera, Sabaldih and Phutaha, in the District Dhanbad.

And whereas Sarvashri Tilakdhari Singh, s/o. Nilamber Singh, Badri Narain Singh Chawdhary, Jagarnath Singh, Chawdhary Khagendranath Singh, Chawdhary s/o. Aklu Singh Chawdhary of village Putki the persons interested has under section 13 of the said Act, preferred their claims to the competent authority for payment of compensation for the said acquisition;

And whereas the amount of compensation payable for the said acquisition could not be fixed by agreement there being a dispute as to the sufficiency of amount of the compensation offered and the amount so offered has been accepted by the persons interested under protest;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 14 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957, the Central Government hereby constitutes a Tribunal consisting of Shri Rabneshwar Prasad Sinha, Additional Judicial Commissioner, Ranchi, for the purpose of determining the amount of compensation payable to the persons interested.

[No. F. C3-5(9)/70.]

का० आ० 490—अतः कोयला वाले क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 9 के अधीन भारत सरकार के भूतपूर्व इस्पात और खान मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का० आ० 2565 तारीख 21 अगस्त, 1965 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार ने निम्नलिखित का अर्जन किया है :—

(i) मनोदी, गरबूडीह, बारदभी, बालूडीह, डुबराजपुर और जातुडीह, ग्रामो में 235.00 एकड़ माप की भूमि ; और

(ii) धनबाद जिले में गरबूडीह, बालूडीह, डुबराजपुर, बारदुभी और जातुडीह, ग्रामों में 40.00 एकड़ माप की भूमि में, खनिजों के खनन, खदान क्रिया, बोर करने, खोदने के लिये और उन की तलाश करने, उन्हें प्राप्त करने, कार्य करने और ले जाने के अधिकार ।

और यतः पुतकी ग्राम के सर्वश्री तिलकधारी सिंह सुपुत्र नीलम्बर, सिंह, बद्री नारायण सिंह चौधरी, जगरनाथ सिंह चौधरी, खगेंद्रनाथ सिंह चौधरी सुपुत्र अक्लु सिंह चौधरी ने जो हितबद्ध व्यक्ति हैं उक्त अधिनियम की धारा 13 के अधीन उक्त अर्जन के लिये प्रतिकर के संदाय के लिये सक्षम प्राधिकारियों को अपने दावे प्रस्तुत किए हैं ।

और यतः प्रस्थापित प्रतिकर की राशि की पर्याप्तता के बारे में विवाद होने से उक्त अर्जन के के लिये संदेय प्रतिकर की राशि करार द्वारा नियत नहीं की जा सकी ; और इस प्रकार प्रस्थापित राशि हितबद्ध व्यक्तियों द्वारा सविरोध ही स्वीकार की गई है ;

अतः, अब कोयला वाले क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 की धारा 14 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार हितबद्ध व्यक्तियों को सदेयी प्रतिकर की राशि को अवधारित करने के प्रयोजन के लिये एतद्द्वारा एक अधिकरण को गठित करती है जिसमें श्री रबनश्वर प्रसाद सिन्हा, अपर न्यायिक आयुक्त, रांची होंगे ।

[सं० फा० को० 3-5(9)/70]

S.O. 491.—Whereas in pursuance of the notification of the Government of India in the late Ministry of Mines and Fuel No. S.O. 2761 dated the 20th September 1965 made under section 9 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Deveopment) Act, 1957 (20 of 1957) the Central Government has acquired;

(i) Lands measuring 193.25 acres in villages Samsikhra, Dhandabar, Dhobni, Gopinathdih, Parasia and Garbhudih; and

(ii) the rights to mine, quarry, bore, dig and search for, win, work and carry away minerals in the lands measuring 1405.25 acres in villages Parasia Garbhudih, Monidi, Samsikhra, Panderkanali, Chirudi, Dhandabar, Dhobni, Gopinathdih, Chakphutuha, Rajesbera, Sabaldih and Phutaha, in the District Dhanbad.

And whereas Dhama Mahto, s/o Rabbi Mahto, Shrimati Patu Mahtain, Shrimati Mukti Mahtain, Shrimati Sari Mahtain, daughters of Gobi Mahto of village Gopinathdih the persons interested has under section 13 of the said Act, preferred their claims to the competent authorities for payment of compensation for the said acquisition;

And whereas the amount of compensation payable for the said acquisition could not be fixed by agreement there being a dispute as to the sufficiency of amount of the compensation offered and the amount so offered has been accepted by the persons interested under protest;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 14 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957, the Central Government hereby constitutes a Tribunal consisting of Shri Rabneshwar Prasad Sinha, Additional Judicial Commissioner, Ranchi, for the purpose of determining the amount of compensation payable to the persons interested.

[No. F. C3-5(9)/70.]

का० आ० 491.—यत : कोयला वाले क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 9 के अधीन भारत सरकार के भूतपूर्व इस्पात और खान मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का० आ० 2565 तारीख 21 अगस्त, 1965 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार ने निम्नलिखित का अर्जन किया है :—

(i) मनोदी, गरबूडीह, बारडुमी, बालूडीह, डुबराजपुर और जायडीह ग्रामों में 235.00 एकड़ माप की भूमि ; और

(ii) धनबाद जिले में गरबूडीह, बालूडीह, डुबराजपुर, बारतुभी और जातुडीह ग्रामों में 40.00 एकड़ माप की भूमि में, खनिजों के खनन, खदान किया, बोर करने, खोदने के लिये और उन की तलाश करने, उन्हें प्राप्त करने, कार्य करने और ले जाने के अधिकार।

और यत : गोपीनाथडीह ग्राम के धमा महतो, सुपुत्र रब्बी महतो, श्रीमती पतू महताईन, श्रीमती मुक्ति महताईन श्रीमती सारी महताईन, सपुत्रियां, गूही महतो ने जो हितबद्ध व्यक्ति हैं उक्त अधिनियम की धारा 13 के अधीन उक्त अर्जन के लिये प्रतिकर के संदाय के लिये सक्षम प्राधिकारियो को अपने दावे प्रस्तुत किए हैं ;

और यत: प्रस्थापित प्रतिकर की राशि की पर्याप्तता के बारे में विवाद होने से उक्त अर्जन के लिये संदेय प्रतिकर की राशि करार द्वारा नियत नहीं की जा सकी ; और इस प्रकार प्रस्थापित राशि हितबद्ध व्यक्तियों द्वारा सविरोध ही स्वीकार की गई है;

अत: अब कोयला वाले क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम 1957 की धारा 14 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार हितबद्ध व्यक्तियों को संदेय प्रतिकर की राशि को अवधारित करने के प्रयोजन के लिये एतद्द्वारा एक अधिकरण को गठित करती है जिसमें श्री रबनेश्वर प्रसाद सिन्हा, अपर न्यायिक आयुक्त, रांची होंगे ।

[सं० फा० को० 3-5(9)/70]

S.O. 492.—Whereas in pursuance of the notification of the Government of India in the late Ministry of Steel and Mines No. S.O. 2565, dated the 21st August, 1965, made under section 9 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government has acquired:

(i) Lands measuring 235.00 acres in villages Manidi, Garbhudih, Bardubhi, Baludih, Dubrajpur and Jatudih; and

(ii) the rights to mine, quarry, bore, dig and search for, win, work and carry away minerals in lands measuring 40.00 acres in villages Garbhudih, Baludih, Dubrajpur, Bardubhi and Jatudih, in the District Dhanbad.

And whereas Sarvashri Lachhman Singh s/o Ajab Singh and Gurdayal Singh s/o Mukateshwar Singh were found as persons interested under section 13 of the said Act in accordance with authentication by the State Government authorities and accordingly compensation for an area of 1.41 acres of the said acquisition was assessed in their favour;

And whereas the amount of compensation payable for the said acquisition could not be fixed by agreement there being a dispute as to the sufficiency of amount of the compensation offered and the amount so offered has been accepted by the persons interested under protest;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 14 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957, the Central Government hereby constitutes a Tribunal consisting of Shri Rabneshwar Prasad Sinha, Additional Judicial Commissioner, Ranchi for the purpose of determining the amount of compensation payable to the persons interested.

[No. F. C3-5(9)/70.]

का० आ० 492.—यत: कोयला वाले क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 9 के अधीन भारत सरकार के भूतपूर्व इस्पात और खान मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का० आ० 2565 तारीख 21 अगस्त, 1965 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार ने निम्नलिखित का अर्जन किया है :—

(i) मनीदी, गरबूडीह, बारदूभी, बालुडीह, डुबराजपुर और जातुडीह ग्रामों में 235.00 एकड़ माप की भूमि ; और

(ii) धनबाद जिले में गरबूडीह, बालुडीह, डुबराजपुर, बारदुभी और जातुडीह ग्रामों में 40.00 एकड़ माप की भूमि में, खनिजों के खनन, खदान किया, बोर करने, खोदने के लिए और उनकी तलाश करने, उन्हें प्राप्त करने, कार्य करने और ले जाने के अधिकार।

और यत: राज्य सरकार प्राधिकारियों के अधिप्रमाणीकरण के अनुसार उक्त अधिनियम की धारा 13 के अधीन सर्वश्री लक्ष्मण सिंह सुपुत्र अजब सिंह और गुरदयाल सिंह सुपुत्र मुकटेश्वर सिंह हितबद्ध व्यक्ति पाये गये थे और तदनुसार 1.41 एकड़ क्षेत्र के उक्त अर्जन के लिए प्रतिकर उनके पक्ष में निर्धारित किया गया था ,

और यत: प्रस्थापित प्रतिकर की राशि की पर्याप्तता के बारे में विवाद होने से उक्त अर्जन के लिए संदेय प्रतिकर की राशि करार द्वारा नियत नहीं की जा सकी; और इस प्रकार प्रस्थापित राशि हितबद्ध व्यक्तियों द्वारा सविरोध ही स्वीकार की गई है ;

अत:, अब कोयला वाले क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 की धारा 14 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार हितबद्ध व्यक्तियों को संदेय प्रतिकर की राशि को अवधारित करने के प्रयोजन के लिए एतद्द्वारा एक अधिकरण को गठित करती है जिसमें श्री रबनेश्वर प्रसाद सिन्हा, अपर न्यायिक आयुक्त, रांची होंगे।

[का० सं० को० 3-5(9)/70]

S.O. 493—Whereas in pursuance of the notification of the Government of India in the late Ministry of Steel and Mines No. S.O. 2565, dated the 21st August, 1965, made under section 9 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government has acquired:

(i) Lands measuring 235.00 acres in villages Manidi, Garbhudih, Bardubhi, Baludih, Dubrajpur and Jatudih; and

(ii) the rights to mine, quarry, bore, dig and search for, win, work and carry away minerals in lands measuring 40.00 acres in villages Garbhudih, Baludih, Dubrajpur, Bardubhi and Jatudih, in the District Dhanbad.

And whereas Sarvashri Lachman Singh, s/o Ajab Singh and Baneshwar Singh, s/o Pyare Singh were found as persons interested under section 13 of the said Act in accordance with authentication by the State Government authorities and accordingly compensation for an area of 0.16 acres of the said acquisition was assessed in their favour;

And whereas the amount of compensation payable for the said acquisition could not be fixed by agreement there being a dispute as to the sufficiency of amount of the compensation offered and the amount so offered has been accepted by the persons interested under protest;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 14 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957, the Central Government hereby constitutes a Tribunal consisting of Shri Rabneshwar Prasad Sinha, Additional Judicial Commissioner, Ranchi, for the purpose of determining the amount of compensation payable to the persons interested.

[No. F.C3-5(9)/70.]

का० आ० 493.—यतः कोयला वाले क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 9 के अधीन भारत सरकार के भूतपूर्व इस्पात और खान मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का० आ० 2565 तारीख 21 अगस्त, 1965 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार ने निम्नलिखित का अर्जन किया है :—

(i) मनीदी, गरबूडीह, बारदुभी, बालुडीह, डुबराजपुर और जातुडीह ग्रामों में 235.00 एकड़ माप की भूमि; और

(ii) धनबाद जिले में गरबूडीह, बालुडीह, डुबराजपुर, बारदुभी और जातुडीह ग्रामों में 40.00 एकड़ माप की भूमि में, खनिजों के खनन, खदान खिया, बोर करने, खोदने के लिये और उनकी तलाश करने, उन्हे प्राप्त करने, कार्य करने और ले जाने के अधिकार।

और यतः राज्य सरकार प्राधिकारियों के अधिप्रमाणीकरण के अनुसार उक्त अधिनियम की धारा 13 के अधीन सर्वश्री लक्ष्मण सिंह सुपुत्र अजब सिंह और बनेश्वर सिंह सुपुत्र प्यारे सिंह हितबद्ध व्यक्ति पाये गये थे और तदनुसार 0.16 एकड़ क्षेत्र के उक्त अर्जन के लिए प्रतिकर उनके पक्ष में निर्धारित किया गया था ;

और यतः प्रस्थापित प्रतिकर की राशि की पर्याप्तता के बारे में विवाद होने से उक्त अर्जन के लिए संदेय प्रतिकर की राशि करार द्वारा नियत नहीं की जा सकी; और इस प्रकार प्रस्थापित राशि हितबद्ध व्यक्तियों द्वारा सविरोध ही स्वीकार की गई है ;

अतः, अब कोयला वाले क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 की धारा 14 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार हितबद्ध व्यक्तियों को संदेय प्रतिकर की राशि को अवधारित करने के प्रयोजन के लिए एतद्द्वारा एक अधिकरण को गठित करती है जिसमें श्री रबनेश्वर प्रसाद सिन्हा, अपर न्यायिक आयुक्त, रांची होंगे ।

[सं० फा० को० 3-5(9)/70]

S.O. 494.—Whereas in pursuance of the notification of the Government of India in the late Ministry of Steel and Mines No. S.O. 2565, dated the 21st August, 1965, made under section 9 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government has acquired:

(i) Lands measuring 235.00 acres in villages Manidi, Garbhudih, Bardubhi, Baludih, Dubrajpur and Jatudih; and

(ii) the rights to mine, quarry, bore, dig and search for, win, work and carry away minerals in lands measuring 40.00 acres in villages Garbhudih, Baludih, Dubrajpur, Bardubhi and Jatudih, in the District Dhanbad.

And whereas Lachman Singh, s/o Ajab Singh was found as person interested under section 13 of the said Act in accordance with authentication by the State Government authorities and accordingly compensation for an area of 0.09 acres of the said acquisition was assessed in his favour;

And whereas the amount of compensation payable for the said acquisition could not be fixed by agreement there being a dispute as to the sufficiency of amount of the compensation offered and the amount so offered has been accepted by the persons interested under protest;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 14 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957, the Central Government hereby constitutes a Tribunal consisting of Shri Rabneshwar Prasad Sinha, Additional Judicial Commissioner, Ranchi, for the purpose of determining the amount of compensation payable to the persons interested.

[No. F.C3-5(9)/70.]

का० आ० 494.—यतः कोयला वाले क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 9 के अधीन भारत सरकार के भूतपूर्व इस्पात और खान मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का० आ० 2565 तारीख 21 अगस्त, 1965 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार ने निम्नलिखित का अर्जन किया है :—

(i) मनीदी, गरबूडीह, बारदुभी, बालुडीह, डुबराजपुर और जातुडीह में 235.00 एकड़ माप की भूमि ; और

(ii) धनबाद जिले में गरबूडीह, बालुडीह, डुबराजपुर, बारदुभी और जातुडीह ग्रामों में 40.00 एकड़ माप की भूमि में, खनिजों के खनन, खदान किया, बोर करने, खोदने के लिए और उनकी तलाश करने, उन्हे प्राप्त करने कार्य करने और ले जाने के अधिकार ।

और यतः राज्य सरकार प्राधिकारियों के अधिप्रमाणीकरण के अनुसार उक्त अधिनियम की धारा 13 के अधीन लक्ष्मण सिंह सुपुत्र अजब सिंह हितबद्ध व्यक्ति पाया गया था और तदनुसार 0.09 एकड़ क्षेत्र के उक्त अर्जन के लिए प्रतिकर उसके पक्ष में निर्धारित किया गया था ;

और यतः प्रस्थापित प्रतिकर की राशि की पर्याप्तता के बारे में विवाद होने से उक्त अर्जन के लिए संदेय प्रतिकर की राशि करार द्वारा नियत नहीं की जा सकी; और इस प्रकार प्रस्थापित राशि हितबद्ध व्यक्तियों द्वारा सविरोध ही स्वीकार की गई है ;

अतः, अब कोयला वाले क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 की धारा 14 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार हितबद्ध व्यक्तियों को संदेय प्रतिकर की राशि को अवधारित करने के प्रयोजन के लिए एतद्द्वारा एक अधिकरण को गठित करती है जिसमें श्री रबनेश्वर प्रसाद सिन्हा, अपर न्यायिक आयुक्त, रांची होंगे ।

[सं० फा० को० 3-5(9)/70]

S.O. 495.—Whereas in pursuance of the notification of the Government of India in the late Ministry of Steel and Mines No. S.O. 2565, dated the 21st August, 1965, made under section 9 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government has acquired;

(i) Lands measuring 235.00 acres in villages Manidi, Garbhudih, Bardubhi, Baludih, Dubrajpur and Jatudih; and

(ii) the rights to mine, quarry, bore, dig and search for, win, work and carry away minerals in lands measuring 40.00 acres in villages Garbhudih, Baludih, Dubrajpur, Bardubhi and Jatudih, in the District Dhanbad.

And whereas Sarvashri Chigu Sai, Khudu Sai, Narayan Prasad Singh, s/o Manu Sai and Shrimati Karla Boti, w/o Kali Pado Bawri were found as persons interested under section 13 of the said Act, in accordance with the authentication by State Government authorities and accordingly compensation for an area 1.25 acres of the said acquisition was assessed in their favour.

And whereas the amount of compensation payable for the said acquisition could not be fixed by agreement there being a dispute as to the sufficiency of amount of compensation offered and the amount so offered has been accepted by the persons interested under protest;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 14 of the Coal Bearing Area (Acquisition and Development) Act, 1957, the Central Government hereby constitutes a Tribunal consisting of Shri Rabneshwar Prasad Sinha, Additional Judicial Commissioner, Ranchi, for the purpose of determining the amount of compensation payable to the persons interested.

[No. F. C3-5(9)/70.]

का० आ० 495.—यतः कोयला वाले क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 9 के अधीन भारत सरकार के भूतपूर्व इस्पात और खान मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का० आ० 2565, तारीख 21 अगस्त, 1965 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार ने निम्नलिखित का अर्जन किया है :—

(i) मनीदी, गरबूडीह, बारदुभी, बालुडीह, डुबराजपुर और जातुडीह ग्रामों में 235.00 एकड़ माप की भूमि ; और

(ii) धनबाद जिले में गरबूडीह, बालूडीह, डुबराजपुर, बारदुभी और जातुडीह ग्रामों में 40.00 एकड़ माप की भूमि में, खनिजों के खनन, खदान किया, बोर करने, खोदने के लिए और उनकी तलाश करने, उन्हें प्राप्त करने, कार्य करने और ले जाने के अधिकार।

और यतः राज्य सरकार प्राधिकारियों के अधिप्रमाणीकरण के अनुसार उक्त अधिनियम की धारा 13 के अधीन सर्वश्री चिगु साय, खुडुनारायण प्रसाद सिंह सुपुत्र मनु साय और श्रीमती कारला बोती पत्नी काली पादो बाघड़ी हितबद्ध व्यक्ति पाए गए थे और तदनुसार 1.25 एकड़ क्षेत्र के उक्त अर्जन के लिए प्रतिकर उनके पक्ष में निर्धारित किया गया था।

और यतः प्रस्थापित प्रतिकर की राशि की पर्याप्तता के बारे में विवाद होने से उक्त अर्जन के लिए संदेय प्रतिकर की राशि करार द्वारा नियत नहीं की जा सकी ; और इस प्रकार प्रस्थापित राशि हितबद्ध व्यक्तियों द्वारा सविरोध ही स्वीकार की गई है ;

अतः, अब कोयला वाले क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 की धारा 14 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार हितबद्ध व्यक्तियों को संदेय प्रतिकर की राशि को अवधारित करने के प्रयोजन के लिए एतद्द्वारा एक अधिकरण को गठित करती है जिस में श्री रबनेशवर प्रसाद सिन्हा अपर न्यायिक आयुक्त रांची होंगे।

[सं० फा० को० 3-5(9)/70]

S.O. 496.—Whereas in pursuance of the notification of the Government of India in the late Ministry of Steel and Mines No. S.O. 2565, dated the 21st August, 1965, made under section 9 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government has acquired;

(i) Lands measuring 235.00 acres in villages Manidi, Garbhudih, Bardubhi, Baludih, Dubrajpur and Jatudih; and

(ii) the rights to mine, quarry, bore, dig and search for, win, work and carry away minerals in lands measuring 40.00 acres in villages Garbhudih, Baludih, Dubrajpur, Bardubhi and Jatudih, in the District Dhanbad.

And whereas Sarvashri Keshab Singh and Sahdeo Mosif were found as persons interested under section 13 of the said Act, in accordance with the authentication by the State Government authorities and accordingly compensation for an area 3.25 acres of the said acquisition was assessed in their favour;

And whereas the amount of compensation payable for the said acquisition could not be fixed by agreement there being a dispute as to the sufficiency of amount of compensation offered and the amount so offered has been accepted by the persons interested under protest;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 14 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957, the Central Government hereby constitutes a Tribunal consisting of Shri Rabneshwar Prasad Sinha, Additional Judicial Commissioner, Ranchi, for the purpose of determining the amount of compensation payable to the persons interested.

[No. F. C3-5(9)/70.]

का० आ० 496—यतः कोयला वाले क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 9 के अधीन भारत सरकार के भूतपूर्व इस्पात और खान मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का० आ० 2565 तारीख 21 अगस्त, 1965 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार ने निम्नलिखित का अर्जन किया है

(i) मनीदी, गरबूडीह, बारदुभी, बालुडीह, डुबराजपुर और जातुडीह ग्रामों में 235.00 एकड़ माप की भूमि ; और

(ii) धनबाद जिले में गरबूडीह, बालूडीह, डुबराजपुर, बारदुभी और जातुडीह ग्रामों में 40.00 एकड़ माप की भूमि में, खनिजों के खनन, खदान क्रिया, बोर करने, खोदने के लिए और उन को तलाश करने, उन्हें प्राप्त करने, कार्य करने और ले जाने के अधिकार।

और यतः राज्य सरकार प्राधिकारियों के अधिप्रमाणीकरण के अनुसार उक्त अधिनियम की धारा 13 के अधीन सर्वश्री केशव सिंह और सहदेव मौसिफ हितबद्धव्यक्ति पाए गए थे और तदनुसार 3.25 एकड़ क्षेत्र के उक्त अर्जन के लिए प्रतिकर उनके पक्ष में निर्धारित किया गया था।

और यतः प्रस्थापित प्रतिकर की राशि की पर्याप्तता के बारे में विवाद होने से उक्त अर्जन के लिए संदेय प्रतिकर की राशि करार द्वारा नियत नहीं की जा सकी ; और इस प्रकार प्रस्थापित राशि हितबद्ध व्यक्तियों द्वारा सविरोध ही स्वीकार की गई है ;

अतः, अब कोयला वाले क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 की धारा 14 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार हितबद्ध व्यक्तियों को संदेय प्रतिकर की राशि को अवधारित करने के प्रयोजन के लिए एतद द्वारा एक अधिकरण को गठित करती है जिसमें श्री रबनेशवर प्रसाद सिन्हा अपर न्यायिक आयुक्त राँची होंगे।

[सं० फा० को० 3-5(9)/70]

S.O. 497.—Whereas in pursuance of the notification of the Government of India in the late Ministry of Steel and Mines No. S.O. 2565, dated the 21st August, 1965, made under section 9 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government has acquired:

(i) Lands measuring 235.00 acres in villages Manidi, Garbhudih, Bardubhi, Baludih, Dubrajpur and Jatudih; and

(ii) the rights to mine, quarry, bore, dig and search for, win, work and carry away minerals in lands measuring 40.00 acres in villages Garbhudih, Baludih, Dubrajpur, Bardubhi and Jatudih, in the District Dhanbad.

And whereas Laxman Singh was found as person interested under section 13 of the said Act in accordance with authentication by the State Government authorities and accordingly compensation for an area of 0.03 acres of the said acquisition was assessed in his favour;

And whereas the amount of compensation payable for the said acquisition could not be fixed by agreement there being a dispute as to the sufficiency of amount of compensation offered and the amount so offered has been accepted by the persons interested under protest;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 14 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957, the Central Government hereby constitutes a Tribunal consisting of Shri Rabneshwar Prasad Sinha, Additional Judicial Commissioner, Ranchi, for the purpose of determining the amount of compensation payable to the persons interested.

[No. F. C3-5(9)/70.]

K. SUBRAHMANYAN, Under Secy.

का० आ० 497.—यतः कोयला वाले क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 9 के अधीन भारत सरकार के भूतपूर्व इस्पात और खान मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का० आ० 2565 तारीख 21 अगस्त, 1965 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार ने निम्नलिखित का अर्जन किया है :—

(i) मनीदी, गरबूडीह, बारदुभी, बालुडीह, डुबराजपुर और जातुडीह ग्रामों में 235.00 एकड़ माप की भूमि ; और

(ii) धनबाद जिले में गरबूडीह, बालूडीह, डुबराजपुर, बारदुभी और जातुडीह ग्रामों में 40.00 एकड़ माप की भूमि में, खनिजों के खनन, खदान क्रिया, बोर करने, खोदने के लिए और उन की तलाश करने, उन्हें प्राप्त करने, कार्य करने और ले जाने के अधिकार।

और यतः राज्य सरकार प्राधिकारियों के अधिप्रभापीकरण के अनुसार उक्त अधिनियम की धारा 13 के अधीन लक्ष्मण सिंह हितबद्ध व्यक्ति पाया गया था और तदनुसार 0.03 एकड़ क्षेत्र के उक्त अर्जन के लिए प्रतिकर उनके पक्ष में निर्धारित किया गया था।

और यतः प्रस्थापित प्रतिकर की राशि की पर्याप्तता के बारे में विवाद होने से उक्त अर्जन के लिए संदेय प्रतिकर की राशि करार द्वारा नियत नहीं की जा सकी ; और इस प्रकार प्रस्थापित राशि हितबद्ध व्यक्तियों द्वारा सविरोध ही स्वीकार की गई है ;

अतः, अब कोयला वाले क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 की धारा 14 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार हितबद्ध व्यक्तियों को संदेय प्रतिकर की राशि को अवधारित करने के प्रयोजन के लिए एतद्द्वारा एक अधिकरण को गठित करती है जिस में श्री रबनेश्वर प्रसाद सिन्हा अपर न्यायिक आयुक्त रांची होंगे।

[सं० फा० को० 3-5(9)/70]

के० सुब्रह्मण्यम, अवर सचिव।

MINISTRY OF LABOUR, EMPLOYMENT AND REHABILITATION

(Department of Labour and Employment)

New Delhi, the 13th January 1971

S.O. 498.—In exercise of the powers conferred by section 73F of the Employees State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), and in continuation of the notification of the Government of India in the Ministry of Labour, Employment and Rehabilitation (Department of Labour and Employment) No. S.O. 3276, dated the 5th August, 1969, the Central Government having regard to the location of the factory, namely Central Jail Industrial Section, Central Jail, Madras, in an area in which the provisions of Chapters IV and V of the said Act are in force, hereby exempts the said factory from the payment of the employer's special contribution leviable under Chapter VA of the said Act for a further period of one year with effect from the 12th August, 1970, up to and inclusive of the 11th August, 1971.

[No. F.601(32)/70-HI.]

श्रम रोजगार और पुनर्वास मंत्रालय

(श्रम और रोजगार विभाग)

नई दिल्ली, 13 जनवरी, 1971

का० आ० 498:—कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 73 च द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के श्रम, रोजगार और पुनर्वास मंत्रालय (श्रम और रोजगार विभाग) की अधिसूचना सं० का० आ० 3276 तारीख 5 अगस्त, 1969 के क्रम में केन्द्रीय सरकार केन्द्रीय जेल औद्योगिक अनुभाग, केन्द्रीय जेल, मद्रास नामक कारखाने की ऐसे क्षेत्र में, जिसमें उक्त अधिनियम के अध्याय 4 और 5 के उपबन्ध प्रवृत्त हैं, अवस्थिति को ध्यान में रखते हुए उक्त कारखाने को उक्त अधिनियम के अध्याय 5-क के अधीन उद्ग्रहणीय नियोजक के विशेष अभिदाय के संदाय से 12 अगस्त, 1970 से 11 अगस्त, 1971 तक जिसमें वह दिन भी सम्मिलित है, एक और वर्ष की कालावधि के लिए एतद्द्वारा छूट देती है ।

[सं० फा० 601(32)/70-एच० आई०]

S.O. 499.—In exercise of the powers conferred by section 73F of the Employees State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), and in continuation of the notification of the Government of India in the Ministry of Labour, Employment and Rehabilitation (Department of Labour and Employment) No. S.O. 3106, dated the 26th July, 1969, the Central Government having regard to the location of the State Transport Workshops at Meenakshipuram and Ranithottam of the Kanya Kumari, Branch of the Madras State Transport Department in an area in which the provisions of Chapters IV and V of the said Act are in force, hereby exempts the said workshops from the payment of the employer's special contribution leviable under Chapter VA of the said Act for a further period of one year with effect from the 29th July, 1970, upto and inclusive of the 28th July, 1971.

[No. F.601(35)/70-HI.]

का० आ० 499.—कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34)की धारा 73च द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के श्रम, रोजगार और पुनर्वास मंत्रालय (श्रम और रोजगार विभाग) की अधिसूचना सं० का० आ० 3106 तारीख 26 जुलाई, 1969 के क्रम में केन्द्रीय सरकार मद्रास राज्य परिवहन विभाग की कन्या कुमारी शाखा की मीनाक्षापुरम् एवं रानीथोत्तम स्थित राज्य परिवहन कर्मशालाओं की ऐसे क्षेत्र में, जिसमें उक्त अधिनियम के अध्याय 4 और 5 के उपबन्ध प्रवृत्त हैं, अवस्थिति को ध्यान में रखते हुए उक्त कर्मशालाओं को उक्त अधिनियम के अध्याय 5—क के अधीन उद्ग्रहणीय नियोजक के विशेष अभिदाय के सन्दाय से 29 जुलाई, 1970 से 28 जुलाई, 1971 तक जिसमें वह दिन भी सम्मिलित है एक और वर्ष की कालावधि के लिए एतद्द्वारा छूट देती है ।

[सं० फा० 601(35)/70—एच० आई०]

S.O. 500.—In exercise of the powers conferred by section 73F of the Employees State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), and in continuation of the notification of the Government of India in the Ministry of Labour, Employment and Rehabilitation (Department of Labour and Employment) No. S.O. 3105, dated the 26th July, 1969, the Central Government having regard to the location of the Steam Laundry attached to the K. G. Hospital, Visakhapatnam, in an area in which the provisions of Chapters IV and V of the said Act are in force, hereby exempts the said laundry from the payment of the employer's special contribution leviable under Chapter VA of the said Act for a further period of one year with effect from the 1st August, 1970, upto and inclusive of the 31st July, 1971.

[No. F.601(36)/70-HI.]

का० आ० 500 :—कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 73च द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के श्रम, रोजगार और पुनर्वास मंत्रालय (श्रम और रोजगार विभाग) की अधिसूचना सं० का ०आ० 3105 तारीख 26 जुलाई 1969 के क्रम में केन्द्रीय सरकार के०जी० चिकित्सालय, विशाखापट्टनम् से संलग्न स्टीम लाण्ड्री को ऐसे क्षेत्र में, जिसमे उक्त अधिनियम के अध्याय 4 और5 के उपबन्ध प्रवृत्त है अवस्थिति को ध्यान में रखते हुए उक्त लाण्ड्री को उक्त अधिनियम के अध्याय 5-क के अधीन उद्ग्रहणीय नियोजक के विशेष अभिदाय के सन्दाय से 1 अगस्त, 1970 से 31 जुलाई 1971 तक जिसमें वह दिन भी सम्मिलित है, एक और वर्ष की कालावधि के लिए एतद्द्वारा छूट देती है ।

[सं० फा० 601(36)/70—एच० आई०]

S.O. 501.—In exercise of the powers conferred by section 73F of the Employees State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), and in continuation of the notification of the Government of India in the Ministry of Labour, Employment and Rehabilitation (Department of Labour and Employment) No. S.O. 3303, dated the 12th September, 1969, the Central Government, having regard to the location of the Central Government Press, Ahmedabad, in an area in which the provisions of Chapters IV and V of the Act are in force, hereby exempts the said Press from the payment of the employer's special contribution leviable under Chapter VA of the said Act for a further period of one year with effect from the 16th August, 1970, upto and inclusive of the 15th August, 1971.

[No. F.601(37)/70-HI.]

का० आ० 501 :—कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 73च द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के श्रम, रोजगार और पुनर्वास मंत्रालय (श्रम और रोजगार विभाग) की अधिसूचना संख्या का० आ० 3803 तारीख 12 सितम्बर, 1969 के क्रम में केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय सरकार मुद्रणालय अहमदाबाद की ऐसे क्षेत्र में, जिसमें उक्त अधिनियम के अध्याय 4 और 5 के उपबन्ध प्रवृत्त हैं, अवस्थिति को ध्यान में रखते हुए उक्त मुद्रणालय को उक्त अधिनियम के अध्याय 5-क के अधीन उद्ग्रहणीय नियोजक के विशेष अभिदाय के संदाय से 16 अगस्त, 1970 से 15 अगस्त, 1971 तक जिसमें वह दिन भी सम्मिलित है, एक और वर्ष की कालावधि के लिए एतद्द्वारा छूट देती है ।

[सं० फा० 601 (37)/70—एच० आई०]

S.O. 502.—In exercise of the powers conferred by section 73F of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), and in continuation of the notification of the Government of India in the Ministry of Labour, Employment and Rehabilitation (Department of Labour & Employment) No. S.O. 3461, dated the 20th August, 1969, the Central Government having regard to the location of the factory namely, Sharavathy Hydro Electric Generating Station in Jog, in an area in which the provisions of Chapters IV and V of the said Act are not in force, hereby exempts the said factory from the payment of the employer's special contribution leviable under Chapter VA of the said Act for a further period of one year with effect from the 30th August, 1970 upto and inclusive of the 29th August, 1971.

[No. F.601(40)/70-HI.

का० आ० 502 :—कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 73च द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के श्रम, रोजगार और पुनर्वास मंत्रालय (श्रम और रोजगार विभाग) की अधिसूचना संख्या का० आ० 3461 तारीख 20 अगस्त, 1969 के क्रम में केन्द्रीय सरकार जोग स्थित शरवती हाइड्रो इलक्ट्रिक जनेरेटिंग स्टशन नामक कारखाने की ऐसे क्षेत्र में, जिसमें उक्त अधिनियम के अध्याय 4 और 5 के उपबंध प्रवत्त नहीं है, अवास्थति को ध्यान में रखते हुए उक्त कारखाने को उक्त अधिनियम के अध्याय 5—क के अधीन उद्ग्रहणीय नियोजक के विशेष अभिदाय के सन्दाय से 30 अगस्त, 1970 से 29 अगस्त, 1971 तक जिसमें वह दिन भी सम्मिलित है, एक और वर्ष की कालावधि के लिए एतद्द्वारा छूट देती है ।

[सं० फा० 601(40)/70—एच०आई०]

S.O. 503.—In exercise of the powers conferred b y section 73F of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), and in continuation of the notification of the Government of India in the Ministry of Labour, Employment and Rehabilitation (Department of Labour and Employment) No. S.O. 3802, dated the 12th September, 1969, the Central Government having regard to the location of the factory, namely, Andhra University Press, Waltair, in an area in which the provisions of Chapters IV and V of the said Act are in force, hereby exempts the said press from the payment of the employer's special contribution leviable under Chapter VA of the said Act for a further period of one year with effect from the date of expiry of the period specified in the said notification.

[No. F.601(41)/70-HI.]

का० आ० 503 :—कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 73च द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के श्रम, रोजगार और पुनर्वास मंत्रालय (श्रम और रोजगार विभाग) की अधिसूचना सं० का० आ० 3802 तारीख 12 सितम्बर, 1969 के क्रम में केन्द्रीय सरकार आंध्र विश्वविद्यालय मुद्रणालय, वाल्टेयर नामक कारखाने की ऐसे क्षेत्र में, जिसमें उक्त अधिनियम के अध्याय 4 और 5 के उपबन्ध प्रवृत्त हैं, अवस्थिति को ध्यान में रखते हुए उक्त कारखाने को उक्त अधिनियम क अध्याय 5—क के अधीन उद्ग्रहणीय नियोजक के विशष अभिदाय के सन्दाय से उक्त अधिसूचना मे विनिर्दिष्ट कालावधि के अवसान की तारीख से एक और वर्ष की कालावधि के लिए एतद्द्वारा छूट देती है ।

[सं० फा० 601(41)/70—एच० आई०]

S.O. 504.—In exercise of the powers conferred by section 73 of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), and in continuation of the notification of the Government of India in the Ministry of Labour, Employment and Rehabilitation (Department of Labour and Employment) No. S.O. 4484, dated the 30th October, 1969, the Central Government having regard to the location of the Electric Sub-Station No. IV, New Delhi Municipal Committee, Market Lane, New Delhi, in an area in which the provisions of Chapters IV and V of the said Act are in force, hereby exempts the said Sub-Station from the payment of the employer's special contribution leviable under Chapter VA of the said Act for a further period of one year with effect from the date of expiry of the period specified in the said notification.

[No. F.601(42)/70-HI.]

का० आ० 504.— कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 73च द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए भारत सरकार के श्रम, रोजगार और पुनर्वास मंत्रालय (श्रम और रोजगार विभाग) की अधिसूचना संख्या का० आ० 4484 तारीख 30 अक्टूबर, 1969 के क्रम में केन्द्रीय सरकार नई दिल्ली नगरपालिका समिति, मार्केट लेन, नई दिल्ली के विद्युत उप स्टेशन संख्या 4 की ऐसे क्षेत्र में, जिसमें उक्त अधिनियम के अध्याय 4 और 5 के उपबन्ध प्रवृत्त हैं, अवस्थिति को ध्यान में रखते हुए उक्त उपस्टेशन को उक्त अधिनियम के अध्याय 5—क के

अधीन उदग्रहणीय नियोजक के विशेष अभिदाय के सन्दाय से उक्त अधिसूचना में विनिर्दिष्ट कालावधि के अवसान की तारीख से एक और वर्ष की कालावधि के लिए एतद्द्वारा छूट देती है ।

[सं० फा० 601(42)/70-एच० आई०]

S.O. 505.—In exercise of the powers conferred by section 73F of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), and in continuation of the notification of the Government of India in the Ministry of Labour, Employment and Rehabilitation (Department of Labour and Employment) No. S.O. 4206, dated the 8th October, 1969, the Central Government having regard to the location of the Vaccine Institute, Nagpur, in an area in which the provisions of Chapters IV and V of the said Act are in force, hereby exempts the said institute from the payment of the employer's special contribution leviable under Chapter VA of the said Act for a further period of one year with effect from the date of expiry of the period specified in the said notification.

[No. F.601(43)/70-HI.]

का० आ० 505.— कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 73च द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के श्रम, रोजगार और पुनर्वास मंत्रालय (श्रम और रोजगार विभाग) की अधिसूचना संख्या का० आ० 4206 तारीख 8 अक्टूबर, 1969 के क्रम में केन्द्रीय सरकार टीका संस्थान, नागपुर की ऐसे क्षेत्र में, जिसमें उक्त अधिनियम के अध्याय 4 और 5 के उपबन्ध प्रवृत्त हैं, अवस्थिति को ध्यान में रखते हुए उक्त संस्थान को उक्त अधिनियम के अध्याय 5-क के अधीन उदग्रहणीय नियोजक के विशेष अभिदाय के संदाय से उक्त अधिसूचना में विनिर्दिष्ट कालावधि के अवसान की तारीख से, एक और वर्ष की कालावधि के लिए एतद्द्वारा छूट देती है ।

[सं० फा० 601(43)/70-एच० आई०]

S.O. 506.—In exercise of the powers conferred by section 73F of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), and in continuation of the notification of the Government of India in the Ministry of Labour, Employment and Rehabilitation (Department of Labour and Employment) No. S.O. 4132, dated the 26th September, 1969, the Central Government having regard to the location of the establishment namely, Biological Products Section, Post Office Veterinary College, Hissar, in an area in which the provisions of Chapters IV and V of the said Act are in force, hereby exempts the said establishment from the payment of the employer's special contribution leviable under Chapter VA of the said Act for a further period of one year with effect from the 30th September, 1970, upto and inclusive of the 29th September, 1971.

[No. F.601(45)/70-HI.]

का० आ० 506.—कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 73च द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के श्रम, रोजगार और पुनर्वास मंत्रालय (श्रम और रोजगार विभाग) की अधिसूचना संख्या का० आ० 4123 तारीख 26 सितम्बर, 1969 के क्रम में केन्द्रीय सरकार जीव विज्ञान सम्बन्धी अनुभाग, डाकघर पशु-चिकित्सा महाविद्यालय, हिसार नामक स्थापन की ऐसे क्षेत्र में, जिसमें उक्त अधिनियम के अध्याय 4 और 5 के उपबन्ध प्रवृत्त हैं, अवस्थिति को ध्यान में रखते हुए उक्त स्थापन को उक्त अधिनियम के अध्याय 5-क के अधीन उदग्रहणीय नियोजक के विशेष अभिदाय के संदाय से 30 सितम्बर, 1970 से 29 सितम्बर, 1971 तक जिसमें वह दिन भी सम्मिलित है, एक और वर्ष की कालावधि के लिए एतद्द्वारा छूट देती है ।

[सं० फा० 601(45)/70-एच० आई०]

S.O. 507.—In exercise of the powers conferred by section 73F of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), and in continuation of the notification of the Government of India in the Ministry of Labour, Employment and Rehabilitation (Department of Labour and Employment) No. S.O. 4122, dated

the 26th September, 1969, the Central Government having regard to the location of the High Court Press, Hyderabad, a wing of the Central Government Press, Hyderabad, in an area in which the provisions of Chapters IV and V of the said Act are in force, hereby exempts the said press from the payment of employer's special contribution leviable under Chapter VA of the said Act for a further period of one year with effect from the 25th September, 1970, upto and inclusive of the 24th September, 1971.

[No. F.601(46)/70-HI.]

का० आ० 507.— कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 73च द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के श्रम, रोजगार और पुनर्वास मंत्रालय (श्रम और रोजगार विभाग) की अधिसूचना सं० का० आ० 4122 तारीख 26 सितम्बर, 1969 के क्रम में केन्द्रीय सरकार उच्च न्यायलय मुद्रणालय, हैदराबाद जो केन्द्रीय सरकार मुद्रणालय, हैदराबाद का स्कन्ध है की ऐसे क्षेत्र में, जिसमें उक्त अधिनियम के अध्याय 4 और 5 के उपबन्ध प्रवृत्त हैं, अवस्थिति को ध्यान में रखते हुए उक्त मुद्रणालय को उक्त अधिनियम के अध्याय 5-क के अधीन उद्ग्रहणीय नियोजक के विशेष अभिदाय के संदाय से 25 सितम्बर, 1970 से 24 सितम्बर, 1971 तक जिसमें वह दिन भी सम्मिलित है, एक और वर्ष की कालावधि के लिए एतद्द्वारा छूट देती है।

[सं० फा० 601(46)/70-एच० आई०]

S.O. 508.—In exercise of the powers conferred by section 73F of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), and in continuation of the notification of the Government of India in the Ministry of Labour, Employment and Rehabilitation (Department of Labour and Employment) No. S.O. 708, dated the 13th February, 1970 the Central Government having regard to the location of the Hydro Electric Power House, Rampur, belonging to the Uttar Pradesh State Electricity Board, in an area in which the provisions of the Chapters IV and V of the said Act are in force, hereby exempts the said power house from the payment of the employer's special contribution leviable under Chapter VA of the said Act for a further period of one year with effect from the 1st November, 1970 upto and inclusive of the 31st October, 1971.

[No. F.601(52)/70-HI.]

का० आ० 508.— कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 73च द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के श्रम, रोजगार और पुनर्वास मंत्रालय (श्रम और रोजगार विभाग) की अधिसूचना संख्या का० आ० 708 तारीख 13 फरवरी, 1970 के क्रम में केन्द्रीय सरकार उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत बोर्ड के जल विद्युत बिजली घर, रामपुर की ऐसे क्षेत्र में, जिसमें उक्त अधिनियम के अध्याय 4 और 5 के उपबन्ध प्रवृत्त है, अवस्थिति को ध्यान में रखते हुए उक्त बिजली घर को उक्त अधिनियम के अध्याय 5-क के अधीन उदग्रहणीय नियोजक के विशेष अभिदाय के संदाय से 1 नवम्बर, 1970 से 31 अक्टूबर, 1971 तक जिसमें वह दिन भी सम्मिलित है, एक और वर्ष की कालावधि के लिए एतद्द्वारा छूट देती है।

[सं० फा० 601(52)/70-एच० आई०]

S.O. 509.—In exercise of the powers conferred by section 73F of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), and in continuation of the notification of the Government of India in the Ministry of Labour, Employment and Rehabilitation (Department of Labour and Employment) No. S.O. 706, dated the 13th February, 1970 the Central Government having regard to the location of the Government Press, Aurangabad, in an area in which the provisions of Chapters IV and V of the said Act are in force, hereby exempts the said Press from the payment of the employer's special contribution leviable under Chapter VA of the said Act for a further period of one year with effect from the 25th November, 1970 upto and inclusive of the 24th November, 1971.

[No. F.601(55)/70-HI.]

का० आ० 509.—कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 73च द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के श्रम, रोजगार और पुनर्वास मंत्रालय (श्रम और रोजगार विभाग) की अधिसूचना सं० का० आ० 706 तारीख 13 जनवरी, 1970 के क्रम में केन्द्रीय सरकार सरकारी मुद्रणालय, औरंगाबाद को ऐसे क्षेत्र में, जिसमें उक्त अधिनियम के अध्याय 4 और 5 के उपबन्ध प्रवृत्त हैं, अवस्थिति को ध्यान में रखते हुए उक्त मुद्रणालय को उक्त अधिनियम के अध्याय 5-क के अधीन उदग्रहणीय नियोजक विशेष अभिदाय के संदाय से 25 नवम्बर, 1970 से 24 नवम्बर, 1971 तक जिसमें वह दिन भी सम्मिलित है, एक और वर्ष की कालावधि के लिए एतद्द्वारा छूट देती है ।

[संख्या फा० 601(55)/70-एच० आई०]

S.O. 510.—In exercise of the powers conferred by section 73F of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), and in continuation of the notification of the Government of India in the Ministry of Labour, Employment and Rehabilitation (Department of Labour and Employment) No. S.O. 797, dated the 13th February, 1970 the Central Government having regard to the location of the Government Press and Stationery Stores, Kolhapur in an area in which the provisions of Chapters IV and V of the said Act are in force, hereby exempts the said press from the payment of the employer's special contribution leviable under Chapter VA of the said Act for a further period of one year with effect from the 1st December, 1970 upto and inclusive of the 30th November, 1971.

[No. F.601(61)/70-HI.]

का० आ० 510.—कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 73च द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के श्रम, रोजगार और पुनर्वास मंत्रालय (श्रम और रोजगार विभाग) की अधिसूचना सं० का० आ० 797 तारीख 13 फरवरी, 1970 के क्रम में केन्द्रीय सरकार सरकारी मुद्रणालय एवं स्टेशनरी स्टोर्स, कोल्हापुर की ऐसे क्षेत्र में, जिसमें उक्त अधिनियम के अध्याय 4 और 5 के उपबन्ध प्रवृत्त हैं, अवस्थिति को ध्यान में रखते हुए उक्त मुद्रणालय को उक्त अधिनियम के अध्याय 5-क के अधीन उद्ग्रहणीय नियोजक के विशेष अभिदाय के संदाय से 1 दिसम्बर, 1970 से 30 नवम्बर, 1971 तक जिसमें वह दिन भी सम्मिलित है, एक और वर्ष की कालावधि के लिए एतद्द्वारा छूट देती है ।

[सं० फा० 601(61)/70-एच० आई०]

New Delhi, the 15th January 1971

S.O. 511.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and all the employees in relation to the establishment known as Messrs Reliance Export Private Limited, Court House, 4th Floor, Tilak Marg, Dhobi Talav, Bombay-2 have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of January, 1970.

[No. 8/140/70-PF-II(1).]

नई दिल्ली, 15 जनवरी, 1971

का० आ० 511.—अतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मेसर्स रिलायन्स एक्सपोर्ट प्राइवेट लिमिटेड, कोर्ट हाउस, चौथी मंजिल, तिलक मार्ग, धोबी तालाब, मुम्बई-2 नामक स्थापन से

सम्बंध नियोजक और सभी कर्मचारी इस बात पर सहमत हो गए हैं कि कर्मचारी भविष्य निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिये ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को एतद्द्वारा लागू करती है ।

यह अधिसूचना 1970 की जनवरी के प्रथम दिन को प्रवत्त हुई समझी जाएगी ।

[सं० 8/140/70—पी० एफ० —2(i)]

S.O. 512.—In exercise of the powers conferred by first proviso to section 6 of the Employees' Provident Funds Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies, with effect from the 1st January, 1970 the establishment, known as Messrs Reliance Export Private Limited, Court House, 4th Floor, Tilak Marg, Dhobi Talav, Bombay-2 for the purposes of the said proviso.

[No. 8/140/70-PF-II(ii).]

का० आ० 512.—कर्मचारी भविष्य निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार इस विषय में आवश्यक जांच कर लेने के पश्चात एतद्द्वारा मैसर्स रिलायन्स एक्सपोर्ट प्राइवेट लिमिटेड, कोर्ट हाउस, चौथी मंजिल, तिलक मार्ग, धोबी तालाब मुम्बई—2 नामक स्थापन को प्रथम जनवरी, 1970 से उक्त परन्तुक के प्रयोजनों के लिए विनिर्दिष्ट करती है ।

[सं० 8/140/70—पी० एफ०—2(ii)]

S.O. 513.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employes in relation to the establishment known as Messrs Rupchand Tarachand and Company, 67—69 Bazargate Street, Fort, Bombay-1 including its branches at 47, 3rd, Bhoiwada, Bhuleshwar, Bombay-2 and Nandanvan Industrial Estate, Unit No. 9, Block D, Bombay Agra Road, Thana have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of November, 1969.

[No. 8/141/70-PF-II.]

का० आ० 513.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स रूपचन्द तारा चन्द एण्ड कम्पनी 67—69 बाजार गेट स्ट्रीट फोर्ट मुम्बई—1 नामक स्थापन, जिसमें इसकी 47, तृतीय भोइवाड़ा, भूलेश्वर, मुम्बई—2 और नन्दवन इंडस्ट्रियल एस्टेट, यूनिट संख्या 9 ब्लाक डी, मुम्बई आगरा रोड थाना की शाखाएँ सम्मिलित हैं, से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को एतद्द्वारा लागू करती है ।

यह अधिसूचना 1969 के नवम्बर के प्रथम दिन को प्रवत्त हुई समझी जाएगी ।

[सं० 8/141/70—पी० एफ० —(2)]

S.O. 514.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Kapitan Chemicals, Co-operative Industrial Estate, Balanagar, Hyderabad have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the Thirtieth day of April, 1970.

[No. 8/164/70/PF.(II)(i).]

का० आ० 514.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मसर्स केपिरान केमिकल्स, कोआपरेटिव इंडस्ट्रियल एस्टेट, बालानगर हैदराबाद नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उप धारा (4) प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को एतद्द्वारा लागू करती है।

यह अधिसूचना 1970 के अप्रैल के तीसवें दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[संख्या 8/164/70—पी० एफ० (2)(i)]

S.O. 515.—In exercise of the powers conferred by first proviso to section 6 of the Employees' Provident Funds Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies, with effect from the 30th April, 1970 the establishment, known as Messrs Kapitan Chemicals, Co-operative Industrial Estate, Balanagar, Hyderabad for the purposes of the said proviso.

[No. 8/164/70-PF.II(ii).]

का० आ० 515.—कर्मचारी भविष्य निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार इस विषय में आवश्यक जांच कर लेने के पश्चात एतद्द्वारा मेसर्स केपिटान केमिकल्स कोआपरेटिव इंडस्ट्रियल एस्टेट, बालानगर हैदराबाद नामक स्थापन को 30 अप्रल, 1970 से उक्त परन्तक के प्रयोजनों के लिए विनिर्दिष्ट करती है।

[संख्या 8/164/70—पी० एफ० 2(ii)]

S.O. 516.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Kanakapalam Estate, Kanakapalam Post Office, Erumely, Kanjirapally Taluk, Kottayam District (Kerala State) have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment with effect from the 31st July, 1970.

[No. 8/103/70/PF-II(i).]

का० आ० 516:—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मेसर्स कनक्कापालम एस्टेट, कनक्कापालम डाकघर, एरुमेली, कांजरापल्ली तलुक, कोट्टायम जिला (केरल राज्य) नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहु संख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि

कर्मचारी भविष्य निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को 31 जलाई, 1970 से एतद्-द्वारा लागू करती है ।

[सं० 8/103/70—पी० एफ० 2 (1)]

S.O. 517.—In exercise of the powers conferred by first proviso to section 6 of the Employees' Provident Funds Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies with effect from the 31st July, 1970 the establishment, known as Messrs Kanakapalam Estate, Kanakpalam Post Office, Erumely, Kanjirappally Taluk, Kottayam District (Kerala State) for the purposes of the said proviso.

[No. 8/103/70-PF-II(ii).]

का० आ० 517 :—कर्मचारी भविष्य निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार इस विषय में आवश्यक जांच कर लने के पश्चात् एतद्द्वारा मैसर्स कनक्कापालम एस्टेट, कनक्का पालम डाकघर, एरुमेली कांजिरापल्ली तालुक कोट्टायम जिला (केरल राज्य) नामक स्थापन को इकत्तीस जुलाई, 1970 से उक्त परन्तुक के प्रयोजनों के लिए विनिर्दिष्ट करती है ।

[सं० 8/103/70—पी० एफ० 2 (ii)]

S.O. 518.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Patel Ghanshyamdas and Company, Mulji Jetha Market, Dharmraj Gully, Bombay-2, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of March, 1970.

[No. 8/129/70/PF-II.]

का० आ० 518 :—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसस पटेल धनश्याम दास एण्ड कम्पनी मूलजी जेठा मार्केट, धर्मराज गली, मुम्बई—2 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि अधिनियम 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को एतद्द्वारा लागू करती है ।

यह अधिसूचना 1970 के मार्च के प्रथम दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[संख्या 8/129/70—पी० एफ० 2]

S.O. 519.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and all the employees in relation to the establishment known as The Messrs Mehra and Company, Rustom Building, 2nd Floor, 29, Veer Nariman Road, Fort, Bombay-1 have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty first day of October, 1969.

[No. 8/124/70/PF-II(i).]

का० आ० 519:—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स मेहरा एण्ड कम्पनी, रुस्तम बिल्डिंग, दूसरी मंजिल, 29 ,वीर नरीमन रोड़, फोर्ट मुम्बई–1 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और सभी कर्मचारी इस बात पर सहमत हो गए हैं कि कर्मचारी भविष्य निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिएं;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को एतद्द्वारा लागू करती है।

यह अधिसूचना 1969 के अक्तूबर के इकत्तीसवें दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[संख्या 8/124/70–पी०एफ० 2(i)]

S.O. 520.—In exercise of the powers conferred by first proviso to section 6 of the Employees' Provident Funds Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies with effect from the 31st October, 1969 the establishment, known as Messrs Mehra and Company, Rustom Building, 2nd Floor, 29, Veer Nariman Road, Fort, Bombay-1. for the purposes of the said proviso.

[No. 8/124/70/PF-II(ii)]

का० आ० 520—कर्मचारी भविष्य निधि अधिनियम 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परन्तुक द्वारा प्रदत्त शिक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार इस विषय में आवश्यक जांच कर लेने के पश्चात् एतद्द्वारा मैसर्स मेहरा एण्ड कम्पनी, रुस्तम बिल्डिंग, दूसरी मंजिल, 29, वीर नरीमन रोड, फोर्ट मुम्बई–1 नामक स्थापन को 31 अक्तूबर, 1969 से उक्त परन्तुक के प्रयोजनों के लिये विनिर्दिष्ट करती है ।

[संख्या 8/124/70–पी०एफ० 2(ii)]

S.O. 521.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Southern Shipping Corporation Private Limited, No. 8, Second Line Beach, Madras have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed, to have come into force on the first day of April, 1969.

[No. 8/37/70/PF.II(i).]

का० आ० 521.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मेसर्स सदर्न कारपोरेशन शिपिंग प्राइवेट लिमिटेड, नं० 8, सेकिंड लाइन बीच, मद्रास—1 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिएं;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को एतद्द्वारा लागू करती है ।

यह अधिसूचना 1969 के अप्रैल के प्रथम दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी ।

[संख्या 8/37/70—पी० एफ० 2 (i)]

S.O. 522.—In exercise of the powers conferred by first proviso to section 6 of the Employees' Provident Funds Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies, with effect from the 1st April, 1969, the establishment, known as Messrs Southern Shipping Corporation Private Limited, No. 8, Second Line Beach, Madras-1, for the purposes of the said proviso.

[No. 8/37/70/PF-II(ii).]

का० आ० 522.—कर्मचारी भविष्य निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार इस विषय में आवश्यक जांच कर लेने के पश्चात् एतद्द्वारा मेसर्स सदर्न शिपिंग कारपोरेशन प्राइवेट लिमिटेड, नं० 8, सेकिंड लाइन बीच, मद्रास—1 नामक स्थापन को प्रथम अप्रैल, 1969 से उक्त परन्तुक के प्रयोजनों के लिये विनिर्दिष्ट करती है ।

[संख्या 8/37/70—पी० एफ० (2) ii]

S.O. 523.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Vinar Limited (Garment Division), 28/3, Agarwala Garden Road, Calcutta-38 have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty first day of March, 1969.

[No. 8/167/70/PF.II(i).]

का० आ० 523.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मेसर्स विनार लिमिटेड (गारमेन्ट डिवीजन), 28/3, अग्रवाल गार्डन रोड, कलकत्ता—38 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किये जाने चाहिएं;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को एतद्द्वारा लागू करती है ।

यह अधिसूचना 1969 के मार्च के इकत्तीसवें दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी ।

[संख्या 8/167/70—पी० एफ०—2 (i)]

S.O. 524.—In exercise of the powers conferred by first proviso to section 6 of the Employees' Provident Funds Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies, with effect from the 31st March, 1969 the establishment, known as Messrs Vinar Limited (Garment Division), 28/3, Agarwala Garden Road, Calcutta-38 for the purposes of the said proviso.

[No. 8/167/70-PF.II(ii).]

का० आ० 524:—कर्मचारी भविष्य निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार इस विषय में आवश्यक जांच कर लेने के पश्चात् एतद्द्वारा मैसर्स विनार लिमिटेड (गारमेंट डिवीजन) 28/3 अग्रवाल गार्डन रोड, कलकत्ता—38 नामक स्थापन को 31 मार्च, 1969 से उक्त परन्तु के प्रयोजनों के लिए विनिर्दिष्ट करती है ।

[सं० 8/167/70-पी० फ० —2 (ii)]

S.O. 525.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Hotel Victoria, Egmore, Madras-8 have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of January, 1969.

[No. 8/159/70/PF-II.]

का० आ० 525:—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मेसर्स होटल विक्टोरिया, एग्मोर, मद्रास—8 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किये जाने चाहिएं ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को एतद्द्वारा लागू करती है ।

यह अधिसूचना 1969 की जनवरी के प्रथम दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी ।

[संख्या 8/159/70—पी० एफ० 2]

S.O. 526.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Sri Rama Finance Corporation Bobbili, Srikakulam including its branch at Visakhapatnam have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of April, 1970.

[No. 8/134/70-PF-II.]

का० आ० 526:—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मेसर्स श्री राम फाइनेन्स कारपोरेशन बोब्बीली, श्रीककुलम नामक स्थापन, जिसमें इसकी विशाखापटणम् की शाखा सम्मिलित है, से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिएं;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को एतद्द्वारा लागू करती है ।

यह अधिसूचना 1970 के अप्रैल के प्रथम दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी ।

[संख्या 8/134/70-पी० एफ० 2]

S.O. 527.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as The Coimbatore Productivity Council, 6/48 Avanashi Road, Coimbatore have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of January, 1969.

[No. 8/93/70PF.II.]

का० आ० 527:—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि दि कोयम्बटूर प्रोडेक्टीविटी कौन्सिल, 6/48, अवनाशी रोड, कोयम्बटूर नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किये जाने चाहिएं।

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को एतद्द्वारा लागू करती है ।

यह अधिसूचना 1969 की जनवरी के प्रथम दिन को प्रवृत हुई समझी जाएगी।

[संख्या 8/93/70—पी० एफ०-2]

S.O. 528.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Haralalka Cloth Syndicate, 57, Jamunalal Bazaz Street, Calcutta-7 have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of October, 1969.

[No. 8/87/70/PF-II.]

का० आ० 528:—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मेसर्स हरलाल का क्लाथ सिंडिकेट, 57, जमुनालाल बजाज स्ट्रीट, कलकत्ता—7 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिएं ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को एतद्द्वारा लागू करती है ।

यह अधिसूचना 1969 के अक्तूबर के प्रथम दिन को प्रवृत हुई समझी जाएगी।

[संख्या 8/87/70—पी० एफ० 2]

S.O. 529.—Whereas the State Government of Madhya Pradesh, has in pursuance of clause (d) of section 4 of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), nominated Shri S. L. Shah, State Medical Officer, Employees' State Insurance Scheme, Madhya Pradesh to represent that State on the Employees' State Insurance Corporation in place of Shri B. M. Date;

Now, therefore, in pursuance of section 4 of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), the Central Government hereby makes the following further amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of

Labour, Employment and Rehabilitation (Department of Labour and Employment), No. S.O. 2551, dated the 9th August, 1966, namely:—

In the said notification, under the heading "[Nominated by the State Governments under clause (d) of section (4)]", for the entry against item 13, the following entry shall be substituted, namely:—

"Shri S. L. Shah, State Medical Officer, Employees' State Insurance Scheme, Madhya Pradesh, Bhopal."

[No. F. 3/2/69-HI.]

का० आ० 529 :—यतः मध्य प्रदेश राज्य सरकार ने कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 4 के खण्ड (घ) के अनुसरण में श्री एस० एल० शाह, राज्य चिकित्सा अधिकारी, कर्मचारी राज्य बीमा स्कीम, मध्यप्रदेश को श्री बी० एम० दाते के स्थान पर कर्मचारी राज्य बीमा निगम में उस राज्य का प्रतिनिधित्व करने के लिए नामनिर्दिष्ट किया है;

अतः, अब, कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 4 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा भारत सरकार के श्रम, रोजगार और पुनर्वास मंत्रालय (श्रम और रोजगार विभाग) की अधिसूचना सं० का० आ० 2551, तारीख 9 अगस्त, 1966 में और आगे निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना में "[राज्य सरकारो द्वारा धारा 4 के खण्ड (घ) के अधीन नामनिर्दिष्ट]" शीर्षक के नीचे मद 13 के सामने की प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि प्रतिस्थापित की जायगी, अर्थात् :—

"श्री एस० एल० शाह,
राज्य चिकित्सा अधिकारी,
कर्मचारी राज्य बीमा स्कीम,
मध्य प्रदेश,
भोपाल"

[सं० फा० 3/2/69—एच० आई०]

S.O. 530.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as the International Packers, 882, East Park Road, Karol Bagh, New Delhi-5 have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of December, 1967.

[No. 8/34/68/PF.II.]

का० आ० 530.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स इंटर नेशनल पैकर्स 882 ईस्ट पार्क रोड, करोल बाग, नई दिल्ली-5 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिएं ।

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को एतद्द्वारा लागू करती है ।

यह अधिसूचना 1967 के दिसम्बर के प्रथम दिन को प्रवृत्त हुई समझी जायेगी ।

[सं० 8/34/68-पी० एफ० 2]

S.O. 531.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as The Associated Press (of America), 19, Narendra Place, Parliament Street, New Delhi-1, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of May, 1968.

[No. 8/160/70/PF-II(i).]

का० आ० 531.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि दि एसोशिएटेड प्रैस (आफ अमेरिका) 19, नरेन्द्र प्लेस, पार्लियामेंट स्ट्रीट, नई दिल्ली-1 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिएं ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को एतद्द्वारा लागू करती है ।

यह अधिसूचना 1968 की मई के प्रथम दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी ।

[संख्या 8/160/70-पी० एफ० 2 (i)]

S.O. 532.—In exercise of the powers conferred by first proviso to section 6 of the Employees' Provident Funds Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies with effect from the 1st May, 1968, the establishment, known as The Associated Press (of America), 19, Narendra Place, Parliament Street, New Delhi, for the purpose of the said proviso.

[No. 8/160/70-PF.II(ii).]

का० आ० 532.—कर्मचारी भविष्य निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार इस विषय में आवश्यक जांच कर लेने के पश्चात् एतद्द्वारा दि एसोशिएटेड प्रैस (आफ अमेरिका) 19, नरेन्द्र प्लेस, पार्लियामेंट स्ट्रीट, नई दिल्ली-1 नामक स्थापन को प्रथम मई, 1968 से उक्त परन्तुक के प्रयोजनों के लिए विनिर्दिष्ट करती है ।

[सं० 8/160/70-पी० एफ० 2 (ii)]

S.O. 533.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Ramakrishna Pharmaceuticals, 2-2-647/125, Sivananda Nagar, Hyderabad-13, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirtieth day of September, 1968.

[No. 8/122/68/PF-II.]

का० आ० 533.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स रामकृष्ण फार्मेस्यूटीकल्स, 2-2-647/125, सिवानन्द नगर, हैदराबाद-13 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किये जाने चाहिएं ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को एतद्द्वारा लागू करती है ।

यह अधिसूचना 1968 के सितम्बर, के तीसवें दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी ।

[सं० 8/122/68/पी० एफ० 2]

S.O. 534.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Western India Steel Traders, K. Parikh House, 47, P.D. Mello Road, Bombay-9 (BR) have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of April, 1970.

[No. 8/170/70/PF-II.]

का० आ० 534.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स वैस्टर्न इंडिया स्टील ट्रेडर्स, के० पारिख हाउस, 47 पी० डी मेलो रोड मुम्बई,ब9 (बी० आर०) नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिएं ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को एतद्द्वारा लागू करती है ।

यह अधिसूचना 1970 के अप्रैल के प्रथम दिन को प्रवृत्त हुई समझी जायेगी ।

[संख्या 8/170/70-पी० एफ० 2]

S.O. 535.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Faridabad Industries Association, New Industrial Township, Faridabad have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of April, 1969.

[No. 8/79/69/PF.II.]

का० आ० 535.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मसस फरीदाबाद इंडस्ट्रीज एसोसिएशन, न्यू इंडस्ट्रियल टाउनशिप, फरीदाबाद नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिएं ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को एतद्द्वारा लागू करती है ।

यह अधिसूचना 1969 के अप्रल के प्रथम दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी ।

[सं० 8/179/69-पी० एफ० 2]

S.O. 536.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Lakshmi Agencies, 42, Whites Road, Madras-14, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of August, 1969.

[No. 8/99/70/PF-II.]

DALJIT SINGH, Under Secy.

का० आ० 536—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स लक्ष्मी एजेन्सीज, 42, व्हाइट्स रोड, मद्रासब-14 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई हैं कि कर्मचारी भविष्य निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिएं ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध को उक्त स्थापन को एतद्द्वारा लागू करती है ;।

यह अधिसूचना 1969 के अगस्त के प्रथम दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी ।

[सं० 8/99/70-पी० एफ० 2]

दलजीत सिंह,

अवर सचिव ।

(Department of Labour and Employment)

New Delhi, the 13th January, 1970

S.O. 537.—The following draft of a scheme further to amend the Kandla Dock Workers (Regulation of Employment) Scheme, 1969, which the Central Government proposes to make in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 4 of the Dock Workers (Regulation of Employment) Act, 1948 (9 of 1948), is published as required by the said sub-section for the information of all persons likely to be affected thereby; and notice is hereby given that the said draft will be taken into consideration on or after the 26th February, 1971.

Any objections or suggestions, which may be received from any person with respect to the said draft before the date so specified will be taken into consideration by the Central Government.

Draft Scheme

1. This Scheme may be called the Kandla Dock Workers (Regulation of Employment) Amendment Scheme, 1971.

2. In the Kandla Dock Workers (Regulation of Employment) Scheme, 1969,—

(i) in item (c) of sub-clause (1) of clause 19, for the words "as far as possible on the basis of seniority, *i.e.*, in the order of the total period for which a dock worker has worked in that category", the following words shall be substituted, namely:—

"as far as possible on the basis of seniority as determined by the length of service rendered by a worker and in cases where the said seniority list is not available, selection shall be made on such other basis as the Board may determine;"

(ii) in sub-clause (6) of clause 46, the following shall be added at the end, namely:— ...

"and such person may, if he so desires, adduce evidence in respect of such action;"

(iii) in clause 49,—

(a) in sub-clause (5), the words "and the order passed on such appeal shall be final and conclusive" shall be omitted;

(b) after sub-clause (5), the following shall be inserted, namely :—

"(5A) The appellate authority may after giving an opportunity to the appellant to be heard, if he so desires, and reasons to be recorded in writing, pass such order as it thinks fit, and the order so passed shall be final and conclusive.

(5B) Every order passed under sub-clause (5A) shall be communicated to the appellant."

[No. 63/9/69-Fac. II]

(श्रम और रोजगार विभाग)

नई दिल्ली, 13 जनवरी, 1971

का० आ० 537.—काण्डला डाक कर्मकार (नियोजन का विनियमन) स्कीम, 1969 में और आगे संशोधन करने के लिए एक स्कीम का निम्नलिखित प्रारूप, जिसे केन्द्रीय सरकार डाक कर्मकार (नियोजन का विनियमन) अधिनियम, 1948 (1948 का 9) की धारा 4 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए बनाने की प्रस्थापना करती है, उक्त उपधारा द्वारा यथा अपेक्षित उन सभी व्यक्तियों की सूचना के लिए प्रकाशित किया जाता है जिनका उसके द्वारा प्रभावित होना संभाव्य है; और एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि उक्त प्रारूप पर को या उसके पश्चात् विचार किया जाएगा ।

उक्त प्रारूप के बारे में जो आक्षेप या सुझाव किसी व्यक्ति से इस प्रकार विनिर्दिष्ट तारीख से पूर्व प्राप्त होंगे उन पर केन्द्रीय सरकार द्वारा विचार किया जाएगा ।

प्रारूप स्कीम

1. यह स्कीम काण्डला डाक कर्मकार (नियोजन का विनियमन) संशोधन स्कीम, 1970 कही जा सकेगी ।

2. काण्डला डॉक कर्मकार (नियोजन का विनियमन) स्कीम, 1969 में,—

(i) खण्ड 19 के उपखण्ड (1) की मद (ग) में, "जहां तक संभव हो ज्येष्ठता के आधार पर किया जाएगा, अर्थात्, उस कुल कालावधि के क्रम से किया जाएगा, जिस कालावधि पर्यन्त डॉक कर्मकार उस प्रवर्ग में काम कर चुका हो" शब्दों के स्थान पर निम्नलिखित शब्द प्रतिस्थापित किए जाएंगे, अर्थात्:—

"जहां तक संभव हो कर्मकार द्वारा संचादित सेवाकाल की लम्बाई द्वारा यथा अवधारित ज्येष्ठता के आधार पर किया जाएगा और उन मामलों में जहां उक्त ज्येष्ठता सूची उपलभ्य नहीं है, चयन ऐसे अन्य आधार पर किया जाएगा जिसे बोर्ड अवधारित करे";

(ii) खण्ड 46 के उपखंड (6) में, अन्त में निम्नलिखित जोड़ा जाएगा, अर्थात् :—

"और ऐसा व्यक्ति, यदि वह ऐसा चाहे तो, ऐसी कार्रवाई के बारे में साक्ष्य दे सकेगा।";

(iii) खण्ड 49 में—

(क) उपखण्ड (5) में, "तथा ऐसी अपील में पारित आदेश अन्तिम और निश्चायक होगा" शब्दों का लोप कर दिया जाएगा;

(ख) उपखण्ड (5) के पश्चात् निम्नलिखित अन्तःस्थापित किया जाएगा, अर्थात्:—

"(5क) अपील प्राधिकारी अपीलार्थी को, यदि वह ऐसा चाहे तो, सुनवाई का अवसर देने के पश्चात्, और कारण लेखबद्ध करके, ऐसा आदेश पारित कर सकेगा जैसा वह उचित समझे, और इस प्रकार पारित आदेश अन्तिम और निश्चायक होगा ।

(5ख) उपखण्ड (5क) के अधीन पारित प्रत्येक आदेश अपीलार्थी को संसूचित किया जाएगा ।"

[सं० 63/9/69-फैक् 2]

S.O. 538.—The following draft of a scheme further to amend the Kandla, Unregistered Dock Workers (Regulation of Employment) Scheme 1968, which the Central Government proposes to make in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 4 of the Dock Workers (Regulation of Employment) Act, 1948 (9 of 1948), is published as required by the said sub-section for the information of all persons likely to be affected thereby; and notice is hereby given that the said draft will be taken into consideration on or after the 26th February, 1971.

Any objections or suggestions which may be received from any person with respect to the said draft before the date so specified will be taken into consideration by the Central Government.

Draft Scheme

1. This Scheme may be called the Kandla Unregistered Dock Workers (Regulation of Employment) Amendment Scheme, 1971.

2. In the Kandla Unregistered Dock Workers (Regulation of Employment) Scheme, 1968,—

(i) in item (i) of sub-clause (1) of clause 13, for the words "or on such other basis as the Board may determine", the following words shall be substituted, namely:—

"and in cases where the said seniority list is not available, selection shall be made on such other basis as the Board may determine";

(ii) in sub-clause (3) of clause 19, for the words "against him" the following words shall be substituted, namely:—

"against him and such person may, if he so desires, adduce evidence in respect of such action.";

(iii) in clause 24—

(a) in sub-clause (3), the words "appealed against and the order passed on such appeal or review shall be final" shall be omitted.

(b) after sub-clause (3), the following shall be inserted, namely:—

"(3A) The appellate or reviewing authority may after giving an opportunity to the appellant or applicant to be heard, if he so desires, and reasons to be recorded in writing, pass such order as it thinks fit, and the order so passed shall be final and conclusive.

"(3B) Every order passed under sub-clause (9A) shall be communicated to the appellant."

[No. 63/9/69-Fac.II]

का०आ० 538.—विशाखापटणम डॉक कर्मकार (नियोजन का विनियमन), स्कीम, 1959 में और आगे संशोधन करने के लिए एक स्कीम का निम्नलिखित प्रारूप, जिसे केन्द्रीय सरकार डॉक कर्मकार (नियोजन का विनियमन) अधिनियम, 1948 (1948 का 9) की धारा 4 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए बनाने की प्रस्थापना करती है, उक्त उपधारा द्वारा यथा अपेक्षित

उन सभी व्यक्तियों की सूचना के लिये प्रकाशित किया जाता है जिनका उसके द्वारा प्रभावित होना संभाव्य है ; और एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि उक्त प्रारूप पर 26 फरवरी 1971 को या उसके पश्चात् विचार किया जाएगा ।

उक्त प्रारुप के बारे में जो आक्षेप या सुझाव किसी व्यक्ति से इस प्रकार विनिर्दिष्ट तारीख से पूर्व प्राप्त होंगे उन पर केन्द्रीय सरकार द्वारा विचार किया जाएगा ।

प्रारुप स्कीम

1. यह स्कीम विशाखापटणम डॉक कर्मकार (नियोजन का विनियमन) संशोधन स्कीम, 1970 कही जा सकेगी ।

2. विशाखापटणम डॉक कर्मकार (नियोजन का विनियमन) स्कीम, 1959 में —

(i) खण्ड 17 के उपखंड (1) की मद (घ), में, "जहां तक संभव हो ज्येष्ठता के आधार पर किया जाएगा, अर्थात्, उस कुल कालावधि के क्रम से किया जाएगा जिस कालावधि पयन्त डाक कर्मकार उस प्रवर्ग में काम कर चुका हो" शब्दों के स्थान पर निम्नलिखित शब्द प्रतिस्थापित किए जाएंगे अर्थात् :—

"जहा तक संभव हो कर्मकार द्वारा संपादित सेवाकाल की लम्बाई द्वारा यथा अवधारित ज्येष्ठता के आधार पर किया जाएगा और उन मामलों में जहां उक्त ज्येष्ठता सूची उपलब्ध नही है, चयन ऐसे अन्य आधार पर किया जाएगा जिसे बोर्ड अवधारित करें" ;

(ii) खंड 44 के उपखंड (6) में, अन्त में निम्नलिखित जोड़ा जाएगा, अर्थात् :—

"और ऐसा व्यक्ति, यदि वह ऐसा चाहे तो, ऐसी कार्रवाई के बारे में साक्ष्य दे सकेगा"

(iii) खण्ड 47 में———————————(क) उपखंड (5) में, "तथा ऐसी अपील में पारित आदेश अन्तिम होगा" शब्दो को लोप कर दिया जाएगा ;

(ख) उपखंड (5) के पश्चात् निम्नलिखित अन्तः स्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

"(5क) अपील प्राधिकारी अपीलार्थी को, यदि वह ऐसा चाहे तो, सुनवाई, का अवसर देने के पश्चात् और कारण लेखबद्ध करके, ऐसा आदेश पारित कर सकेगा, जसा वह उचित समझे, और इस प्रकार पारित आदेश अन्तिम और निश्चायक होगा ।

(5ख) उपखण्ड (5क) के अधीन पारित प्रत्येक आदेश अपीलार्थी को संसूचित किया जाएगा ।"

[सं० 63/9/69-फैक 2]

S.O. 539.—The following draft of a scheme further to amend the Bombay Dock Workers (Regulation of Employment) Scheme, 1956, which the Central Government proposes to make in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 4 of the Dock Workers (Regulation of Employment) Act, 1948 (9 of 1948), is published as required by the said sub-section for the information of all persons likely to be affected thereby; and notice is hereby given that the said draft will be taken into consideration on or after 26th February, 1971.

And objections or suggestions which may be received from any person with respect to the said draft before the date so specified will be taken into consideration by the Central Government.

Draft Scheme

1. This Scheme may be called the Bombay Dock Workers (Regulation of Employment) Amendment Scheme, 1971.

2. In the Bombay Dock Workers (Regulation of Employment) Scheme, 1956:—

(i) in item (c) of sub-clause (1) of clause 18, for the words "as far as possible on the basis of seniority, *i.e.*, in the order of the total period for which a dock worker has worked in that category", the following words shall be substituted, namely:—

"as far as possible on the basis of seniority as determined by the length of service rendered by a worker and in cases where the said seniority list is not available, selection shall be made on such other basis as the Board may determine";

(ii) in sub-clause (6) of clause 44, the following shall be added at the end, namely :—

"and such person may, if he so desires, adduce evidence in respect of such action";

(iii) in clause 47—

(a) in sub-clause (5), the words "and the order passed on such appeal shall be final and conclusive" shall be omitted;

(b) after sub-clause (5), the following shall be inserted, namely:—

"(5A) The appellate authority may after giving an opportunity to the appellant to be heard, if he so desires, and reasons to be recorded in writing, pass such order as it thinks fit, and the order so passed shall be final and conclusive.

(5B) Every order passed under sub-clause (5A) shall be communicated to the appellant."

[No. 63/9/69-Fac. II]

का०आ० 539.—मुम्बई डॉक कर्मकार (नियोजन का विनियमन) स्कीम, 1956 में और आगे संशोधन करने के लिए एक स्कीम का निम्नलिखित प्रारूप, जिसे केन्द्रीय सरकार डॉक कर्मकार (नियोजन का विनियमन) अधिनियम, 1948 (1948 का 9) की धारा 4 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए बनाने की प्रस्थापना करती है, उक्त उपधारा द्वारा तथा अपेक्षित उन सभी व्यक्तियों की सूचना के लिए प्रकाशित किया जाता है जिनका उसके द्वारा प्रभावित होना संभाव्य है ; और एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि उक्त प्रारूप पर 26 फरवरी 1971 को या उसके पश्चात विचार किया जाएगा।

उक्त प्रारूप के बारे में जो आक्षेप या सुझाव किसी व्यक्ति से इस प्रकार विनिर्दिष्ट तारीख से पूर्व प्राप्त होंगे उन पर केन्द्रीय सरकार द्वारा विचार किया जाएगा।

प्रारुप स्कीम

1 यह स्कीम मुम्बई डाक कर्मकार (नियोजन का विनियमन) संशोधन स्कीम, 1970 कही जा सकेगी ।

2 मुम्बई डाक कर्मकार (नियोजन का विनियमन) स्कीम, 1956 में, —

(i) खण्ड 18 के उपखण्ड (i) की मद (ग) में, " जहां तक सम्भव हो ज्येष्ठता के आधार पर किया जाएगा, अर्थात् उस कुल कालावधि के क्रम से किया जाएगा जिस कालावधि पर्यन्त डाक कर्मकार उस प्रवर्ग में काम कर चुका हो" शब्दों के स्थान पर निम्नलिखित शब्द प्रतिस्थापित किए जाएंगे , अर्थात् :—

"जहां तक सम्भव हो कर्मकार द्वारा संपादित सेवाकाल की लम्बाई द्वारा यथा अवधारित ज्येष्ठता के आधार पर किया जाएगा और उन मामलों में जहां उक्त ज्येष्ठता सूची

उपलभ्य नहीं है वयन ऐसे अन्य आधार पर किया जाएगा जिसे बोर्ड अवधारित करे" ;

(ii) खण्ड 44 के उपखण्ड (6) में, अन्त में निम्नलिखित जोड़ा जाएगा, अर्थात् :—

"और ऐसा व्यक्ति, यदि वह ऐसा चाहे तो, ऐसी कार्यवाई के बारे में साक्ष्य दे सकेगा।" ;

(iii) खण्ड 47 में ———————— (क) उपखण्ड (5) में, "तथा ऐसी अपील में पारित आदेश अन्तिम और निश्चायक होगा" शब्दों का लोप कर दिया जाएगा ;

(ख) उपखण्ड (5) के पश्चात् निम्नलिखित अन्तःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

"(5क) अपील प्राधिकारी अपीलार्थी को, यदि वह ऐसा चाहे तो, सुनवाई का अवसर देने के पश्चात्, और कारण लेखबद्ध करके, ऐसा आदेश पारित कर सकेगा जैसा वह उचित समझे, और इस प्रकार आदेश अन्तिम और निश्चायक होगा।

(5ख) उपखण्ड (5क) के अधीन पारित प्रत्येक आदेश अपीलार्थी को संसूचित किया जाएगा।" [सं० 63/9/69-फैक 2]

S.O. 540.—The following draft of a scheme further to amend the Bombay Unregistered Dock Workers (Regulation of Employment) Scheme, 1957, which the Central Government proposes to make in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 4 of the Dock Workers (Regulation of Employment) Act, 1948 (9 of 1948), is published as required by the said sub-section for the information of all persons likely to be affected thereby; and notice is hereby given that the said draft will be taken into consideration on or after the 26th February, 1971.

Any objections or suggestions which may be received from any person with respect to the said draft before the date so specified will be taken into consideration by the Central Government.

Draft Scheme

1. This Scheme may be called the Bombay Unregistered Dock Workers (Regulation of Employment) Amendment Scheme, 1971.

2. In the Bombay Unregistered Dock Workers (Regulation of Employment) Scheme, 1957,—

(i) in item (i) of sub-clause (1) of clause 9, for the words or on such other basis as the Board may determine, the following words shall be substituted, namely:—

"and in cases where the said seniority list is not available, selection shall be made on such other basis as the Board may determine;"

(ii) in sub-clause (3) of clause 14 for the words "against him", the following words shall be substituted, namely:—

"against him" and such person may, if he so desires, adduce evidence in respect of such action";

(iii) in clause 16—

(a) in sub-clause (3), the words "and the order passed on such appeal shall be final" shall be omitted;

(b) after sub-clause (3), the following shall be inserted, namely:—

(3A) The appellate authority may after giving an opportunity to the appellant to be heard, if he so desires, and reasons to be recorded in writing, pass such order as it thinks fit, and the order so passed shall be final and conclusive.

(3B) Every order passed under sub-clause (3A) shall be communicated to the appellant."

[No. 63/9/69-Fac. II]

U. MAHABALA RAO, Dy Secy.

का० आ० 540—मुम्बई अरजिस्ट्रीकृत डाक कर्मकार (नियोजन का विनियमन) स्कीम, 1957 में और आगे संशोधन करने के लिए एक स्कीम का निम्नलिखित प्रारूप, जिसे केन्द्रीय सरकार डाक कर्मकार (नियोजन का विनियमन) अधिनियम, 1948 (1948 का 9) की धारा 4 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए बनाने की प्रस्थापना करती है, उक्त उपधारा द्वारा यथा अपेक्षित उन सभी व्यक्तियों की सूचना के लिए प्रकाशित किया जाना है जिनका उसके द्वारा प्रभावित होना संभाव्य है ; और एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि उक्त प्रारूप पर को या उसके पश्चात् विचार किया जाएगा ।

उक्त प्रारूप के बारे में जो आक्षेप या सुझाव किसी व्यक्ति से इस प्रकार विनिर्दिष्ट तारीख से पूर्व प्राप्त होंगे उन पर केन्द्रीय सरकार द्वारा विचार किया जाएगा ।

प्रारूप स्कीम

1. यह स्कीम मुम्बई अरजिस्ट्रीकृत डाक कर्मकार (नियोजन का विनियमन) संशोधन, स्कीम, 1970 कही जा सकेगी ।

2. मुम्बई अरजिस्ट्रीकृत डाक कर्मकार (नियोजन का विनियमन) स्कीम, 1957 में ;—

(i) खण्ड 9 के उपखण्ड (1) की मद (i) में "या ऐसे अन्य आधार पर किया जाएगा जिसे बोर्ड अवधारित करे" शब्दों के स्थान पर निम्नलिखित शब्द प्रतिस्थापित किए जाएंगे, अर्थात् :—

"और उन मामलों में कहां उक्त ज्येष्ठता सूची उपलब्ध नहीं है, चयन ऐसे अन्य आधार पर किया जाएगा जिसे बोर्ड अवधारित करे :"

(ii) खण्ड 14 के उपखण्ड (3) में "उसके विरुद्ध प्रस्थापित कार्रवाई क्यों नहीं की जाए" शब्दों के स्थान पर निम्नलिखित शब्द प्रतिस्थापित किए जाएंगे, अर्थात् :—

"उसके विरुद्ध प्रस्थापित कार्रवाई क्यों नहीं की जाए, और ऐसा व्यक्ति, यदि वह ऐसा चाहे तो, ऐसी कार्रवाई के बारे में साक्ष्य दे सकेगा ।";

(iii) खण्ड 16 में—

(क) उपखण्ड (3) में, "तथा ऐसी अपील में पारित आदेश अन्तिम होगा" शब्दों का लोप कर दिया जाएगा;

(ख) उपखण्ड (3) के पश्चात्, निम्नलिखित अन्तःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

"(3क) अपील प्राधिकारी अपीलार्थी को, यदि वह ऐसा चाहे तो, सुनवाई का अवसर देने के पश्चात्, और कारण लेखबद्ध करके, ऐसा आदेश पारित कर सकेगा जैसा वह उचित समझे और इस प्रकार पारित आदेश अन्तिम और निश्चायक होगा ।

(3ख) उपखण्ड (3क) के अधीन पारित प्रत्येक आदेश अपीलार्थी को संसूचित किया जाएगा ।"

[स० 63/9/69-फैक् 2]

यू० महाबाल राव, उपसचिव ।

(Department of Labour and Employment)

New Delhi, the 19th January 1971

S.O. 541.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Industrial Tribunal, Rajasthan, Jaipur in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Messrs Jaipur Udyog Limited, P.O. Philody Quarry Sawaimadhopur and their workmen, which was received by the Central Government on the 12th January, 1971.

CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL, RAJASTHAN, JAIPUR

PARTIES:

Shri Gopal Narain Sharma, Presiding Officer.

CASE NO. CIT-10 OF 1968

Ref:—Government of India, Ministry of Labour, Employment, and Rehabilitation, Department of Labour and Employment, New Delhi Order No. 36/29/68-LRI, dated 17th October, 1968.

In the Matter of an Industrial Dispute

BETWEEN

The Cement Works Karamchari Sangh, Sawaimadhopur

The Jaipur Udyog Limited, Sawaimadhopur.

Date of Award: 19th December, 1970.

APPEARANCES:

For the Sangh—Shri G. L. Pareek.

For the Company—Shri C. N. Sharma.

AWARD

This is a reference by the Central Government under Section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947 for the adjudication of a dispute between the Jaipur Udyog Limited, Sawai Madhopur and their workmen in respect of the following matters:—

> "Whether the action of the management of the Jaipur Udyog Limited, P.O. Phalodi Quarry, Sawaimadhopur in terminating the services of Shri Bhisham Verma, Incline Driver, with effect from the 9th July, 1968, on grounds of superannuation was legal and justified? If not, to what relief is he entitled?"

The Karamchari Sangh by their statement of claim submits that the Jaipur Udyog Limited, Sawaimadhopur has two units, Cement Works at Sawaimadhopur and a quarry, 14 miles away from Sawaimadhopur at Phalodi. Both are parts of the same establishment and the employees of one unit are transferable to the other unit. However, each of them have a separate set of Standing Orders. Before 1966 the age of retirement in both the units was 55 years. In 1966 there was a settlement between the Cement Works Karamchari Sangh who represented both the units and the Management whereby the age of retirement at Phalodi Quarry was raised to 58 years. By force of another agreement dated 14th February, 1955 between the Cement Works Karamchari Sangh and the Management which was still in force and whereby the Cement Works at Sawai Madhopur and Quarry at Phalodi were treated as parts of the same establishment and a settlement with workers of one unit was automatically to be applied to another unit. The settlement of 1966 applied to the Cement Works at Sawai Madhopur automatically and raised the retirement age to 58 yet they illegally retired Bhisham Verma, Incline Driver at the age of 55 years on the basis of the age provided in the Standing Orders of that Unit. According to them Bhisham Verma had also not completed 55 years of age. They, therefore, submit that retirement of Bhisham Verma was bad and illegal and he should be reinstated.

The Management of the Jaipur Udyog Limited by their written statement submit that Bhisham Verma had been retired on attaining the age of superannuation as provided in the Standing Orders of the Phalodi Quarry. They deny that the settlement arrived at with Cement Works Karamchari Sangh, Sawai Madhopur was *ipso facto* applicable to the quarry and pleaded that the settlement arrived

at in the year 1966 raising the age of superannuation from 55 to 58 years was only in respect of the workmen employed at the works. They, however, concede that for purposes of inter transfer of the employees the Cement Works at Sawai Madhopur and the Quarries of the Company are treated as part of the same organisation but for no other purpose. They, therefore, pray that the reference be rejected.

The Karamchari Sangh examined Bhisham Verma and relied on certain documents purporting to give his correct age. The Management examined Vishal Singh in rebuttal and relied on the certified Standing Orders of that unit.

I have heard both the sides and have also persued the record. It is an admitted position that the Cement Factory at Sawai Madhopur and the Quarries at Phalodi are two units of the same establishment viz. the Jaipur Udyog Limited, Sawai Madhopur and the employees of one unit are transferable to the other unit. The Management of the Company has in their written statement itself said that "for the purposes of inter-transfer of employees the Cement Works at Sawai Madhopur and the Quarries of the Company are treated as parts of the same organisation". In practice also the employees of one unit have been and are being transferred to another unit and vice versa. In this view of the matter there should be a uniform set of rules for the workmen of the Jaipur Udyog Limited as a whole. They cannot have one set of Standing Orders for one unit and entirely a different set for the workmen of another unit. It is immaterial that in case of one unit the Standing Orders have to be certified by the Certifying Officer appointed by the Government of India and in the other case i.e. in case of Cement Works by an officer appointed by the Government of Rajasthan.

The contention of the Management of the Company is that the age of superannuation in the Standing Orders of the Quarries was 55 years and therefore Shri Bhisham Verma was rightly retired. But the contention has no force. The clause of superannuation could not be provided in the Standing Orders. Such a clause in the certified Standing Orders of the Company for Phalodi Quarries was without authority of law and therefore not enforceable. In a case of similar nature the Orissa High Court has held in S. K. Ghosh Vs. Chairman, Orissa Electricity Board (A.I.R. 1970 Orissa 126) that as the case of superannuation was not covered under the items of the Schedule appended to Industrial Employment (Standing Orders) Act, 1946, certification of a clause relating to superannuation also by the Certifying Officer in a Standing Order is not a valid certification under Section 4 of the said Act and such certification could not add enforcibility to it, not even on the ground that the workers did not challenge such provisions before the Certifying Officer.

In this view of the matter, therefore, the management of the Company cannot seek protection under the Standing Orders of the Phalodi Quarries to retire a man on attaining the age of 55 years or for having two different age limits for retirement of workmen in their same establishment. It is an admitted position that in Cement Works the retirement age is 58 years. They cannot, therefore, have a lower age limit of superannuation for workmen at the Phalodi Quarries, more so when workmen of Cement Works are admittedly transferable to Phalodi Quarries and of the Quarries to the Cement Works.

The order of the Management retiring Shri Bhisham Verma at the age of 55 years was, therefore, illegal and cannot be sustained. I, therefore, quash the order and direct the Management of the Company to take him back in service with full back wages. The retiral benefits, if any, paid to Shri Bhisham Verma shall be adjusted towards his wages.

I award accordingly.

(Sd.) GOPAL NARAIN SHARMA,
Presiding Officer,
Central Government Industrial Tribunal,
Rajasthan, Jaipur.

[No. 36(29)/68-LR-I (LR-IV).]

New Delhi, the 22nd January 1971

S.O. 542.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal (No. 2), Dhanbad, in the industrial dispute between the employer Sri G. C. Behera, Raising Contractor of Rasia Iron Mines of Messrs S. Lal and Company (Private) Ltd., and their workmen, which was received by the Central Government on the 16th January, 1971.

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL (NO. 2), DHANBAD

PRESENT:

Shri Nandagiri Venkata Rao, Presiding Officer.

REFERENCE No. 6 OF 1970

In the matter of an industrial dispute under Section 10(1) (d) of the Industrial Disputes Act, 1947.

PARTIES:

Employer Sri G. C. Behera, Raising Contractor in Kasia Iron Mines of Messrs S. Lal and Company (Private) Limited, At Kasia, P. O. Bhadrasahi, *Via* Barbil, Distt. Keonjhar (Orissa)

AND

Their workmen.

APPEARANCES:

On behalf of the employers—None

On behalf of the workmen—None.

STATE: INDUSTRY: Iron Mine.

Dhanbad, 13th January, 1971/23rd Pausa, 1892 (Saka)

AWARD

The Central Government, being of opinion that an industrial dispute exists between the employer Shri G. C. Behera, Raising Contractor in Kasia Iron Mines of Messrs S. Lal and Company (Private) Limited, Kasia, P. O. Bhadrasahi, *via* Barbil, Distt. Keonjhar, Orissa and their workmen, by its order No. 12(12)/70-LR-IV, dated 24th April, 1970 referred to this Tribunal under Section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947 for adjudication the dispute in respect of the matters specified in the schedule annexed thereto. The schedule is extracted below:—

SCHEDULE

'Whether the discharge from service of Sri P. C. Das, a mining mate by Shri G. C. Behera, Raising Contractor in Kasia Iron Mines of Messrs S. Lal and Company (Private) Limited, Barbil with effect from the 17th January, 1970, is justified? If not, to what relief is he entitled?"

2. The statement of demands was filed on behalf of the workmen and not on behalf of the employers.

3. The case was fixed for hearing on 18th December, 1970 and inspite of service of notice no party appeared. But a telegram was received stating that the parties had arrived at mutual settlement and that detailed information was following. On the very next day a joint application was received by post on behalf of the parties enclosing to it a compromise memo. However, the case was adjourned to 5th January, 1971. On this date also no party appeared. Till today also there is no further information on behalf of either of the parties. The inference is irresistible that the compromise received is true and that there is no dispute left between the parties for adjudication. Having gone through the terms of the compromise memo I find them for the benefit of the affected workman in particular and the workmen of the industrial concern in general. Thus, I accept the compromise memo and make the Award in accordance with its terms. The compromise memo is made a part of the Award. The Award is submitted under Section 15 of the Industrial Disputes Act, 1947.

(Sd.) N. VENKATA RAO, Presiding Officer,
Central Govt. Industrial Tribunal (No. 2) Dhanbad.

Bi-partite agreement between the representative of Sri G. C. Behera, a Raising Contractor in Kasia Iron Mines of M/s. S. Lal & Co. Ltd. and of the Keonjhar Mines & Forest Workers' Union, representing Sri P. C. Das, Mining Mate over the dismissal with effect from 17th January, 1970 by the aforesaid Raising Contractor.

Short recital of the case

The Keonjhar Mines & Forest Workers' Union sponsored the case of Sri P. C. Das for his alleged wrongful dismissal by the Raising Contractor, Sri G. C. Behera. The General Secretary of the said union raised the issue as an industrial dispute before the Labour Enforcement Officer (Central) & Conciliation Officer (Central), Barbil. The conciliation proceedings ended in failure.

The Government of India, in the Ministry of Labour, Employmnet & Rehabilitation, referred the dispute to the Central Government Industrial Tribunal (No. 2) at Dhanbad for adjudication. The said Tribunal registered the case as No. 6 of 1970.

The parties in order to preserve the good labour and management relations and also as a gesture of goodwill sat together to resolve the difference of opinion. After protracted mutual negotiation between the parties, it has been agreed to settle the issue on the basis of following terms which has been duly scrutinised by the representative of the union and accepted as fair and reasonable.

In view of this, we pray that your Honour would be good enough to record the terms of settlement towards the disposal of the dispute pending adjudication before your goodself.

Terms of Settlement

It has been mutually agreed:—

(1) that Sri P. C. Das, the concerned workman shall be paid one month's notice pay.

(2) that Sri P. C. Das the concerned workman shall be paid 15 days wages for every completed year of his services with the Contractor as service benefit.

(3) that the workman shall be paid the arrears of Wage Board's recommendations from 1st January, 1967 to the date of his dismissal.

(4) that Sri P. C. Das shall be paid his bonus for the year ending 1969-70 and also other legal dues, if any.

(5) that the dues accruable out of this settlement shall be paid to Sri P. C. Das by 28th December, 1970.

(Sd.) G. C. BEHERA,
Raising Contractor in
Kasia Iron Mines of M/s. S. Lal & Co. Ltd.,
Kasia, P.O. Barbil, Dist.
Keonjhar (Orissa).

(Sd.) H. BRHERA,
General Secretary,
K. M. & F. W, Union, Barbil,

Witness:—

1. (Sd.) B. S. RAMAKRISHNAN,
Kasia Iron Mines of M/s. S. Lal & Co. Ltd.,
At Kasia, P.O. Barbil, Dist. Keonjhar, Orissa.

2. (Sd.) B. BARI,
Mining Mate,
Kasia Iron Mine of M/s. S. Lal & Co. Ltd.,
At Kasia, P.O. Barbil, Dist. Keonjhar, Orissa.
Dated, the 17th December, 1970.

[No. 12(12)/70-LR-IV]

CORRIGENDUM

New Delhi, the 11th January 1971

S.O. 543.—In Schedule to the Order of the Government of India in the Ministry of Labour, Employment and Rehabilitation (Department of Labour and Employment) No. S.O. 3857 dated 5th December, 1970 published in the Gazette of India Part II Section 3, Sub-section (ii) dated 28th December, 1970.

for (iv) Quarry 'C' Clerk
read (iv) Quarry 'C'.

[No. 10/26/70-LRIV.]

P. C. MISRA, Dy. Secy.

शुद्धि-पत्र

नई दिल्ली, 11 जनवरी 1971

का० आ० 543—28 दिसम्बर, 1970 के भारत के राजपत्र के भाग 2 खण्ड 3, उप खण्ड (ii) में प्रकाशित भारत सरकार श्रम, रोजगार और पुनर्वास मंत्रालय (श्रम और रोजगार विभाग) के आदेश की अनुसूची संख्या का० आ० 3857, तारीख 5 दिसम्बर, 1970 में—

(iv) क्वैरी 'सी' क्लर्क के लिए

(iv) क्वैरी 'सी' पढ़िए ।

[सं० 10/26/70- एल० आर० -4]

पी० सी० मिश्र, उप सचिव ।

(Department of Labour and Employment)

New Delhi, the 19th January 1971

S.O. 544.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947, (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, Calcutta, in the matter of an application under Section 33A of the said Act, from the workmen of Sanctoria Hospital of Bengal Coal Company Limited, Post Office Disergarh, District Burdwan, which was received by the Central Government on the 12th January, 1971.

CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL AT CALCUTTA

MISC. APPLICATION NO. 20 OF 1970

PARTIES:

Workmen of Sanctoria Hospital of Messrs Bengal Coal Company Ltd., P.O. Disergarh, Distt. Burdwan—*Applicant.*

Versus

1. Messrs Bengal Coal Co. Ltd., Sanctoria, P.O. Disergarh, Burdwan—
2. Superintendent, Medical Services, Sanctoria Hospital of M/s. Bengal Coal Company Ltd., P.O. Disergarh, Burdwan—*Opposite Party.*

PRESENT:

Mr. B. N. Banerjee,—Presiding Officer.

APPEARANCES:

On behalf of Applicant—Sri J. K. Gupta, Secretary, Sanctoria Hospital Nursing Staff and Employees' Union.

On behalf of Opp. party—Sri B. N. Lala, Personnel Officer, Messrs. Bengal Coal Company Ltd.

STATE: West Bengal. INDUSTRY: Coal Mines.

AWARD

This is an application under Section 33A of the Industrial Disputes Act, 1947, by certain workmen of Sanctoria Hospital of Bengal Coal Company Limited. The services of the workmen now stand terminated and that termination is described as illegal.

2. I am not, however, required to give my decision on this application because Mr. J. K. Gupta, Secretary of the Sanctoria Hospital Nursing Staff and Employees' Union filed an application praying to withdraw the instant application with liberty

to raise a dispute on the same cause of action under Section 10 of the Industrial Disputes Act.

3. I allow the prayer for withdrawal of the instant application and grant liberty to the applicants to take recourse to such other remedies under the Industrial Disputes Act as may be open to them.

Dated,
January 5, 1971.

[No. 8/228/7-LRII.]

(Sd.) B. N. BANERJEE,
Presiding Officer.

S.O. 545.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal (No. 3), Dhanbad, in the industrial dispute between the employers in relation to the Kujama Colliery of Messrs Kujama Colliery Company, Post Office Jharia, District Dhanbad and their workmen, which was received by the Central Government on the 11th January, 1971.

CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL (NO. 3) AT DHANBAD

REFERENCE No. 80 OF 1969

PRESENT:

Shri Sachidanand Sinha, M.A., M.L.—*Presiding Officer.*

PARTIES:

Employers in relation to the Kujama Colliery,

Vs.

Their workmen.

APPEARANCES:

For the employers—Sri P. K. Bose, Advocate.

For the workmen—Sri B. K. Lath, Advocate.

INDUSTRY: Coal. STATE: Bihar.

Dhanbad, dated the 17th of December, 1970

AWARD

1. The Central Government, being of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the Kujama Colliery of Messrs Kujama Colliery Company, Post Office Jharia, District Dhanbad and their workmen, by its order No. 2/140/69-LRII, dated the 22nd of October, 1969, referred under Section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947 to this Tribunal for adjudication the matters specified in the Schedule annexed thereto. The Schedule is extracted below:

SCHEDULE

"Whether the management of Kujama Colliery Company, Post Office Jharia, District Dhanbad, was justified in terminating the service of Shri A. K. Banerjee, Overman, with effect from the 1st February, 1969? If not, to what relief the workman entitled?"

2. The employers filed their written statement on 4th March 1970. A preliminary point has been taken in para 4 of their written statement which runs as follows:—

"That no dispute was raised by the workman before the employers against the order of termination of his services with due notice and as such there cannot be any dispute on that score."

3. On facts the case of the management is that Sri A. K. Banerjee, the concerned workman was appointed as an overman by the manager of the Colliery by a letter dated 21st May 1968 asking him to join duty from the 3rd shift of 22nd May 1968 without any special service condition.

4. The concerned workman being an unconfirmed employee and having not completed one full year of service his services were rightly terminated in

accordance with the provisions of condition of his services as governed by the Standing Orders applicable to the Kujama Colliery and it was a case of termination simpliciter and to that extent the employers are within their jurisdiction to terminate the services of the workman concerned without even assigning any reason whatsoever but for the satisfaction of the workman concerned the employers did assign reasons in the letter dated 31st January, 1969 and under such circumstances there cannot be any dispute against the employers.

5. The concerned workman did not raise any objection and accepted the letter of the termination of his services and though the employers offered him to pay all dues within the specified period the workman failed to turn up to receive payment nor he asked the employers to send his dues to him by any other means. Subsequently the concerned workman received his dues in full and final and executed a receipt on 9th July, 1969.

6. The concerned workmen entered into a settlement in writing on 9th July, 1969 having satisfactorily settled all claims with the employers of Kujama Colliery.

7. The concerned workman having received all his dues from the employers and having entered into a mutual settlement declaring no further claim against the employers is estopped from raising any further dispute against the same employers and the workman voluntarily settled his case and after receiving payment entered into an agreement with the employers declaring that there was no other claim outstanding to his credit and all disputes were satisfactorily settled.

8. Therefore, according to the management they were justified in terminating the service of Sri A. K. Banerjee with effect from the 1st of February, 1969 and the concerned workman is not entitled to any relief.

9. The concerned workman Sri A. K. Banerjee filed his written statement on 20th January 1970 and the rejoinder on 21st March 1970. His case is that he was appointed as an Overman by the employer in relation to the Kujama Colliery by letter dated 21st May, 1968. The employers terminated the services of the concerned workman by letter dated 31st January, 1969. The termination of service being wrongful, he raised an Industrial Dispute before the Assistant Labour Commissioner (C), Dhanbad and that no settlement could be arrived at, the Central Government on the failure of conciliation has referred this dispute.

10. According to the concerned workman, the allegation of habitually coming late to work as alleged in the letter of termination is false. The concerned workman is governed by the certified standing orders and under the above standing orders 'habitually coming late' is misconduct. The concerned workman was never given any charge-sheet for this act of misconduct and consequently no enquiry had been held by the management. He was never given any warning. Even for any other misconduct no charge-sheet was issued to the concerned workman The workman had a clean record of service and the allegation of habitually coming late is false and colourable.

11. The concerned workman Sri A. K. Banerjee was always performing his duties to the entire satisfaction of the management and was never given any charge-sheet throughout the period of his employment for reporting late on duty at all. Sri Banerjee was never cautioned verbally or otherwise to rectify his irregular habits as he was always regular in the performance of his duties.

12. Sri A. K. Banerjee was not appointed as a probationer, the question of confirmation did not arise. The concerned workman was appointed as a permanent Overman and not on probation. It is clear from the letter of appointment.

13. The concerned workman joined the services in Kujama Colliery but he was not paid his wages at all. In respect of his wages, the concerned workman had to file an application before the Central Government Labour Court, Dhanbad and the said application was numbered as L.C. No. 8 of 1969. The subject-matter of the above L.C. case No. 8 of 1969 was compromised through the influence of the good offices of friends and well wishers of the employer and the workman was given sum of Rs. 700.

14. The settlement dated 9th July 1969 pertains to the subject-matter of L.C. No. 8 of 1969 and there was no mutual settlement regarding the subject-matter of the present reference.

15. The employers had terminated the service with a view to victimize the concerned workman on a false ground in utter violation of the principles of the natural justice and the termination amounts to dismissal. On these grounds the concerned workman prayed that the termination of the services of Shri A. K.

Banerjee be set aside and the employers be directed to reinstate him with full back wages.

16. On behalf of the management three witnesses, *viz.*, MW-1 Sri Gharpure, MW-2 S. K. Dua, the Office Supdt. of Kujama Colliery and MW-3 Baidyanath Prasad were examined. MW-3 has proved his signature on Ext. M-3 and M-6. 6 items of documents were exhibited on behalf of the management and they are marked Ext. M-1 to M-6. On behalf of the workman one witness *viz.* Sri A. K. Banerjee, the concerned workman has been examined and 3 items of documents were exhibited and are marked as Ext. W-1 to W-3.

17. The point for consideration is whether the management was justified in terminating the services of Sri A. K. Banerjee, Overman with effect from the 1st of February, 1969?

18. The preliminary objection was taken on behalf of the management to the effect that no dispute was raised by the employee before the employer and as such there cannot be any dispute on the score.

19. In this connection the management cited before me the case of Fedders Lloyd Corporation (Pvt.) Ltd. *vs.* Lt. Governor, Delhi, reported in 1970 Labour & Industrial cases (421). That decision is based on the Supreme Court Judgement, reported in AIR 1968 S.C. page 529. In this case their Lordship made the following observations:

> "We are of the view that the decision of the Supreme Court in AIR 1968 S.C. 529 referred to above, has finally established the proposition that a demand by the workmen must be raised first on the management and rejected by them before an industrial dispute can be said to arise and exist and that the making of such a demand to the Conciliation Officer and its communication by him to the management, who reject the same is not sufficient to constitute an industrial dispute."

20. In this case WW-1 Sri A. K. Banerjee has stated on oath in his evidence that he did not file any petition against his dismissal. He only orally requested the management to take him back. In my opinion this was a valid demand by the workman to the management and when the management rejected his demand he made a fresh demand before the Conciliation Officer After his demand was refused by the management the concerned workman Sri A. K. Banerjee by a letter dated 25th February, 1969 raised an industrial dispute before the Conciliation Officer to the effect that the management of the Kujama Colliery have illegally terminated his services with effect from the 31st of January, 1969 and he requested the office to intervene in the matter. The management appeared before the Conciliation Officer by filing written statement.

21. Therefore, in this case I find that a valid demand was made by the concerned workman first on the management and therefore, there is no substance in the objection raised by the management and the present reference is maintainable in law.

22. The next contention of the management is that the concerned workman having received all his dues from the employers and having entered into a mutual settlement declaring no further claim against the employers is estopped from raising any further dispute against the same employers.

23. The concerned workman Sri A. K. Banerjee, Overman had filed an application being L.C. Case No. 8 of 1969 against the management on 26th February 1969 under Section 33(C)(2) claiming wages, bonus, leave wages, profit sharing bonus from 21st of May, 1968 till 31st of January, 1969. The total amount claimed was Rs. 3,560.

24. The above L.C. case was disposed of on compromise on the 23rd of July, 1969. In that case Sri S. K. Dua, who is MW-2 in the present reference appeared as witness on behalf of the management and in that case he made the following statement:

> "The claim put forth by him before this Court by the applicant has been compromised at Rs. 700. The management has paid the sum to the applicant and obtained a proper receipt in full settlement. The compromise memo filed before the Court along with the application today is signed in my presence by the applicant, Shri Ameo Kumar Banerjee and it is attested also in my presence by Shri Baidnath Prasad also in my presence."

25. After his examination the Court passed the following Order:

"Shri S. K. Dua is examined on oath and he has deposed that the applicant has received a sum of Rs. 700 in full settlement of his claim and passed a proper receipt and that the compromise memo is signed by the applicant in his presence and also attested by Shri Baidnath Prasad also in his presence. In view of this sworn testimony I accept the compromise memo. The claim application is therefore, disposed of as compromised".

26. MW-1 Sri A. N. Gharpure, the Manager of Kujama Colliery has also stated before me on oath in this connection as follows:—

"I had knowledge that the concerned workman Shri A. K. Banerjee had filed L.C. case being No. LC-8 before the Labour Court at Dhanbad. The management had settled that case with the workman."

27. MW-2 Sri S. K. Dua has also stated in his evidence as follows:—

"The payment of Rs. 700 mentioned in the Cash Voucher Ext. M-6 was made in my presence to the concerned workman Shri A. K. Banerjee. The details of payment, are mentioned in the voucher."

28. MW-3 Sri Baidyanath Prasad has signed the cash voucher Ext. M-6. In this connection he has made the following statement before me in his evidence:—

"A transaction of Rs. 700 was done in my presence and I do not know anything about any L.C. case or any other industrial dispute between the parties. I do not know regarding facts of the case."

29. On the other hand the concerned workman WW-1 Sri A. K. Banerjee has stated in his evidence that the L.C. case filed by him ended in compromise and in that connection he received a sum of Rs. 700 from the management. This amount covered his claim in the L.C. case No. 8 of 1969 and has got nothing to do with the present Industrial Dispute.

30. Therefore, the settlement dated the 9th of July, 1969 related to the subject matter of the application No. LC-8 of 1969. Only the subject matter of L.C. case No. 8 of 1969 was compromised. The subject matter of the present reference, pending before this Tribunal was not settled and compromised as will be clear from the certified copy of the compromise petition dated 9th July 1969. There was no reference or settlement pertaining to or affecting the Industrial Dispute which was independently raised apart from filling application No. L.C. 8 of 1969.

31. Therefore, my finding is that there was no settlement regarding the subject matter of the present reference. The settlement dated 9th July 1969 related only to the subject matter of L.C. case No. 8 of 1969.

32. The case of the management is that the concerned workman Sri A. K. Banerjee was appointed as Overman by the Manager of the Colliery by a letter dated 21st May 1968, asking him to join duty from the 3rd shift of 22nd May, 1968 and that Sri A. K. Banerjee was not confirmed in his employment.

33. It was further contended on behalf of the management that the services of the concerned workman was not found satisfactory in so much so he was reporting for duty late in his shift and was leaving his duty much earlier than the close of the shift, and that a number of time the workman was cautioned verbally to rectify his irregular habits.

34. Since the concerned workman was not confirmed in his service the employer decided to simply terminate the services of the workman and did so by a letter dated 31st January, 1969. It was further submitted that since the concerned workman was not a confirmed employee and he had not completed one year of services with the employers of Kujama Colliery and as such the termination was a termination simpliciter and as such no charge sheet was required to be served.

35. In this connection I may refer also the stand of the management before the Conciliation Officer. In their letter to the Asstt. Labour Commissioner, Dhanbad in para 3, the management made the following statements:

"Shri Banerjee's services had been terminated on the following grounds; (a) late coming, (b) leaving work without permission before the end of his shift, and (c) habitual absenteeism were all correct. Moreover, the facts are so patent that there was no question of holding any enquiry before terminating Shri Banerjee's services."

36. In this connection the management has drawn my attention to the statement made by the concerned workman Sri A. K. Banerjee,WW-1 in his evidence The concerned workman in his evidence has stated as follows:—

> "During the period of my service in Kujama Colliery, I was residing at Dhanbad and was going to the Colliery from Dhanbad as I was not allotted any quarter by the management. Kujama Colliery is about 7-8 miles from my residential house. I used to walk the distance from my house to Dhanbad Rly. Station and from there I used to go by Bus upto Jharia and from Jharia to Colliery I used to walk again. I used to catch the bus at Dhanbad Station at about 9 P.M. and reach Jharia at 9.30 P.M. and thus I used to reach colliery between 10 to 11 P.M.".

37. From his statement it was presumed that since he was living at Dhanbad which is at a distance of 7 to 8 miles from Kujama Colliery it was quite possible that he was usually late in attending his duty or that he was anxious to leave his duty earlier than the scheduled time. But it is mere conjecture.

38. MW-1 Sri A. N. Gharpure has stated in his evidence that he had never issued chargesheet to the concerned workman for his irregular attendance. He never issued any letter to the concerned workman for cautioning him for his irregular attendace or for his any unpunctuality. He further stated that there was no report in writing to him about late coming to duty of Shri A. K. Banerjee or abuot his unsatisfactory work.

39. Therefore, there was no satisfactory evidence that Sri A. K. Banerjee was performing his duty unsatisfactorily nor there is any evidence that he was cautioned in writing to rectify his irregular habits of late coming on duty or unpunctuality. During the entire period of service he was never chargesheeted for any misconduct. Therefore, I find that there is no satisfactory evidence that he was irregular in performing his duty.

40. Ext. M-1 is the letter of appointment. It runs as follows:—

> "You are appointed here as Overman. You are requested to join your duties from 22nd May, 1968 in the 3rd shift."

41. Ext. M-2 is the letter of termination dated 31st January, 1969. It runs as follows:—

> "Your services are no longer required as it is found that inspite of repeated warning, you are continuing to habitually (a) coming late (b) quitting work before the shift ends without permission (c) habitually absenting from work."

42. Admittedly no chargesheet was served on the concerned workman. As already stated above the stand of the management before the Conciliation authority was that the facts are so patent that there was no question of holding any enquiry before termination of the services of Sri A. K. Banerjee. The letter of appointment Ext. M-1 does not show that the concerned workman Sri A. K. Banerjee was appointed as a probationer and therefore, the question of confirmation does not arise. The service of the concerned workman was terminated for coming late and quitting work before the shift ends without permission. But a habitual late attendance and habitual absence without leave or without sufficient cause is a misconduct under Section 27(4) of the Standing Order inspite of his no chargesheet was issued to the concerned workman Sri A. K. Banerjee.

43. In the absence of express provision in the Standing orders, the employer has no power to discharge a permanent workman merely at his will or pleasure such order of discharge is illegal. Before the workman can be dismissed for misconduct, the employer must hold a regular enquiry.

44. In this case the concerned workman was discharged as a punishment for some misconduct and therefore, order of dismissal must be preceded by a regular enquiry otherwise the dismissal is illegal

45. Where the standing orders classify misconduct which merit the order of dismissal, the workman can be dismissed only if he is found guilty of any such misconduct, and not otherwise. If the workman is to be dismissed on the ground of his having committed some grave misconduct in the discharge of his duties, a proper and fair enquiry must precede the order of dismissal and it must be shown at the conclusion of the enquiry that the workman had

been found to be guilty of misconduct deserving the punishment of dismissal. But admittedly in this case no enquiry was held at all.

46. In this view of the case I hold that the management was not justified in terminating the services of Sri A. K. Banerjee, Overman with effect from the 1st of February, 1969 and therefore, the concerned workman Sri A. K. Banerjee is entitled to be reinstated with full back wages from 1st February, 1969 upto the date of his reinstatement along with continuity of service.

47. This is my award. It may now be submitted to the Central Govt. under Section 15 of the Industrial Disputes Act, 1947.

(Sd.) SACHIDANAND SINHA,
Presiding Officer.

[No. 2/140/69-LRII.]

New Delhi, the 22nd January 1971

S.O. 546.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, Bombay, in the industrial dispute between the employers in relation to the Hindusthan Lalpeth Colliery belonging to the Perfect Pottery Company Limited, Post Office Chandrapur, District Chandrapur and their workmen, which was received by the Central Government on the 16th January, 1971.

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL, BOMBAY

REFERENCE No. CGIT-8 OF 1970

PARTIES:

Employers in relation to the Hindusthan Lalpeth Colliery belonging to the Perfect Pottery Company Limited, Chandrapur

AND

Their workmen.

PRESENT:

Shri A. T. Zambre, Presiding Officer.

APPEARANCES:

For the employers.—Shri R. S. Pandit, Personnel Officer.

For the workmen.—Shri R. C. Pande, President, Maharashtra Pradesh Koyala Khadan Kamgar Sangh.

STATE: Maharashtra. **INDUSTRY:** Coal Mining.

Bombay dated 30th December 1970

AWARD

The Government of India, Ministry of Labour, Employment and Rehabilitation, Department of Labour and Employment, by their order No. 1/18/70-LRII, dated 19th August, 1970 have referred to this Tribunal for adjudication an industrial dispute existing between the employers in relation to the management of Hindusthan Lalpeth Colliery belonging to the Perfect Pottery Company Ltd., Chandrapur in respect of the matters specified in the following schedule:—

SCHEDULE

"(i) Whether the management of Hindusthan Lalpeth Colliery belonging to the Perfect Pottery Company Limited, Post Office, Chandrapur, District Chandrapur is justified in not maintaining a permanent nucleus of 32 wagon loaders? If not, what should be the permanent strength of wagon loaders in the colliery and to what relief are the temporary wagon loaders entitled and from what date?

(ii) Whether the said management is justified in not granting sick leave wages and train fare in accordance with the recommendations of the Central Wage Board for Coal Mining Industry as accepted by the Government of India in their Resolution No. WB-16(5)/66 dated the 21st July 1967? If not, to what relief are the workmen entitled and from what date?"

2. The Maharashtra Pradesh Rashtriya Koyala Khadan Kamgar Sangh which is a trade union had made several demands to the employers on behalf of the workmen in the mines. As the management did not concede those demands the Sangh had served the management with a strike notice dated 20th March, 1970 stating that the workers were going on strike from 13th April 1970. The notice was received by the Assistant Labour Commissioner (Central) Nagpur who admitted the dispute in conciliation. During the conciliation proceedings some of the demands were settled and about the rest the parties could not agree. Hence a failure report was made and Government has referred the above two issues to this Tribunal for adjudication.

3. The schedule will show that the first issue pertains to the maintenance of a permanent nucleus of wagon loaders and what should be the strength and the second pertains to sick leave wages, train fares etc.

4. After the issue of notices to the parties the management has filed a written statement denying the workmen's claim. They had opposed the reference on the technical contention that the Maharashtra Pradesh Rashtriya Koyala Khadan Kamgar Sangh had started functioning only from October 1969 and the majority of the workmen were not the members of the union and it was not an industrial dispute. On the merits it was alleged that the wagon loading department of the colliery was a department of a casual nature having no regular supply of empty wagons and the management maintained only average staff in the department as permanent, and the workmen who were temporary were not entitled to the benefits claimed. Other contentions were also raised.

5. The union did not file any statement of claim. But on the date of hearing the parties appeared and submitted that the dispute has been amicably settled. The management has agreed to maintain a permanent nucleus of 32 wagon loaders and that the management was actually maintaining such nucleus and there was no dispute about it. About the second demand the management has agreed to pay to the 26 temporary wagon loaders whose names are given in the list attached to the terms of settlement an amount of Rs. 40/- each in satisfaction of all the claims arising out of the dispute.

6. The management is maintaining a permanent nucleus of 32 wagon loaders. They have also agreed to pay Rs. 40/- in satisfaction of the sick leave wages and train fare and the terms of settlement are reasonable. I accept the same and pass an award accordingly. The terms of settlement marked annexure 'A' shall form part of this award.

No Order as to costs.

(Sd.) A. T. ZAMBRE,
Presiding Officer,
Central Government Industrial Tribunal,
Bombay.

ANNEXURE "A"

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL AT BOMBAY
REFERENCE No. CGIT 8 OF 1970

BETWEEN

Employees in Relation to the Hindusthan Lalpeth Colliery Chandrapur (Maharashtra)

AND

Their workmen.

In the matter of permanency of wagon loders and sick leave wages, train fares etc.

MAY IT PLEASE THE HONOURABLE TRIBUNAL,

The parties to the above dispute *viz.* The Hindusthan Lalpeth Colliery, Chandrapur, Maharashtra and its workmen represented by the Maharashtra Pradesh Rashtriya Koyala Khadan Kamgar Sangh, Chandrapur (Branch Chandrapur) have come to a settlement in respect of the matters forming the subject matter of this dispute, referred for adjudication by the Government of India order, Ministry of Labour, Employment and Rehabilitation, No. 1/18/70 LRII, dated

the 19th August, 1970 and pray that this Honourable Tribunal to make an award in terms there of which are as follows:—

Matter No. "(i)	
Whether the management of Hindusthan Lalpeth Colliery belonging to the Perfect Pottery Company Limited, Post Office Chandrapur, District Chandrapur is justified in not maintaining a permanent nucleus of 32 wagon loaders? If not, what should be the permanent strength of wagon loaders in the Colliery and to what relief are the temporary wagon loaders entitled and from what date?	The Union agrees that the Management is maintaining a permanent nucleus of 32 wagon loaders and there is no dispute in respect of these 32 permanent wagon loaders.
Matter No. "(ii)	
Whether the said management is justified in not granting sick leave wages and train fare in accordance with the recommendations of the Central Wage Board for Coal Mining Industry as accepted by the Government of India in their Resolution No. WB-16 (5)/66 dated the 21st July, 1967 If not, to what relief are the workmen entitled and from what date?"	As regards the 26 temporary wagon loaders who are named in the list annexed hereto the Management agrees to pay to each of them an amount of Rs. 40/- (Rupees forty only) on or before 29th January 1971 in satisfaction of all the claims arising out of this dispute, as per terms of settlement dated 27th April 1970 arrived at between these parties.

Signed at Chandrapur, this 26th Day of December 1970.

for Workmen	for The Hindusthan Lalpeth Colliery
(Sd.) R.C. Pande,	(Sd.) Illegible
President,	Chief Mining Engineer.
Maharashtra Pradesh Rashtriya Koyala Khadan Kamgar Sangh, Branch Chandrapur.	

ANNEXURE TO MEMORANDUM OF SETTLEMANT, DATED THE 26th DECEMBER 1970, IN REFERENCE NO. CGIT 8 OF 1970, BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL, BOMBAY

List of temporary wagon loaders who are to be paid Rs. 40/- each (forty each) in settlement of both the demands forming subject matter of this dispute.

(1)	Shri Golla Mallaya	(15)	Shri Sheralu Mallaya
(2)	,, Pujar Lachalu	(16)	,, Penlli Tripati
(3)	,, Santi Yenkati	(17)	,, Lahanu Mallaya
(4)	,, Yellaya Chandraya	(18)	,, Jakkula Kankayya
(5)	,, Gopal Krushna	(19)	,, Dandvelli Rajam
(6)	,, Kadam Rajam	(20)	,, Gumpla Komrayya
(7)	,, Maralu Papaiya	(21)	,, Yeraya Kistaiya
(8)	,, Ankul Mallaiya	(22)	,, Stpakila Pocheam
(9)	,, Chenmen Komrayya	(23)	,, Pujar Rajam Kistaiya
(10)	,, Gumpla Gattaiya	(24)	,, Sakal Lachalu
(11)	,, Amarkonda Chandraiya	(25)	,, Gangadhar Ushalu
(12)	,, Sallur Mallaya	(26)	,, Rodda Odal
(13)	,, Kankayya Ankush		
(14)	,, Jakula Ailaya		

for Workmen
(Sd.) R.C. Pande,
President,
Maharashtra Pradesh Rashtriya
Koyala Khadan Kamgar Sangh,
Branch Chandrapur.

for The Hindusthan Lalpeth Colliery
(Sd.) Illegible
Chief Mining Engineer.

[No. 1/18/70-LR.II.]

ORDER

New Delhi, the 11th January 1971

S.O. 547.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of Victoria West Colliery of Messrs New Birbhoom Coal Company Limited, Post Office Barakar, District Burdwan and their workmen in respect of the matter specified in the Schedule hereto annexed;

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby refers the said dispute for adjudication to the Central Government Industrial Tribunal, Calcutta, constituted under section 7A of the said Act.

SCHEDULE

"Whether the management of Victoria West Colliery of Messrs New Birbhoom Coal Company Limited, Post Office Barakar, District Burdwan was justified in terminating the lien on the appointment of Shri Biswanath Upadhyay, Sand Stowing Mazdoor with effect from the 19th March 1970? If not to what relief is the workman entitled?"

[No. 6/60/70-LR.II.]

KARNAIL SINGH, Under Secy.

आदेश

नई दिल्ली, 11 जनवरी, 1971

का० आ० 547—यतः केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषयों के बारे में मैसर्स न्यू बिरभूम कोले कम्पनी लिमिटेड, डाकघर बाराकर, जिला बर्दवान की विक्टोरिया वैस्ट कोलयरी के प्रबन्धतंत्र से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच एक औद्योगिक विवाद विद्यमान हैं ;

और यतः केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्याय निर्णयन के लिये निर्देशित करना वांछनीय समझती है ;

अतः अब औद्योगिक विवाद अधिनियम 1947 (1947 का 14) की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा उक्त विवाद को उक्त अधिनियम की धारा 7-क के अधीन गठित केन्द्रीय सरकार के औद्योगिक अधिकरण, कलकत्ता को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करती है।

अनुसूची

"क्या मैसर्स न्यू बिरभूम कोल कम्पनी लिमिटेड, डाकघर बाराकर, जिला बर्दवान की विक्टोरिया वैस्ट कोलयरी के प्रबन्धतंत्र का 19 मार्च, 1970 से श्री बिस्वानाथ उपाध्याय, सेंड स्टोइंग मजदूर का नियुक्ति पर धारणाधिकार समाप्त करना न्यायोचित था ? यदि नहीं, तो कर्मकार किस अनुतोष का हकदार है ?"

[सं० 6/60/70/एल० आर०-2]

करनैल सिंह, अवर सचिव ।

(Department of Labour and Employment)

ORDER

New Delhi, the 14th January 1971

S.O. 548.—Whereas the employers in relation to the management of M/s. Gordon Woodroffe and Company Madras (Private) Limited, Madras and their workmen represented by the Madras Harbour Workers Union, Madras have jointly applied to the Central Government for reference of an industrial dispute that exists between them to an Industrial Tribunal in respect of the matter set forth in the said application and reproduced in the Schedule hereto annexed;

And whereas, the Central Government is satisfied that the persons applying represent the majority of each party;

Now, therefore in exercise of the powers conferred by section 7A and sub-section (2) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby constitutes an Industrial Tribunal of which Shri S. Swamikkannu shall be the Presiding Officer, with headquarters at Madras and refers the said dispute for adjudication to the said Tribunal,

SCHEDULE

"In what manner and to what extent the recommendations of the Central Wage Board for Port and Dock Workers at Major Ports should be made applicable to the workmen of Gordon Woodroffee and Co., (Madras) Private Limited in its Beach establishment in the Madras Harbour."

[No. 74/33/70-P.&D.]

AJIT CHANDRA, Under Secy.

(श्रम और रोजगार विभाग)

आदेश

नई दिल्ली, 14 जनवरी 1971

का० आ० 548.—यतः मेसर्स गोर्डन वुडरोफ एण्ड कम्पनी मद्रास (प्राइवेट) लिमिटेड, मद्रास के प्रबन्धतंत्र से संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों, जिनका प्रतिनिधित्व मद्रास हार्बर वर्कर्स यूनियन, मद्रास करती है, ने संयुक्त रूप से केन्द्रीय सरकार को आवेदन दिया है कि वह उक्त आवेदन में उपवर्णित और इससे उपाबद्ध विवाद को किसी औद्योगिक अधिकरण को निर्देशित कर दें ;

और यतः केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो गया है कि आवेदन देने वाले व्यक्ति प्रत्येक पक्षकार के बहुमत का प्रतिनिधित्व करते है ;

अतः ; अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 7-क और धारा 10 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा एक औद्योगिक अधिकरण गठित करती है जिसके पीठासीन अधिकारी श्री एस० स्वामिकन्नु होंगे जिनका मुख्यालय मद्रास होगा और उक्त विवाद को उक्त अधिकरण को न्याय निर्णयन के लिए निर्देशित करती है।

अनुसूची

"महापत्तनों पर पत्तन और डोक कर्मकारों के लिए केन्द्रीय मजदूरी बोर्ड की सिफारिशों को गोर्डन वुडरोफ एण्ड कम्पनी (मद्रास) प्राइवेट लिमिटेड के मद्रास हार्बर में समुद्र-तट स्थापन के कर्मकारों पर किस रीति से और किस सीमा तक लागू किया जाना चाहिए।

[सं० 74/33/70 पी० एण्ड डी०]

अजीत चन्द्र, अवर सचिव।

(Department of Labour and Employment)

[Office of the Chief Labour Commissioner (Central)]

ORDER

New Delhi, the 14th October 1970

S.O. 549.—Whereas an application has been made under section 19(b) of the Payment of Bonus Act, 1965 by Messrs Equitable Coal Company Ltd. (employer) in relation to their establishments mentioned in the Schedule below for extension of the period for the payment of bonus to their employees for the accounting year ending on 31st December, 1969.

And whereas being satisfied that there are sufficient reasons to extend the time I have, in exercise of the powers conferred on me by the proviso to clause (b) of Section 19 of the said Act read with the notification of the Government of India in the Ministry of Labour and Employment No. WB.20(42)/65, dated the 28th August, 1965, passed orders on 12th October 1970 extending the period for payment of the said bonus by the said employer by three months (*i.e.* upto **30th** November 1970) from the last date for payment of bonus under clause (b) of Section 19 of the Act.

Now this is published for information of the employer and all the employees of the said establishment.

THE SCHEDULE

Name and address of the employer(s).	Establishment(s)
M/s. Equitable Coal Co. Ltd., 1/2, Lord Sinha Road, Calcutta-16.	Bejdih, Methani, Ranipur, Jamuria 7/8 Pits, Jamuria A/B Pits, Bhanora, Bhanora South and Koltadih Collieries and Bhaladih Sand lime, Neamatpur workshop and Dishergarh Office, in Burdwan District.

[No. BA-5(11)/70-LS.I.]

O. VENKATACHALAM,
Chief Labour Commissioner (Central).

श्रम और रोजगार विभाग

(मुख्य श्रम आयुक्त (केन्द्रीय) कार्यालय)

आदेश

नई दिल्ली, 14 अक्तूबर 1970

एस० ओ० **549.**—अतः मेसर्स इक्यूटेबल कोल कं० लि० (नियोजक) ने नीचे की अनुसूची में वर्णित अपने स्थापनों के सम्बन्ध में 31–12–69 को समाप्त होने वाले लेखा वर्ष के लिए अपने कर्मचारियों को बोनस के संदाय की कालावधि को बढ़ाने के लिए बोनस संदाय अधिनियम, 1965 की धारा 19(ख) के अधीन आवेदन दिया है।

और अतः यह समाधान हो जाने पर कि समय बढ़ाने के लिए पर्याप्त कारण हैं मैंने भारत सरकार के श्रम और रोजगार मंत्रालय की अधिसूचना सं० डब्ल्यू बी–20(42)/65 तारीख 28 अगस्त, 1965 के साथ पठित उक्त अधिनियम की धारा 19 के खण्ड (ख) के परन्तुक द्वारा मुझे प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए 12–10–70 को उक्त नियोजक द्वारा उक्त बोनस के संदाय की कालावधि को अधिनियम की धारा 19 के खण्ड (ख) के अधीन बोनस के संदाय की अंतिम तारीख से 3 महीने (अर्थात 30–11–70 तक) बढ़ाने का आदेश दे दिया है ।

अब इसे स्थापन के नियोजक और सभी कर्मचारियों की सूचना के लिए प्रकाशित किया जाता है ।

अनुसूची

नियोजक/नियोजकों का नाम और पता	स्थापन
मैसर्ज, इक्यूटेबल कोल क० लि० 1/2, लार्ड सिन्हा रोड, कलकत्ता—16	बैजडिह, मैथानी रानीपुर, जमुरिया 7/8 पीटस, जमुरिया ए/बी पीटस भंतौरा—भंभोरा साउथ एण्ड कोराडिह कौलरिस एण्ड भालाडिह सेन्ड लाईम, नियामतपुर वर्कशाप एण्ड दिशेरगढ़ आफिस इन बर्दवान डिस्ट्रिक्ट ।

[सं० बी० ए०-5/(11)/70 एन० एस०—I]

ओ० वेंकटाचलम,

मुख्य आयुक्त (केन्द्रीय)

CENTRAL BOARD OF DIRECT TAXES

INCOME-TAX

New Delhi, the 20th July, 1970

S.O.550.—In exercise of the powers conferred by sub-section (I) of Section 122 of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) and of all other powers enabling it in that behalf, the Central Board of Direct Taxes hereby makes the following amendments in the Schedule appended to its Notification No. 70 (F. No. 261/4/70-ITJ) dated the 10th May, 1970.

In the said Schedule the entries in Col.(2) against B-Range, D—Range, E—Range, H—Range J—Range, K-Range, L—Range, M—Range and N—Range, New Delhi shall be substituted by the following:—

Ranges 1	Income-tax Circles, Wards and Districts 2
B—Range, New Delhi	(1) Distt. I (1) & (2), New Delhi. (2) Distt. III (19), (20), (21), (22) & (23), New Delhi. (3) Refund Circle, New Delhi. (4) Distt. VII (1), (2), (3) & (4), New Delhi. (5) Distt. III, Wards A, A (Addl), A (Addl-1), O, O, (Addl.), New Delhi. (6) Distt. VII Wards A, A(I) & (B), New Delhi. (7) Districts B—I, B—I (I), New Delhi. (8) Districts C—I, C—I(I), C—II & C—III, New Delhi. (9) Distt. IX (1), New Delhi. (10) Distt. I, Wards A & A (I), New Dehi. (11) Distt. IX, Ward A, New Delhi.
D—Range, New Delhi.	(1) Distt. III (10), (11), (12), (12)(addl.), (13), (14), (14)(Addl.) (15), (16), (17), (18), New Delhi. (2) Distt. VI (11), (12), (13), (14) & (15), New Delhi. (3) Distt. III Wards H, I, J, K & L, New Delhi. (4) Districts B—VI, B VII, Addl. B—VII, B—IX and Addli. B—IX, New Delhi. (5) Income-tax *cum*-Wealth-tax Circle II, New Delhi.

1	2
E—Range, New Delhi.	(1) District VIII(1), (2), (3), (4), (5), (6), (7), (8), (9), (10)(11) (12), (13), (14), (15), (16), (17), (18), (19) and (19)(Addl), New Delhi. (2) Distt. VIII Wards A, A (Addl), B, B(Addl) B. (Addl.I), B(Addl.II), C & D, New Delhi. (3) A—I, I(I), A—II & A—III Districts, New Delhi. (4) Income-tax-*cum*-Wealth-tax Circle-VIII, New Delhi. (5) Distt. VIII Wards E. & F, New Delhi.
H—Range, New Delhi.	(1) Distt. VI(1), (2), (3), (4), (5), (6), (7), (8), (9) & (10), New Delhi. (2) Distt. VI-A, A (Addl.), (B) (Addl), C, C (Addl.) D & E, New Delhi.
J—Range, New Delhi	(1) Distt II(1), (2), (3), (4) (5), (6), (7), (8), (9), (10), (11), (11) (Addl.) and (12), New Delhi (2) Distt. II Wards A, B, C, D, E, F, A(1), C(1), C(1) (Addl.) & C (II) New Delhi. (3) Special Circle IX, New Delhi.
K—Range, New Delhi.	(1) Distt, V(1), (2) (3), (4), (5), (6), (7), (8), (9, (10), (11), (11) (Addl.) (12), (12) (Addl), (13), (13) (Addl.). New Delhi.) (2) Distt. V Ward A (Addl)B(Addl.), & G., New Delhi. (3) Distt. V, Wards A, B, C, D, E & F, New Delhi.
L—Range, New Delhi.	(1) Distt. III (24), (25), (25) (Addl), (26), (27), (28), (29), (30), (31), (32) & 33, New Delhi. (2) Distt. IV (7), (8), (9), (10) & (11), New Delhi. (3) Distt. IV Ward C(1), New Delhi. (4) Distt III Ward A (1), C (1), E(1), G(1), I(1) & K(1) New Delhi. (5) Special Assessment Circles I, II, III, VI, VII, VIII & X New Delhi. (6) Special Survey Circles II, III, IV & IX, New Delhi. (7) Foreign Section, New Delhi.
M—Range, New Delhi .	(1) Distt, III (1), (2), (3), (4), (5), (6), 6 (Addl.), (7) (7) (Addl.), (8) & (9), New Delhi. (2) Distt. III Ward M (I), New Delhi. (3) Distt, III Wards B, C, D, E, F, F(Addl.), (G), (M) & N, New Delhi. (4) Distt, X(1), (2), (3), (4), (5), (6) (7), (8), (9), (10), (10)(Addl.) & (11), New Delhi.
N—Range New Delhi,	(1) Distt. V (14), (15), (16), (17), (18), (19) & (20), New Delhi. (2) Distt. V. Wards A(1), B(1), C(1), F (1), (F) (1) (Addl.) & F (III), New Delhi. (3) Distt. B—XII, New Delhi. (4) Income-tax-*cum*-Wealth-tax Circles IX & X, New Delhi. (5) Distt. IV (4), (5), (5) (Addl.) & (6), New Delhi. (6) Distt. IV Wards C & D, New Delhi. (7) Distt. IV (1), (2) & (3), New Delhi. (8) Distt. IV Wards A & B, New Delhi.

This notification shall take effect from 20th July, 1970.

Explanatory Note

The amendments have become necessary on account of addition of one AAC in the Commissioner's Charges and consequent re-allocation of work load amongst the AAC's.

(This note does not form part of the notification but is intended to be merely clarificatory).

[No. 131—F. No. 261/4/70-ITJ.]

केन्द्रीय प्रत्यक्षकर बोर्ड

आय-कर

नई दिल्ली, 20 जुलाई 1970

एस० ओ० 550—(आई टी जे) : आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 122 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का और इस निमित्त उसे समर्थ बनाने वाली अन्य सभी शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय प्रत्यक्षकर बोर्ड, एतद्द्वारा अपनी अधिसूचना सं० 70 (फा० सं० 261/4/70-आई० टी० जे०), तारीख 10 मई, 1970 से संलग्न अनुसूची में निम्नलिखित संशोधन करता है।

उक्त अनुसूची में, स्तम्भ (2) में, ख—रेंज, घ-रेंज, ङ०-रेंज, ज-रेंज, झ-रेंज, ट-रेंज, ठ-रेंज, ड-रेन्ज और ढ-रेंज, नई दिल्ली के सामने की प्रविष्टियां निम्नलिखित द्वारा प्रतिस्थापित की जाएंगी :—

रेंज	आय-कर सर्किल, वार्ड और जिले
1	2
ख-रेंज, नई दिल्ली।	(1) जि० I (1) और (2), नई दिल्ली।
	(2) जि० III (19), (20) (21) (22) और (23) नई दिल्ली।
	(3) प्रतिदाय सर्किल नई दिल्ली।
	(4) जि० VII (1), (2), (3) और (4) नई दिल्ली।
	(5) जि० III वार्ड क, क (अति०), क (अति01) ण, ण (अति०) नई दिल्ली।
	(6) जि० VII वार्ड क, क (I) और (ख) नई दिल्ली।
	(7) जिला ख- I ख-I (I), नई दिल्ली
	(8) जिला ग-I, ग-I (I), ग-II और ग-III नई दिल्ली
	(9) जिला IX (I) नई दिल्ली।
	(10) जि० I वार्ड क और क (I) नई दिल्ली।
	(11) जि० IX, वार्ड क, नई दिल्ली।
घ-रेंज, नई दिल्ली	(12) जि० III (10), (11) (12), (12) (अति०), (13) (14), (14) (अति०), (15), (16), (17), (18), नई दिल्ली
	(2) जि० VI (11), (12), (13), (14) और (15), नई दिल्ली।
	(3) जि० III वार्ड ज, झ, ञ, ट, और ठ, नई दिल्ली।
	(4) जिला ख-VII, अति० ख-VII, ख-IX और अति० ख-IX, नई दिल्ली
	(5) आय-कर सह-धन-कर सर्किल II, नई दिल्ली।

1	2
ङ–रेंज, नई दिल्ली	(1) जिला VIII (1), (2), (3), (4), (5), (6) (7) (8), (9), (10), (11), (12), (13), (14) (15) (16), (17), (18), (19) और (19) (अति०), नई दिल्ली। (2) जि० VIII वार्ड क, क (अति०), ख, ख (अति०) ख (अति० I), ख (अति० II) ग और घ, नई दिल्ली (3) क–I, I (I), क–II और क-III जिले, नई दिल्ली
ज–रेंज, नई दिल्ली	(1) जि० VI (1), (2), (3), (4), (5), (6), (7) (8), (9) और (10), नई दिल्ली। (2) जि०VI, क, क (अति०), (ख) (अति०), ग, ग (अति०), घ और ङ, नई दिल्ली।
झ–रेंज नई दिल्ली	(1) जि० II (1) (2), (3), (4), (5), (6), (7) (8) (9), (10), (11), (11) (अति०) और (12), नई दिल्ली । (2) जि०II वार्ड क, ग, घ, ङ, च, क (1), ग (1) (ग) (1) (अति०) और ग (II), नई दिल्ली (3) विशेष सर्किल IX, नई दिल्ली।
ट–रेंज, नई दिल्ली	(1) जि० V (1), (2), (3), (4), (5), (6), (7), (8), (9), (10), (11), (11) (अति०) (12), (12) (अति०), (13), (13) (अति०), नई दिल्ली (2) जि० V वार्ड क (अति०), ख (अति०) और ग, नई दिल्ली। (3) जि० V वार्ड क, ख, ग, घ, ङ, और च, नई दिल्ली।
ठ–रेंज, नई दिल्ली	(1) जि० III (24), (25), (25) (अति), (26), (27), (28), (29), (30), (31), (32), और (33), नई दिल्ली। (2) जि० IV (7), (8), (9), (10), और (11), नई दिल्ली । (3) जि० IV वार्ड ग (1), नई दिल्ली। (4) जि० III वार्ड क (1), ग (1), ङ (1), (छ (1), (झ) (1) और ट (1), नई दिल्ली। (5) विशेष निर्धारण सर्किल I, II, III, VII VIII और X, नई दिल्ली। (6) विशेष सर्वेक्षण सर्किल II, III, IV और IX नई दिल्ली (7) विदेश अनुभाग, नई दिल्ली।

1	2
ङ–रेंज,	(1) जि० III (1), (2), (3), (4), (5), (6), 6(अति०), (7). (7) (अति०), (8) और (9) नई दिल्ली । (2) जि० III वार्ड ङ (1) नई दिल्ली । (3) जि० III वार्ड ख, ग, घ, ङ, च, च, (अति०), (छ), (ङ) और ङ, नई दिल्ली । (4) जि० X (1), (2), (3), (4), (5), (6) (7), (8), (9), (10), (10) (अति०), और (11), नई दिल्ली ।
ङ–रेंज, नई दिल्ली	(1) जि० V (14), (15), (16), (17), (18), (19) और (20), नई दिल्ली । (2) जि० V वार्ड क (1), ख (1), ग (1), च (1), (च) (1) (अति०) और च (III), नई दिल्ली । (3) जि० ख XII, नई दिल्ली । (4) आय–कर सह–धन कर सर्किल IX और X, नई दिल्ली । (5) जि० IV (4), (5), (5) (अति०) और (6), नई दिल्ली । (6) जि० IV वार्ड ग और घ, नई दिल्ली । (7) जि० V (1), (2) और (3), नई दिल्ली । (8) जि० IV वार्ड क और ख, नई दिल्ली ।

यह अधिसूचना 20 जुलाई, 1970 से प्रभावी होगी ।

स्पष्टीकरण टिप्पण

आयुक्त के भारत साधन में एक सहायक आयुक्त (अपील) के और हो जाने के कारण सहायक आयुक्त (अपील) के बीच कार्य भार के पश्चात वर्ती पुनरार्बटन के कारण संशोधन आवश्यक हो गया है ।

। (यह टिप्पण अधिसूचन का भाग नही है बल्कि इसका आशय स्पष्टीकरण मात्र है)

[सं० (131)–फा० सं० 261/4/70–आई० टी० जे०]

New Delhi, the 5th December, 1970

S. O. 5511—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 122 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) and of all other powers enabling it in that behalf and in supersession of all the previous notifications in this regard the Central Board of Direct Taxes hereby directs that the Appellate Assistant Commissioners of Income-tax of the Ranges specified

in Column I of the Schedule below, shall perform their functions in respect of all persons and incomes assessed to income-tax or super-tax in the Income-tax Circles, Wards and Districts specified in the corresponding entry in column 2 thereof:—

SCHEDULE

Range	Income-tax Circles, Wards and Districts.
A—Range, Ahmedabad.	1. Special Investigation Circles I to VII, Ahmedabad. 2. Group Circle I, Ahmedabad.
B—Range, Ahmedabad.	1. Circle III, Ahmedabad. 2. Circle IV, Ahmedabad.
C—Range, Ahmedabad.	1. Circle I, Ahmedabad.
D—Range, Ahmedabad.	1. Group Circle II, Ahmedabad. 2. Circle II, Ahmedabad.
E—Range, Ahmedabad.	1. Circle VI, Ahmedabad.
F—Range, Ahmedabad.	1. Circle X, Ahmedabad. 2. Mehsana Circle. 3. Patan Circle. 4. Palanpur Circle.
A—Range, Baroda.	1. Circle I, Ward A, Baroda. 2. Circle II, Wards A, B and C, Baroda. 3. Godhra Circle. 4. Bulsar Circle.
B—Range, Baroda.	1. Circle I, Wards B, C and D, Baroda. 2. Circle II, Wards D, E, F, G, H & I, Baroda. 3. Petlad Circle. 4. Broach Circle 5. Nadiad Circle.
Surat, Range, Surat.	1. Surat Circle. 2. Navsari Circle.
Rajkot Range, Rajkot	1. Rajkot Circle. 2. Morvi Circle. 3. Junagadh Circle.
Bhavnagar Range, Bhavnagar.	1. Bhavnagar Circle. 2. Surendranagar Circle. 3. Porbandar Circle. 4. Amreli Circle.
Jamnagar Range, Jamnagar	1. Jamnagar Circle. 2. Bhuj Circle.

Where an Income-tax Circle, Ward and District or part thereof stands transferred by this notification from one Range to another Range, appeals arising out of assessments made in that Income-tax Circle, Ward or Districts or part thereof and pending immediately before the date of this notification before the Appellate Assistant Commissioner of Range from whom that Income-tax circle, ward or district thereof is transferred shall, from the date of this notification shall take effect, be transferred to and dealt with by the Appellate Assistant Commissioner of the Range to whom the said circle, ward or district or part thereof is transferred.

This notification shall take effect from 1st December, 1970.

Explanatory Note

The amendments have become necessary on account of reallocation of workload amongst the Appellate Assistant Commissioners in the Commissioners' charge.

(The above note does not form part of the notification, but is intended to be merely clarificatory).

[No. 193-F. No. 261/19/70-ITJ].

नई दिल्ली, 5 दिसम्बर, 1970

एस० ओ० 551.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 122 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों और इस निमित्त उसे समर्थ बनाने वाली अन्य सभी शक्तियों का प्रयोग करते हुए और इस बाबत सभी पूर्वतन, अधिसूचनाओं को अधिक्रान्त करते हुए केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड एतद्द्वारा निदेश देता है कि नीचे की अनुसूची के स्तंभ 1 में विनिर्दिष्ट रेंजों के सहायक आयकर आयुक्त (अपील) उन सभी व्यक्तियों के और उस आय के सम्बन्ध में अपने कृत्यों का पालन करेंगे जो उस (अनुसूची) के स्तंभ (2) में की तत्स्थानी प्रविष्टि में विनिर्दिष्ट आयकर सर्किलों, वार्डों और जिलों में, आयकर या अधिकर के लिये निर्धारित हुई है :—

अनुसूची

रेंज	आयकर सर्किल, वार्ड और जिले
1	2
क–रेंज, अहमदाबाद	1. विशेष अन्वेषण सर्किल I से VII तक, अहमदाबाद] 2. ग्रुप सर्किल I, अहमदाबाद ।
ख–रेंज, अहमदाबाद	1. सर्किल III, अहमदाबाद । 2. सर्किल, IV, अहमदाबाद ।
ग–रेंज, अहमदाबाद	1. सर्किल I, अहमदाबाद ।
घ –रेंज, अहमदाबाद	1. ग्रुप सर्किल, II, अहमदाबाद । 2. सर्किल, II, अहमदाबाद ।
ङ–रेंज, अहमदाबाद	1. सर्किल, VI, अहमदाबाद ।
च–रेंज, अहमदाबाद	1. सर्किल, X, अहमदाबाद । 2. मेहसाना सर्किल । 3. पाटन सर्किल । 4. पालनपुर सर्किल ।
क–रेंज, बड़ौदा	1. सर्किल, I, वार्ड क बड़ौदा । 2. सर्किल II, वार्ड क, ख और ग, बड़ौदा । 3. गोधारा, सर्किल । 4. बुल्सर सर्किल ।
ख–रेंज, बड़ौदा	1. सर्किल I, वार्ड ख, ग और घ, बड़ौदा । 2. सर्किल II, वार्ड घ,ङ,च,छ,ज, और झ, बड़ौदा । 3. पैटलाड, सर्किल । 4. बीच सर्किल । 5. नडियाड, सर्किल

1	2
सूरत रेंज, सूरत	1. सूरत सर्किल । 2. नवसारी सर्किल ।
राजकोट रेंज, राजकोट	1. राजकोट सर्किल । 2. मोरवी सर्किल । 3. जूनागढ़ सर्किल ।
भावनगर रेंज, भावनगर	1. भावनगर सर्किल । 2. सुरेन्द्रनगर सर्किल । 3. पोरबन्दर सर्किल । 4. अमरेली सर्किल ।
जामनगर रेंज, जामनगर	1. जामनगर सर्किल । 2. भुज सर्किल ।

जहां इस अधिसूचना द्वारा कोई आयकर सर्किल, वार्ड और जिला या उसका कोई भाग एक रेंज से दूसरे रेंज में अन्तरित हो गया हो, वहां उस आयकर सर्किल, वार्ड या जिले या उसके किसी भाग में निर्धारिणों के परिणाम स्वरूप की गई अपीलें जो इस अधिसूचना की तारीख से ठीक पहले उस रेंज के सहायक आयुक्त (अपील) के समक्ष लम्बित थी, जिससे वह आयकर सर्किल, वार्ड या जिला उसका कोई भाग अन्तरित कर दिया गया है, इस अधिसूचना के प्रभावी होने की तारीख से उस रेंज के, जिसको उक्त सर्किल, वार्ड या जिला या उसका कोई भाग अन्तरित कर दिया गया है, सहायक आयुक्त (अपील) को अन्तरित कर दी जाएंगी और उनके सम्बन्ध में कार्यवाही उस सहायक आयुक्त (अपील) द्वारा की जायेगी।

यह अधिसूचना 1 दिसम्बर, 1970 से प्रभावी होगी।

स्पष्टीकारक टिप्पण :

यह संशोधन सहायक आयकर आयुक्तों (अपील) के बीच कार्य का पुनरावंटन के कारण आवश्यक हो गया है।

(उपरोक्त टिप्पण अधिसूचना का अंग नहीं है बल्कि इसका आशय स्पष्टीकरण मात्र है)

[सं० 193 (261/1/70—आई० टी जे०)]

S. O. 552—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 122 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) and of all other powers enabling it in that behalf and in supersession of all the previous notifications in this regard the Central Board of Direct Taxes hereby makes the following amendment to the Notification No. 101 F. No. 261/1/70 ITJ, dated 15-6-1970.

For the existing entries in column 2 of the Schedule appended to the above mentioned Notification against Appellate Assistant Commissioner Ludhiana and Appellate, Assistant, Commissioner, Patiala the under mentioned entries shall be substituted:

SCHEDULE

Range	Income-tax Circles, Wards and Districts
1	2
Ludhiana	1. All Income-tax Circles, Wards or Districts having head-quarters at:— (i) Ludhiana (Except Districts I (9), I (10), I(11) and I (12), Ludhiana. (ii) Gurdaspur. (iii) Batala. (iv) Moga. (v) Ferozepur. (vi) Abohar. 2. Special Survey Circle, Amritsar (in respect of persons who have their principal place of business in or reside in the jurisdiction of Income-tax Officer, Ludhiana [Except Districts I (9), I(10), I(11) and I(12), Ludhiana). Gurdaspur, Batala, Moga, Ferozpur and Abohar]. 3. Salary, Circle, Jullundur (in respect of persons who have their principal place of business in or reside in the jurisdiction of Income-tax Officers, Ludhiana (Except Districts I (9), I(10), I(11) and I (12), Ludhiana). Gurdaspur, Batala, Moga, Ferozepur and Abohar].
Patiala. . . .	1. All Income-tax Circles, Wards or Districts having head-quarters at:— (i) Chandigarh, (ii) Patiala, (iii) Sangrur, (iv) Malerkotla, (v) Barnala, (vi) Bhatinda, (vii) Khanna, (viii) Districts. I(9), I(10), I(11) and I (12), Ludhiana. 2. Special Survey Circle. Patiala (in respect of persons who have their principal place of business in or reside in the jurisdiction of the Income-tax Officers, Chandigarh, Patiala, Sangrur, malerkotla Barnala and Bhatinda). 3. Special Survey Circle, Anritsar (in respect of persons who have their principal place of business in or reside in the jurisdiction of Income-tax Officers, Kharrard District I(9), I(10), I(11) and I(12), Ludhiana). 4. Salary Circle, Jullundur in respect of persons who have their principal place of business in or reside in the jusisdiction of Income-tax Officers, Chandigarh, Patiala, Sangrur, Malerkotla Barnala, Bhatinda, Khanna and Districts. I(9), I(10) I (11) and I(12), Ludhiana].

This amendment shall take effect from 2-12-1970.

Explanatory Note

The amendment has become necessary on account of reallocation of work amongst the Appellate Assistant Commissioners of Income-tax.

(The above note does not form a part of the notification but is intended to be merely clarificatory.

[No. 194 F.No. 261/1 70-ITJ] Dated : 5th December, 1970

Sd/- Y. SINGH, Under Secy.

एस० ओ० 552.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 122 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों और इस निमित्त उसे समर्थ बनाने वाली अन्य सभी शक्तियों का प्रयोग करते हुए और इस बाबत सभी पूर्वतन अधिसूचनाओं को अधिक्रांत करते हुए केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड एतद्द्वारा अधिसूचना संख्या 101(फा० सं० 261/1/70—आई० टी० जे०), तारीख 15-6-1970 में निम्नलिखित संशोधन करता है ।

उपरोक्त वर्णित अधिसूचना से संलग्न अनुसूची के स्तम्भ 2 में विद्यमान प्रविष्टियों के स्थान पर, सहायक आयुक्त (अपील), लुधियाना और सहायक आयुक्त (अपील), पटियाला के सामने निम्नवर्णित प्रविष्टियां प्रतिस्थापित की जायेंगी :

अनुसूची

रेंज	आयकर सर्किल, वार्ड और जिले
1	2
लुधियाना	1. सभी आयकर सर्किल, वार्ड और जिले जिनके मुख्यालय :— (i) लुधियाना [जिला I(9), I(10), I(11) और I(12) लुधियाना के सिवाय] (ii) गुरदासपुर (iii) बटाला (iv) मोगा (v) फिरोजपुर (vi) अबोहर में हैं । 2. विशेष सर्वेक्षण सर्किल अमृतसर (उन व्यक्तियों की बाबत जिनका आयकर अधिकारी, लुधियाना [जिला I(9), I(10), I(11), और I(12) लुधियाना के सिवाय] गुरदासपुर, बटाला, मोगा, फिरोजपुर और अबोहर की अधिकारिता में कारबार का मुख्य स्थान है या जो निवास करते हैं ।] 3. वेतन सर्किल जालंधर (उन व्यक्तियों की बाबत जिनका आयकर अधिकारी लुधियाना [जिला I(9), I(10), I(11) और I(12) लुधियाना के सिवाय], गुरदासपुर, बटाला, मोगा, फिरोजपुर और अबोहर की अधिकारिता में कारबार का मुख्य स्थान है या जो निवास करते हैं ।)
पटियाला	1. सभी आयकर सर्किल, वार्ड और जिले जिनके मुख्यालय :— (i) चंडीगढ़ (ii) पटियाला (iii) मलेर कोटला (iv) संगरूर (v) बरनाला (vi) भटिन्डा

1	2
(vii) खन्ना	
	(8) जिला I(9) I(10) I (11) और I (12) लुधियाना ।
2. विशेष सर्वेक्षण सर्किल पटियाला (उन व्यक्तियों की बाबत जिनका आयकर अधिकारी चण्डीगढ़, पटियाला, संगरूर, मलेर कोटला और भटिन्डा की अधिकारिता में कारबार का मुख्यस्थान है या जो निवास करते है)	
3. विशेष सर्वेक्षण सर्किल अमृतसर (उन व्यक्तियों की बाबत जिनका आयकर अधिकारी खन्ना और जिला I(9) (10) (11) और (12) लुधियाना में कारबार का मुख्य स्थान है या जो निवास करते हैं) ।	
4. वेतन सर्किल जलन्धर (उन व्यक्तियों की बाबत जिनका आयकर अधिकारी चण्डीगढ़, पटियाला, संगरूर, मलेर कोटला, बरनाला, भटिन्डा, खन्ना और जिले (9) I(10) I(11) और I(12) लुधियाना में कारबार का मुख्य स्थान है या जो निवास करते हों) ।	

यह अधिसूचना 2-12-1970 स प्रभावी होगी ।

स्पष्टीकारक टिप्पण

यह संशोधन आयुक्तके भारसाधन में सहायक आयुक्त (अपील) के बीच कार्यभार के पुनराबंटन के कारण आवश्यक हो गया है ।

(उपरोक्त टिप्पण अधिसूचना का भाग नही है बल्कि इसका आशय स्पष्टीकरण मात्र है) ।

[सं० 194-फा० सं० 261/1/70 आई० टी० जे०]

योगेन्द्र सिंह, अवर सचिव ।

MINISTRY OF FOREIGN TRADE

New Delhi, the 6th January 1971

S.O. 553.—In exercise of the powers conferred by section 7 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), the Central Government hereby recognises Messrs. Mysodet Private Ltd., 16/1, Residency Road, Bangalore-25 as the agency for quality control and inspection of de-oiled rice bran prior to their export and directs that the following further amendment shall be made in the notification of the Government of India in the late Ministry of Commerce No. S.O. 3608, dated the 16th November, 1965 read with the notification of the Government of India in the late Ministry of Commerce No. S.O. 2538 dated the 12th July, 1968, namely:—

In the Notification No. S.O. 3608, for the serial number 2 and the entries relating thereto the following shall be substituted namely:—

"2. Messrs. Mysodet Private Limited, 16/1, Residency Road, Bangalore-25."

[No. 60(3)/Exp.Insp./67.]

M. K. B. BHATNAGAR,
Deputy Director (Export Promotion).

विदेश व्यापार मंत्रालय

नई दिल्ली, 6 जनवरी, 1971

का० आ० 553.—निर्यात (गुण नियन्त्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 7 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा मैसर्स मैसोडेट प्राइवेट लि० 16/1 रेजिडेन्सी रोड बंगलौर–25 को नितलेकृत चावल की भूसी का उसके निर्यात से पूर्व गुण नियन्त्रण और निरीक्षण करने के लिए अभिकरण के रूप में मान्यता देती है और निदेश देती है कि भारत सरकार के भूतपूर्व वाणिज्य मंत्रालय की अधिसूचना सं० का० आ० 2538 तारीख 12 जुलाई 1968 के साथ पठित भारत सरकार के भूतपूर्व वाणिज्य मंत्रालय की अधिसूचना सं० का० आ० 3608 तारीख 16 नवम्बर 1965 में और आगे निम्नलिखित संशोधन किए जायेंगे अर्थात् :—

अधिसूचना सं० का० आ० 3608 में क्रम संख्या 2 और तत्संबंधी प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जाएगा अर्थात् :—

"2. मैसर्स मैसोडेट प्रा० लिमिटेड
16/1 रेजीडेन्सी रोड बंगलौर–25"

[स० 60(3)/नि० नि०/67]

एम० के० बी० भटनागर,
उप-निदेशक (निर्यात प्रोन्नति)।

(Office of the Jt. Chief Controller of Imports and Exports)

(Central Licensing Area)

ORDER

New Delhi, the 28th September 1970

S.O. 554.—M/s. Jaytee Chemical Works, Village Jawala Heri, Shakurbasti, Delhi, were granted an import licence No. P/S/1617880/C/XX/34/D/29-30, dated 18th March, 1970 for Rs. 999 only Rupees Nine Hundred ninety nine only, for the import of (1) Synthetic Rubber acrolynitrile Butadiene Copolymer and Polychloroprene (2) Permissible Synthetic Resins excluding items U/S No. 116(I), (II), (III)/V (3) Organic Solvents as given at S. No. 7 of List II of Appx. 28 of AM. 70 Red Book and (4) Carnauba and Montan wax. The Party have applied for grant of licence as new unit during AM. 70 Licensing period through Director of Industries, Delhi with his recommendation in terms of para 45 of GLI 32/69 and as such the party have surrendered their licence granted on regular basis.

(2) In exercise of the powers conferred on me under clause 9(cc) Imports (Control) Order, 1955 dated 7th, December, 1955 as amended uptodate, I order cancellation of Customs Purpose Copy and Exchange Control Purposes Copy of Licence No. P/S/1617880, dated 19th March, 1970.

[No. N.P./J-15/DEL-AM.70/AU. UT.CLA.]

A. L. BHALLA,
Deputy Chief Controller of Imports and Exports,
for Jt. Chief Controller of Imports and Exports.

(संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात का कार्यालय)

(केन्द्रीय लाइसेंसिंग क्षेत्र)

आदेश

नई दिल्ली, 28 सितम्बर, 1970

एस० ओ० 554.—सर्वश्री जयती कैमीकल वर्क्स, गांव ज्वालाहेड़ी, शकूरबस्ती, देहली को (1) संशिलष्ट रबर एक्रोलाइनिटराइल ब्यूटाडाईन कौपोलाइमर पालाइक्लोरोप्रीन, (2) अनुज्ञेय संशिलष्ट रेजिन, क्रम संख्या 116 (i), (ii), (iii),/5 के अन्तर्गत आने वाली मदों को छोड़कर (3) कार्बनिक बिलायक जैसाकि अप्रैल-मार्च 70 के रैड बुक के परिशिष्ट 28 की सूची-2 की क्रम संख्या 7 पर दिए गए हैं; और (4) कारनाबा तथा मान्टन वैक्स के आयात के लिये 999/–रुपये (केवल नौ सो निन्यानवे रुपये का) आयात लाइसस संख्या पी/एक्स/1617880/सी/एक्स/एक्स/डी/29–30, दिनांक 18–3–1970 जारी किया गया था। पार्टी ने उद्योग निदेशक, दिल्ली के माध्यम से, सामान्य लाइसेंस अनुदेश 32/69 की कंडिका 45 के अनुसार उसकी सिफारिशों के साथ, अप्रैल-मार्च 70 अवधि के दौरान नई एकक के रूप में लाइसेंस स्वीकृति के लिये आवेदन किया है तथा ऐसा करते हुए पार्टी ने उसको नियमित आधार पर प्रदान किया गया लाइसेंस समर्पित कर दिया है।

2. अद्यतन संशोधित आयात (नियंत्रण) आदेश, 1955, दिनांक 7–12–55 की धारा 9 (सी सी) के अन्तर्गत दिए गए अधिकारों का प्रयोग करते हुए मैं लाइसेंस संख्या पी/एस/1617880, दिनांक 19–3–1970 की सीमाशुल्क कार्य संबंधी प्रति तथा मुद्रा विनिमय नियंत्रण संबंधी प्रति को रद्द करने का आदेश देता हूं।

[सं० एन०पी/जे-15/डीईएल, एएम 70/एयू० यूटी०, सीएलए]

ए० एल० भल्ला,

उप-मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात,

कृते संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात।

(Office of the Jt. Chief Controller of Imports and Exports)

(Central Licensing Area)

CANCELLATION ORDERS

New Delhi, the 22nd October 1970

S.O. 555.—M/s. Jay Kay Engineering Works, Industrial Area, Jullundur were granted import licence No. P/L2601513 dated 26th August, 1969 for Rs. 2432. They have applied for duplicate copy of licence (Custom Purpose Copy) on the ground that original copy there of has been misplaced without having been registered at any port.

In support of this contention the applicant has filed an affidavit. I am satisfied that the original custom copy of licence has been lost/misplaced and direct that duplicate copies thereof should be issued to the applicant for Rs. 2432. The original Customs Purposes/copy of licence No. P/L/2601513/C 26th August, 1969 is cancelled.

[No. F.Engg.24/A.J.69/SC-1/CLA.]

(संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात का कार्यालय)

(केन्द्रीय लाइसेंसिंग क्षेत्र)

आदेश

नई दिल्ली, 22 अक्तूबर, 1970

एस० ओ० 555.—सर्वश्री जैय० के० इंजीनियरिंग वर्क्स, इंडस्ट्रीयल एरिया, जालंधर सिटि को 2432 रुपये का आयात लाइसेंस सं० पी/एल/2601513 दिनांक 26-8-69 स्वीकृत किया गया था। उन्होंने उक्त लाइसेंस की अनुलिपि (सीमा-शुल्क कार्य संबंधी प्रति) के लिये इस आधार पर अनुरोध किया है कि मूल प्रति बिना किसी पत्तन के पास पंजीकृत कराए अनस्थानस्थ हो गई है।

इस तर्क के समर्थन में आवेदक ने एक शपथ पत्र जमा किया है। मैं इससे संतुष्ट हूं कि लाइसेंस की मूल सीमा-शुल्क कार्य संबंधी प्रति अस्थानस्थ हो गई है और निदेश देता हूं कि आवेदक को 2432 रुपये के लिये अनुलिपि सीमा-शुल्क कार्य संबंधी जारी की जानी चाहिये। लाइसेंस सं० पी/एल/2601513/सी दिनांक 26-8-69 की मूल सीमा-शुल्क कार्य संबंधी प्रति रद्द की जाती है।

[संख्या इंजी० 24/ए जे 69/एस सी-1/सीएल ए]

S.O. 556.—M/s. Jay Kay Engineering Works, Industrial Area, Jullundur City were granted export licence No P/L/2601509 dated 23rd August, 1969 for Rs. 675. They have applied for duplicate copy of Custom Purposes copy of licence on the ground that original copy thereof has been misplaced without having been registered at any port.

In support of this contention the applicant has filed an affidavit. I am satisfied that the original copy of Custom Purposes copy of licence has been misplaced and direct that duplicate copy thereof should be issued to the applicant for Rs. 675. The original copy of licence No. P/L/2601509 dated 23rd August, 1969 is cancelled.

[No. F.Engg.44/O.D.68/SC-I/CLA.]

D. S. MORKRIMA, Dy. Chief Controller,
of Imports and Exports,
for Jt. Chief Controller.

एस० ओ० 556 सर्वश्री जेय० के० इंजीनियरिंग वर्क्स इन्डस्ट्रीयल एरिया जालन्धर सिटी को 675/-रुपये का निर्यात लाइसस संख्या पी/एल/2601509 दिनांक 23-8-69 स्वीकृत किया गया था। उन्होंने उक्त लाइसेंस की अनुलिपि सीमा-शुल्क कार्य संबंधी प्रति के लिये इस आधार पर अनुरोध किया है कि मूल प्रति बिना किसी पत्तन के पास पंजीकृत कराए अस्थानस्थ हो गई है।

इस तर्क के समर्थन में आवेदक ने एक शपथ पत्र जमा किया है। मैं इससे संतुष्ट हूं कि लाइसेंस की मूल सीमाशुल्क कार्य संबंधी प्रतिअस्थानस्थ हो गई है और निदेश देता हूं कि आवेदक को 675/-रुपये के लिये अनुलिपि प्रति जारी की जानी चाहिये। लाइसेंस संख्या पी/एल/2601509 दिनांक 23-8-69 की मूल प्रति रद्द की जाती है।

[सं० इजी० 44/ओ० डी० 68/एस० सी/सी०एल०ए०]

डी० एस० मोरक्रीमा,

उप-मुख्य नियंत्रक आयात-निर्यात,

कृते संयुक्त मुख्य नियंत्रक आयात-निर्यात।

(Office of the Chief Controller of Imports and Exports)

ORDER

New Delhi, the 4th January 1971

S.O. 557.—M/s. Tata Engg. & Locomotive Co. Ltd., 24, Bruce Street, Bombay were granted licence No. P/D/2168071 dated 18th March, 1969 from West Germany for import of Spare Parts for Industrial shunters valued at Rs. 2,68,000. They have requested for the issue of duplicate Customs Copy of the licence on the ground that the original Customs Copy of the licence has been lost by them. The licence has been registered with Collector of Customs, Calcutta and without having been utilised at all.

2. In support of their contention the applicant have filed affidavit. The undersigned is satisfied that the original Customs copy of the licence mentioned above has been lost. The original Customs copy mentioned above is cancelled.

[No. F.Auto-11(1)/AM-70/RM-4.]

G. D. BAHL,

Dy. Chief Controller of Imports & Exports,

for Chief Controller of Imports & Exports.

(मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात का कार्यालय)

आदेश

नई दिल्ली, 4 जनवरी, 1971

एस० ओ० 557.—सर्वश्री टाटा इंजीनियरिंग तथा लोकोमोटिव कं० 24 ब्रूस स्ट्रीट बम्बई को पश्चिमी जर्मनी से औद्योगिक शंटरों के फालतू पुर्जों के आयात के लिये 2, 68,000 रुपये का आयात लाइसेंस सं० पी।डी।2168071 दिनांक 18–3–69 स्वीकृत किया गया था। उन्होंने उक्त लाइसेंस की अनुलिपि सीमा-शुल्क कार्य संबंधी प्रति के लिये इस आधार पर अनुरोध किया है कि मूल सीमा-शुल्क कार्य संबंधी प्रति खो गई है। लाइसेंस सीमा-शुल्क समाहर्ता कलकत्ता के पास पंजीकृत किया गया था और उसका उपयोग बिल्कुल नहीं किया गया था।

2. अपने तर्क के समर्थन में आवेदक ने एक शपथ-पत्र जमा किया है। अधोहस्ताक्षरी इससे संतुष्ट हूं कि उपर्युक्त लाइसेंस की मूल सीमा-शुल्क कार्य संबंधी प्रति खो गई है। उपर्युक्त लाइसेंस की मूल सीमा-शुल्क कार्य संबंधी प्रति रद्द की जाती है।

[संख्या : आटो०–11(1)/ए०एम०–70/आर०एम०–4]

जी० डी० बहल,

उप-मुख्य नियंत्रक आयात-निर्यात

कृते मुख्य नियंत्रक आयात-निर्यात।

(Office of the Chief Controller of Imports and Exports)

ORDER

New Delhi, the 6th January 1971

S.O. 558.—M/s. Union Carbide India Ltd., Division: Carbide Chemicals Company, 5, Parliament Street, New Delhi, were granted a licence No. P/D/2180070 dated 12th June, 1970 for import of spares for the Machine of Polythylene and Plastic industry from U.S.A. They have applied for issue of a duplicate Exchange Control Copy on the ground that the original has been misplaced/lost/having been registered with Customs Bombay authority and utilised to the extent of Rs. 51,795 (approximately).

2. In support of this contention M/s. Union Carbide India Ltd., Div ... Chemicals Company, 5, Parliament Street, New Delhi, have produced ... davit. The undersigned is satisfied that the original Exchange Copy has be ... lost/misplaced. Therefore, in exercise of the power conferred under Clause 9(C) of the Import Control Order, 1955 dated 7th December, 1955 as amended, the original Exchange Control Copy is hereby cancelled.

3. A duplicate copy of Exchange Control purposes permit is being issued separately.

[No. Plastics/561/67-68/RM.6.]

SARDUL SINGH,
Dy. Chief Controller of Imports & Exports.

(मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात का कार्यालय)

आदेश

नई दिल्ली, 6 जनवरी, 1971

एस० ओ० 558.—सर्वश्री यूनियन कार्बाईड इंडिया लि०, डिवीजन, कार्बाईड केमिकल्स कं० 5, पार्लियामेंट स्ट्रीट नई दिल्ली को संयुक्त राज्य अमरीका से पौलिथिलीन तथा प्लास्टिक की मशीन के पुर्जों के आयात के लिये आयात लाइसेंस स० पी/डी/2180070 दिनांक 12-7-70 स्वीकृत किया गया था। उन्होंने अनुलिपि मुद्रा-विनियम नियंत्रण प्रति के लिये इस आधार पर आवेदन किया है कि मूल प्रति सीमा-शुल्क प्राधिकारी बम्बई के पास पंजीकृत कराने के पश्चात और 51,795 रुपये तक का (लगभग) प्रयोग करने के पश्चात खो गई है/अस्थानस्थ हो गई है।

2. इस तर्क के समर्थन में सर्वश्री यूनियन कार्बाईड इंडिया लि०, डिवीजन : कार्बाईड केमिकल्ज कं० 5, पार्लियामेंट स्ट्रीट नई दिल्ली ने एक शपथ-पत्र जमा किया है। अधोहस्ताक्षरी इससे संतुष्ट है कि मूल मुद्रा विनिमय प्रति खो गई है / अस्थानस्थ हो गई है इसलिय यथा संशोधन, आयात नियंत्रण आदेश, 1955 दिनांक 7-12-1955 की धारा 9 (सी) के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग कर एतद्द्वारा मूल मुद्रा-विनिमय नियंत्रण प्रति रद्द की जाती है।

3. मुद्रा-विनिमय नियंत्रण प्रति की अनुलिपि प्रति अलग से जारी की जा रही है।

[संख्या प्लास्टिक/561/67-68/आर एम-6]

सरदूल सिंह,
उप-मुख्य नियंत्रक आयात-निर्यात

MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING

ORDER

New Delhi, the 11th January 1971

S.O. 559.—In pursuance of the directions issued under the provisions of the enactments specified in the First Schedule annexed hereto the Central Government after considering the recommendations of the Film Advisory Board, Bombay hereby approves the film specified in column 2 of the Second Schedule annexed hereto in all its language versions to be of the description specified against it column 6 of the said Second Schedule.

THE FIRST SCHEDULE

(1) Sub-Section (4) of the Section 12 and Section 16 of the Cinematograph Act, 1952 (Central Act XXXVII of 1952).

(2) Sub-Section (3) of Section 5 and Section 9 of the Bombay Cinemas (Regulation) Act, 1953 (Bombay Act XI of 1953).

THE SECOND SCHEDULE

S. No.	Title of the Film	Length 35mm	Name of the Applicant	Name of the Producer	Whether a scientific film or a film intended for educational purposes or a film dealing with news and current events or a documentary film
1	2	3	4	5	6
1	Maharashtra News No. 223.	296·00M	Director of Publicity, Govt. of Maharashtra, Film Centre, 68 Tardeo Road, Bombay-34.		Film dealing with news and current events (For release in Maharashtra Circuit only).

[No. F. 28/1/70-FP. App. 1542.]

K. K. KHAN, Under Secy.

सूचना तथा प्रसारण मंत्रालय

आदेश

नई दिल्ली, 11 जनवरी 1971

एस० ओ० 559.—इसके साथ लगी प्रथम अनुसूची में निर्धारित प्रत्येक अधिनियम के उपबन्ध के अन्तर्गत जारी किये गये निदेशों के अनुसार, केन्द्रीय सरकार, फिल्म सलाहकार बोर्ड, बम्बई की सिफारिशों पर विचार करने के बाद एतदद्वारा, इसके साथ लगी द्वितीय अनुसूची के कालम 2 में दी गई फिल्म को उसके सभी भाषाओं के रुपान्तरों सहित जिसका विवरण उसके सामने उक्त द्वितीय अनुसूची के कालम 6 में दिया हुआ है, स्वीकृत करती है :—

प्रथम अनुसूची

(1) चलचित्र अधिनियम, 1952 (1952 का केन्द्रीय अधिनियम) की धारा 12 की उपधारा (4) तथा धारा 16।

(2) बम्बई सिनेमा (विनियम) अधिनियम 1953 (1953 का 11 वां बम्बई) अधिनियम की धारा 5 की उपधारा (3) तथा धारा 9।

द्वितीय अनुसूची

क्रम संख्या	फिल्म का नाम	लम्बाई 35 मि० मी०	आवेदक का नाम	निर्माता का नाम	क्या वैज्ञानिक फिल्म है या शिक्षा संबंधी फिल्म है या समाचार और सामयिक घटनाओं की फिल्म है या डाकुमैन्ट्री फिल्म है।
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
1	महाराष्ट्र समाचार संख्या 223	296.00 मीटर	प्रचार निदेशक, महाराष्ट्र सरकार, फिल्म सेन्टर, 68—तारदेव रोड, बंबई-34		समाचार और सामयिक घटनाओं की फिल्म (केवल महाराष्ट्र सर्किट के लिये)

[सं० फ० 28/1/70—एफ पी० परिशिष्ट 1542]

क० क० खान, अवर सचिव।

MINISTRY OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT AND INTERNAL TRADE

(Department of Internal Trade)

(TRADE AND MERCHANDISE MARKS)

New Delhi, the 11th January 1971

S.O. 569.—The following draft of certain rules further to amend the Trade and Merchandise Marks Rules, 1959 which the Central Government proposes to make in exercise of the powers conferred by section 133 of the Trade and Merchandise Marks Act, 1958 (43 of 1958), is hereby published as required by sub-section (1) of the said section, for the information of all persons likely to be affected thereby, and notice is hereby given that the said draft will be taken into consideration by the Central Government on or after the 10th March, 1971.

Any objections or suggestions which may be received from any person in respect of the said draft before the date so specified will be considered by the Central Government.

Draft Amendments

1. These rules may be called the Trade and Merchandise Marks (Amendment) Rules, 1970.
2. In the Trade and Merchandise Marks Rules, 1959 (hereinafter referred to as the said rules), for the First Schedule, the following Schedule shall be substituted, namely:—

THE FIRST SCHEDULE

(*See* rule 11)

Fees

Number of entry	On what payable	Amount	Corresponding form number
1	2	3	4
		Rs. P.	
1.	On application not otherwise charged to register a trade mark for a specification of goods included in one class (section 18)	40·00	TM-1 or TM-2
2.	On application to register a series of trade marks under section 15 for a specification of goods included in one class	40·00	TM-1 or TM-2
3.	On application to register a defensive trade mark under section 47 for a specification of goods included in one class	40·00	TM-3
4.	On application under section 62 to register a certification trade mark for a specification of goods included in one class	40·00	TM-4
5.	On application made at the same time under section 62 to register one certification trade mark for specifications of goods not all included in one class—in respect of every class	40·00	TM-4
6.	On application to register a textile mark, other than a certification trade mark, consisting of numerals or letters or any combination thereof in one class for a specification of goods not included in any of the items of the Fifth Schedule	40·00	TM-52
7.	On application to register a textile mark, other than a certification trade mark, consisting exclusively of a word or words (not being an invented word or invented words) in one class	40·00	TM-51

2	3	4
	Rs. P.	
8. On application to register a textile mark, other than a certification trade mark, consisting exclusively of numerals or letters or any combination thereof for a specification of goods included in one item under rule 140	40·00	TM-53
9. On a request under rule 41(1) to state grounds of decision	20·00	TM-15
10. On a notice opposition under section 21(1) for each application opposed	50·00	TM-5
11. On applicaation for extension of time for filing notice of opposition under section 21(1)	10·00	TM-44
12. On a counter-statement in answer to a notice of opposition under section 21, for each application opposed, or in answer to an application under any of the sections 46, 47(4) and 56 in respect of each trade mark, or in answer to notices of opposition under section 58 or rule 105 for each application or conversion opposed .	30·00	TM-6
13. On notice of intention to attend hearing under any of the section 21, 46, 47(4), 56 and 58 or under rule 105 by each party to the proceeding concerned . . .	30·00	TM-7
14. On notice of opposition before the Central Government under section 64(3) for each application opposed .	80·00	TM-8
15. On a counter-statement in answer to a notice of opposition before the Central Government under section 64(3) for each application opposed	40·00	TM-9
16. On notice of intention to attend hearing of each opposition before the Central Government under section 64(3) by applicant and by opponent respectively .	30·00	TM-10
17. For one registration of a trade mark not otherwise charged for a specification of goods included in one class	90·00	TM-11
18. For one registration of a series of trade marks under section 15 for a specification of goods included in one class—		
For the first mark	90·00	TM-11
For every additional mark of the series . .	10·00	
19. For one registration of a textile mark, other than a certification trade mark, consisting exclusively of letters or numerals or any combination thereof for a specification of goods not included in any one of the items of the Fifth Schedule	90·00	TM-11
20. For one registration of a textile mark, other than a certification trade mark, consisting exclusively of a word or words (not being an invented word or invented words) for a specification of goods included in one class	90·00	TM-11
21. For one registration of a textile mark, other than a certification trade mark, consisting exclusively of letters or numerals or any combination thereof for a specification of goods included in any one item of the Fifth Schedule	90·00	TM-11

1	2	3	4
		Rs. P.	
22.	For registration under section 62 of a certification trade mark for a specification of goods included in one class	90·00	TM-11
23.	For registeration upon applications made at the same time of one certification trade mark, under section 62 for specifications of goods not all included in one class—in respect of every class	90·00	TM-11
24.	For one registration of a defensive trade mark under section 47 for a specification of goods included in one class	90·00	TM-11
25.	For each addition to the registered entry of a trade mark of a note that the mark is associated with a newly registered mark	10·00	TM-11
26.	On application under section 16(4) to dissolve the association between registered trade marks . . .	20·00	TM-14
27.	For renewal under section 25 of the registration of a trade mark at the expiration of the last registration not otherwise charged	100·00	TM-12
28.	For renewal under section 25 of the registration of a series of trade marks at the expiration of the last registration—		
	For the first mark of the series . . .	100·00	TM-12
	For every additional mark of the series . .	10·00	
29.	For renewal under section 25 of the registration of the same certification trade mark with the same date for goods in more than one class—in respect of every class	100·00	TM-12
30.	On application under section 25(4) for restoration of a trade mark removed from the Register . . .	30·00 (Plus renewal fee as prescribed in any of the entries Nos. 27, 28 and 29 above).	TM-13
31.	On application for certificate of the Registrar under section 39(2)—		
	For the first mark proposed to be assigned . .	60·00	TM-17
	For every additional mark of the same proprietor included in that assignment	10·00	
32.	On application for approval of the Registrar under section 40—		
	For the first mark	60·00	TM-19
	For every additional mark of the same proprietor included in the same transfer	10·00	
33.	On application under section 41 for directions of the Registrar for advertisement of assignment without good will of trade marks in use—		
	For the first mark assigned	30·00	TM-20
	For every additional mark assigned with the same devolution of title	10·00	

1	2	3	4
		Rs. P.	
34.	On application for extension of time for applying for directions under section 41 for advertisement of assignment without goodwill of trade mark in use in respect of one devolution of title—		
	Not exceeding one month	20·00	TM-21
	Not exceeding two months	40·00	
	Not exceeding three months	60·00	
	On application under section 42 for consent of the Central Government to the assignment or transmission of a certification trade mark	40·00	TM-22
36.	On application under section 44 to register a subsequent proprietor in a case of assignment or transmission of a single trade mark—		
	If made within six months from the date of acquisition of proprietorship	30·00	TM-23 or TM-24
	If made after expiration of six months but before 12 months from the date of acquisition of proprietorship	60·00	TM-23 or TM-24
	If made after 12 months from the date of acquisition of proprietorship	100·00	TM-23 or TM-24
37.	On application under section 44 to register a subsequent proprietor of more than one trade mark registered in the same name, the devolution of title being the same in each case—		
	If made within six months from the date of acquisition of proprietorship—		
	For the first mark	30·00	TM-23 or TM-24
	For every additional mark	10·00	
	If made after expiration of six months but before 12 months from the date of acquisition of proprietorship—		
	For the first mark	60·00	TM-23 or TM-24
	For every additional mark	10·00	
	If made after expiration of 12 months from the date of acquisition of proprietorship—		
	For the first mark	100·00	TM-23 or TM-24
	For every additional mark	10·00	
38.	On application under section 45(3) for extension of time for registering a company as subsequent proprietor of trade marks on one assignment—		
	Not exceeding two months	20·00	TM-25
	Not exceeding four months	40·00	
	Not exceeding six months	60·00	

1	2	3	4
		Rs. P.	
39.	On application under any of the sections 46, 47(4) and 56 for rectification of the register or removal of trade mark from the register	60·00	TM-26
40.	On application under rule 96 for leave to intervene in proceedings under any of the sections 46, 47(4) and 56 for rectification of the register or removal of trade mark from the register	30·00	TM-27
41.	On application under section 49 to register a registered user of a registered trade mark in respect of goods within the specification thereof	500·00	TM-28
42.	On application under section 49 to register the same registered user of more than one registered trade mark of the same registered proprietor, where all the trade marks have been entered in the register as associated trade marks, in respect of goods within the respective specifications thereof and subject to the same conditions and restrictions in each case—		
	For the first mark	500·00	TM-28
	For every additional mark of the proprietor included in the application	100·00	
43.	On application under clause (*a*) of section 52(1) to vary the entry of a registered user of one trade mark . .	100·00	TM-29
	Where the trade marks are entered in the register as associated trade marks and the same registered user is registered in respect of each of them—		
	For the first mark	100·00	
	For every additional mark included in the application	50·00	
44.	On application under clause (*b*) of section 52(1) for cancellation of the entry of a registered user of one trade mark	40·00	TM-30
	Where the marks are entered in the register as associated trade marks—		
	For the first mark	40·00	
	For every additional mark included in the application	10·00	
45.	On application under clause (*c*) or (*d*) of section 52(1) to cancel the entry of a registered user of one trade mark	40·00	TM-31
	Where the marks are entered in the register as associated trade marks—		
	For the first mark	40·00	
	For every additional mark included in the application	10·00	
46.	On notice under rule 92(2) of intention to intervene in one proceeding for the variation or cancellation of entries of a registered user of a trade mark . .	30·00	TM-32

1	2	3	4
		Rs. P.	
47.	On application under section 57 to change the name or description of a registered proprietor or a regristered user of a trade mark where there has been no change in the proprietorship or in the identity of the registered user (except where the application is made as a result of an order of a public authority or in consequence of a statutory requirement)	20·00	TM-33
	Where the marks are entered in the register as associated trade marks—		
	For the first mark	20·00	
	For every additional mark included in the application	10·00	
48.	On application under section 57 to alter an entry of the address of a registered proprietor or a registered user of a trade mark unless exempted from fee under rule 98-(3)	20·00	TM-34
	Where the marks are entered in the register as associated trade marks and where the address in each case is the same and is altered in the same way—		
	For the first entry	20·00	
	For every other entry included in the application.	10·00	
49.	On application to make an entry of an address for service in India of a registered proprietor or a registered user of a trade mark	20·00	TM-50
	Where the marks are entered in the register as associated trade marks and the address for service to be entered is the same in each case—		
	For the first entry	20·00	
	For every other entry included in the application .	10·00	
50.	On application to alter or substitute an entry of an address for service in India in the register unless exempted from fee under rule 98(3)	20·00	TM-50
	Where the marks are entered in the register as associated trade marks and where the address in each case is the same and is altered or substituted in the same way—		
	For the first entry	20·00	
	For every other entry included in the application	10·00	
51.	On application under clause (*c*), (*d*) or (*e*) of section 57(1) for cancelling the entry or part of the entry of a trade mark or for entry of disclaimer or memorandum upon the register	10·00	TM-35 or TM-36 or TM-37.
52.	On application under section 58 for leave to add to or alter a registered trade mark (except where the application is made as a result of an order of a public authority or in consequence of a statutory requirement).	100·00	TM-38.

1	2	3	4
		Rs. P.	
	Where the marks are entered in the register as associated trade marks and the addition or alteration to be made in each case being the same—		
	For the first mark	100·00	
	For every other mark included in the application .	50·00	
53.	On notice of opposition under section 58(2) to an application for leave to add to or alter a registered trade mark, for each application opposed . . .	50·00	TM-39
54.	On application under section 59 for conversion of specification	20·00	TM-40
55.	On notice of opposition under section 59(2) to a conversion of the specification or specifications of a registered trade mark	50·00	TM-41
	Where the marks are entered in the register as associated trade marks and have the same specification—		
	For the first mark	50·00	
	For every additional mark included in the notice of opposition	10·00	
56.	On application under section 65 for alteration of the *deposited regulations* of a certification trade mark .	40·00	TM-42
	Where the marks are entered in the register as associated trade marks—		
	For the regulations of one registration . . .	40·00	
	For the same or substantially same regulations of each additional registration proposed to be altered in the same way and included in the same application	10·00	
57.	On application to the Central Government under section 69 to expunge or vary the registration of a certification trade mark or to vary the deposited regulations of a certification trade mark or certification trade marks of the same registered proprietor where the regulations are substantially the same . .	60·00	TM-43
58.	For a search under rule 24(1) in respect of one class	10·00	TM-54
59.	On request for the Registrar's preliminary advice under section 103 for each trade mark submitted in respect of one class	10·00	TM-55
60.	On request for certificate of the Registrar under section 115 [other than certificate under section 23(2)]	10·00	TM-46
61.	On request for certificate of Registrar [other than certificate under section 23(2)] of the Registration of a series of trade marks under section 15.	20.00	TM-46
62.	On request for a certified copy of any entry in the register or of any document under section 125(2)	*10·00	TM-46
	*Plus typing charges of the entry or document as prescribed in entry No. 70 of this Schedule.		

1	2	3	4
		Rs. P.	
63.	On request to enter in the register and advertise a note of certificate of validity, under rule 123 in respect of one mark.	10·00	TM-47
64.	On request, not otherwise charged, for correction of clerical error or for amendment, except where the request is made as a result of an order of a public authority or in consequence of a statutory requirement.	10·00	TM-16
65.	On application for extension of time under section 101 [not being a time expressly provided in the Act or prescribed by rule 81 or by rule 82(4)] . . .	10·00	TM-56
66.	On application for review of Registrar's decision under section 97(c)	30·00	TM-57
67.	On petitions (not otherwise charged) for obtaining Registrar's orders or any interlocutory matter in a contested proceeding	20·00	
68.	On request to Registrar for particulars of advertisement of a mark under rule 50 . . .	10·00	TM-58
69.	For inspecting the documents mentioned in section 125 (1) for every hour or part thereof . . .	10·00	
70	For typing documents, for every 100 words or part thereof	00·50 (subject to a minimum of Rs. 5).	
71.	For supply of photo copies of documents.		
	For full size (16·5 cm × 21·6 cm or 15·24 cm × 25·4 cm) for the first copy	5·00	
	For each additional copy thereof . . .	4·50	
	For cabinet size (12 cm × 16·5 cm) for the first copy	3·50	
	For each additional copy thereof . . .	3·00	
72.	On a request for a duplicate or further copy of certificate	10·00	TM-59
73	For advertisement or re-advertisement of an application for registration of a trade mark under section 20 or for advertisement of an addition to or alteration of a registered trade mark under section 58. . .	10·00	
74.	For extra space in the Journal for advertisement or re-advertisement in cases where the printing block for the trade mark exceeds 5 centimetres in breadth or depth or in breadth and depth.		
	For every 2·5 centimetres or part thereof over 5 centimetres in breadth	10·00	
	For every 2·5 centimetres or part thereof over 5 centimetres in depth.	10·00	
75.	On application for registration as a trade marks agent under rule 151	20·00	TMA-1

1	2	3	4
		Rs. P.	
76	For registration of a person as a trade marks agent under rule 153	60·00	
77	For continuance of the name of a person in the Register of Trade Marks Agents under rule 154—		
	For every year (excluding the first year) to be paid on the 1st April in each year	25·00	
	For the first year to be paid along with the fee for registration, in the case of a person registered at any time between the 1st April and 30th of September.	25·00	
	In the case of a person registered at any time between the 1st of October and 31st of March following	15·00	
	N.B.—A year for this purpose will commence on the 1st day of April and end on the 31st day of March following.		
78	On application for restoration of the name of a person to the Register of Trade Marks Agents under rule 156	20·00	TMA-2 plus continuance fee under entry No. 77.
79	On application for an alternation of any entry in the Register of Trade Marks Agents under rule 157	10·00	TMA-3"

3. In the second schedule to the said rules,—

(a) in the list of forms—

(1) in the fourth column relating to Form No. TM-12, for the figures and word "27 to 30", the figures and word "27 to 29" shall be substituted ;

(2) in the fourth column relating to Form No. TM-13, for the figures "31", the figures "30" shall be substituted;

(3) in the fourth column relating to Form No. TM-16, for the figures "66", the figures "64" shall be substituted ;

(4) in the fourth column relating to Form No. TM-17, for the figures "32", the figures "31" shall be substituted ;

(5) in the fourth column relating to Form No. TM-19, for the figures "33", the figures "32" shall be substituted ;

(6) in the fourth column relating to Form No. TM-20, for the figures "34", the figures "33" shall be substituted ;

(7) in the fourth column relating to Form No. TM-21, for the figures "35", the figures "34" shall be substituted ;

(8) in the fourth column relating to Form No. TM-22, for the figures "36", the figures "35" shall be substituted ;

(9) in the fourth column relating to Form No. TM-23, for the figures "37, 38", the figures "36, 37" shall be substituted ;

(10) in the fourth column relating to Form No. TM-24 for the figures "37, 38", the figures "36, 37" shall be substituted ;

(11) in the fourth column relating to Form No. TM-25, for the figures "39", the figures "38" shall be substituted ;

(12) in the fourth column relating to Form No. TM-26, for the figures "40", the figures "39" shall be substituted ;

(13) in the fourth column relating to Form No. TM-27, for the figures "41", the figures "40" shall be substituted ;

(14) in the fourth column relating to Form No. TM-28, for the figures "42, 43", the figures "41, 42" shall be substituted ;

(15) in the fourth column relating to Form No. TM-29, for the figures "44", the figures "43" shall be substituted ;

(16) in the fourth column relating to Form No. TM-30, for the figures "45", the figures "44" shall be substituted ;

(17) in the fourth column relating to Form No. TM-31, for the figures "46", the figures "45" shall be substituted ;

(18) in the fourth column relating to Form No. TM-32, for the figures "47", the figures "46" shall be substituted ;

(19) in the fourth column relating to Form No. TM-33, for the figures "48", the figures "47" shall be substituted ;
(20) in the fourth column relating to Form No. TM-34, for the figures "49", the figures "48" shall be substituted ;
(21) in the fourth column relating to Form No. TM-35, for the figures "52", the figures "51" shall be substituted ;
(22) in the fourth column relating to Form No. TM-36, for the figures "52", the figures "51" shall be substituted ;
(23) in the fourth column relating to Form No. TM-37, for the figures "52", the figures "51" shall be substituted ;
(24) in the fourth column relating to Form No. TM-38, for the figures "53", the figures "52" shall be substituted ;
(25) in the fourth column relating to Form No. TM-39, for the figures "54", the figures "53" shall be substituted ;
(26) in the fourth column relating to Form No. TM-40, for the figures "55", the figures "54" shall be substituted ;
(27) in the fourth column relating to Form No. TM-41, for the figures "56", the figures "55" shall be substituted ;
(28) in the fourth column relating to Form No. TM-42, for the figures "57", the figures "56" shall be substituted ;
(29) in the fourth column relating to Form No. TM-43, for the figures "58", the figures "57" shall be substituted ;
(30) Form No. TM-45 shall be omitted ;
(31) in the fourth column relating to Form No. TM-46, for the figures "62, 63, 64", the figures "60, 61, 62" shall be substituted ;
(32) in the fourth column relating to Form No. TM-47, for the figures "65", the figures "63" shall be substituted ;
(33) in the fourth column relating to Form No. TM-50, for the figures "50, 51", the figures "49, 50" shall be substituted ;
(34) in the fourth column relating to Form No. TM-54, for the figures "59", the figures "58" shall be substituted ;
(35) in the fourth column relating to Form No. TM-55, for the figures "60", the figures "59" shall be substituted ;
(36) in the fourth column relating to Form No. TM-56, for the figures "67", the figures "65" shall be substituted ;
(37) in the fourth column relating to Form No. TM-57, for the figures "68", the figures "66" shall be substituted;
(38) in the fourth column relating to Form No. TM-58, for the figures "70", the figures "68" shall be substituted;
(39) in the fourth column relating to Form No. TM-59, for the figures "73", the figures "72" shall be substituted;
(40) in the fourth column relating to Form No. TMA-1, for the figures "76", the figures "75" shall be substituted;
(41) in the fourth column relating to Form No. TMA-2, for the figures "79", the figures "78" shall be substituted;
(42) in the fourth column relating to Form No. TMA-3, for the figures "80", the figures "79" shall be substituted;

(*b*) in the Forms—

"(1) in Form TM-1, and Form TM-2 for the words, letters and figures, "Fee: Rs. 30 See entries Nos. 1 and 2 of First Schedule", the word letters and figures "Fee: Rs. 40" shall be substituted;
(2) in Form TM-3, for the expression "Rs. 30", the expression "Rs. 40" shall be substituted;
(3) in Form TM-4, for the words, letters and figures "Fee: See entries Nos. 4 and 5 of the First Schedule", the word, letters and figures "Fee: Rs. 40" shall be substituted;
(4) in Form TM-5, for the expression "Rs. 30", the expression "Rs. 50" shall be substituted;
(5) in Form TM-6, for the expression "Rs. 15", the expression "Rs. 30" shall be substituted;
(6) in Form TM-7, for the expression "Rs. 20", the expression "Rs. 30" shall be substituted;
(7) in Form TM-8, for the expression "Rs. 40", the expression "Rs. 80" shall be substituted;
(8) in Form TM-9, for the expression "Rs. 20", the expression "Rs. 40" shall be substituted;
(9) in Form TM-10, for the expression "Rs. 20", the expression "Rs. 30" shall be substituted;

(10) in Form TM-12, for the words, letters, and figures " : See entries Nos. 27 to 30 o the First Schedule", the words, letters and figures "Fee: See entries Nos. 27 to 29 of the First Schedule" shall be substituted;

(11) in Form TM-13, for the words, letters and figures "Fee: Rs. 30 plus renewal fee prescribed in any of the entries Nos. 27 to 30 of the First Schedule", the words, letters and figures "Fee : Rs. 30 plus renewal fee prescribed in any of the entries No. 27 to 29 of the First Schedule" shall be substituted;

(12) in Form TM-15, for the expression "Rs. 10", the expression "Rs. 20" shall be substituted;

(13) in Form TM-17, for the expressions "Rs. 30" and "Rs. 5", the expressions "Rs. 60" and "Rs. 10" shall respectively be substituted;

(14) in Form TM-19, for the expressions "Rs. 30" and "Rs. 5", the expressions "Rs. 60" and "Rs. 10" shall respectively be substituted;

(15) in Form TM-20, for the expressions "Rs. 15" and "Rs. 5", the expressions "Rs. 30" and "Rs. 10" shall respectively be substituted;

(16) in Form TM-21, for the expression "Rs. 15, 30 or 45", the expression "Rs. 20, 40, or 60" shall be substituted;

(17) in Form TM-22, for the expression "Rs. 20", the expression "Rs. 40" shall be substituted;

(18) in Forms TM-23 and TM-24, for the words, letters and figures "Fee: See entries Nos. 37 and 38 of the First Schedule", the words, letters and figures "Fee: See entries Nos. 36 and 37 of the First Schedule" shall be substituted;

(19) in Form TM-26, for the expression "Rs. 40", the expression "Rs. 60" shall be substituted;

(20) in Form TM-27, for the expression "Rs. 20", the expression "Rs. 30" shall be substituted;

(21) in Form TM-28, for the words, letters and figures "Fee : See entries Nos. 42 and 43 of the First Schedule", the words, letters and figures "Fee : See entry Nos. 41 and 42 of the First Schedule" shall be substituted;

(22) in Form TM-29, for the words, letters and figures "Fee : See entry No. 44 of the First Schedule" the words, letters and figures "Fee : See entry No. 43 of the First Schedule", shall be substituted;

(23) in Form TM-30, for the words, letters and figures "Fee : See entry No. 45 of the First Schedule", the words, letters and figures "Fee : See entry No. 44 of the First Schedule" shall be substituted;

(24) in Form TM-31, for the words, letters and figures "Fee : See entry No. 46 of the First Schedule", the words, letters and figures "Fee : See entry No. 45 of the First Schedule" shall be substituted;

(25) in Form TM-32, for the expression "Rs. 20", the expression "Rs. 30" shall be substituted;

(26) in Form TM-33,—

(*i*) for the words, letters and figures "Fee : See entry No. 48 of the First Schedule and footnote below", the words, letters and figures "Fee : See entry No. 47 of the First Schedule and footnote below" shall be substituted;

(*ii*) in the footnote, for the expressions "Rs. 10" and "Rs. 5", the expressions "Rs. 20" and "Rs. 10" shall respectively be substituted;

(27) in Form TM-34,—

(*i*) for the words, letters and figures "Fee : See entry No. 49 of the First Schedule and footnote below", the words, letters and figures "Fee : See entry No. 48 of the First Schedule and footnote below", shall be substituted;

(*ii*) in the footnote, for the expressions "Rs. 10" and "Rs. 5", the expressions "Rs. 20" and "Rs. 10" shall respectively be substituted;

(28) in Form TM-38,—

(*i*) for the words, letters and figures, "Fee : See entry No. 53 of the First Schedule and the footnote below", the words, letters and figures "Fee : See entry No. 52 of the First Schedule and foothote below" shall be substituted;

(*ii*) in the footnote,—

(*a*) for the expression "Rs. 30", in both the places where they occur, the expression "Rs. 100" shall be substituted;

(*b*) for the expression "Rs. 10", the expression "Rs. 50" shall be substituted;

(29) in Form TM-39, for the expression "Rs. 30", the expression "Rs. 50", shall be substituted;

(30) in Form TM-40, for the expression "Rs. 10", the expression "Rs. 20" shall be substituted;

(31) in Form TM-41, for the words, letters, and figures "Fee : See entry No. 56 of the First Schedule", the words, letters and figures "Fee : See entry No. 55 of the First Schedule" shall be substituted;

(32) in Form TM-42, for the words, letters and figures "Fee : See entry No. 57 of the First Schedule", the words, letters and figures "Fee : See entry No. 56 of the First Schedule" shall be substituted;

(33) in Form TM-43, for the expression "Rs. 40", the expression "Rs. 60" shall be substituted;

(34) Form TM-45 shall be omitted;

(35) in Form TM-46, for the words, letters and figures "Fee : See entries Nos. 62, 63 and 64 of the First Schedule", the words, letters and figures "Fee : See entries Nos. 60, 61 and 62 of the First Schedule" shall be substituted;

(36) in Form TM-50, for the words, letters and figures "Fee : See entries Nos. 50 and 51 of the First Schedule", the words, letters and figures "Fee : See entries Nos. 49 and 50 of the First Schedule" shall be substituted;

(37) in Form TM-51, Form TM-52 and Form TM-53, for the expression "Rs. 30", the expression "Rs. 40" shall be substituted;

(38) in Form TM 56, for the words, letters and figures "Fee : See entry No. 67 of the First Schedule", the words, letters and figures "Fee : Rs 10" shall be substituted;

(39) in Form TM-58, for the expression "Rs. 5", the expression "Rs. 10" shall be substituted;

(40) in Form TMA-2 for the words, letters and figures "Fee : Rs. 20 plus continuance fee specified in entry No. 78 of the First Schedule", the words, letters and figures "Fee : Rs. 20 plus continuance fee specified in entry No. 77 of the First Schedule" shall be substituted; and

(41) in Form TMA-3, for the expression "Rs. 5", the expression "Rs. 10" shall be substituted".

[No. 25/1/TM/IT/69]

S. RAJARAMAN, Dy. Secy.

औद्योगिक विकास और आन्तरिक व्यापार मंत्रालय

(आंतरिक व्यापार विभाग)

(व्यापार और वाणिज्या चिन्ह)

नई दिल्ली, 11 जनवरी, 1971

का० आ० 560.—व्यापार और वाणिज्या चिन्ह नियम, 1959 में और आगे संशोधन करने के लिये कतिपय नियमों के, जिसे केन्द्रीय सरकार व्यापार और वाणिज्या चिन्ह नियम, 1958 (1958 का 43) की धारा 133 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए बनाने की प्रस्थापना करती है, निम्नलिखित प्रारूप को उक्त धारा की उपधारा (1) की अपेक्षानुसार उन सभी व्यक्तियों की जानकारी के लिये जिनका उनसे प्रभावित होना संभाव्य है, एतद्द्वारा प्रकाशित किया जाता है और एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि उक्त प्रारूप पर केन्द्रीय सरकार द्वारा 10 मार्च, 1971 तारीख को या उसके पश्चात् विचार किया जाएगा।

उक्त प्रारूप की बाबत किसी व्यक्ति से जो कोई आक्षेप या सुझाव ऐसी विनिर्दिष्ट तारीख से पूर्व प्राप्त होंगे उन पर केन्द्रीय सरकार द्वारा विचार किया जाएगा।

प्रारूप संशोधन

1. ये नियम व्यापार और वाणिज्य चिह्न संशोधन) नियम, 1969 कहे जा सकेंगे ।

2. व्यापार और वाणिज्य चिह्न नियम, 1959 में (जिसे इसमें–इसके पश्चात् उक्त नियम कहा गया है) प्रथम अनुसूची के स्थान पर निम्नलिखित अनुसूची प्रतिस्थापित की जाएगी, अर्थात् :–

"प्रथम अनुसूची"

(नियम, 11 देखें)

फीस

प्रविष्टि की संख्या	किस पर देय है	रकम	तत्सम्बन्धी प्ररूप संख्या
1	2	3	4
		रु० पै०	
1	एक ही वर्ग में सम्मिलित माल के विनिर्देश के लिए व्यापार चिह्न रजिस्ट्रीकृत कराने के उस आवेदन पर जिस पर अन्यथा प्रभार नहीं लगता । (धारा 18)	40.00	टी एम -1 या टी एम -2
2	एक ही वर्ग में सम्मिलित माल के विनिर्देश के लिए धारा 15 के अधीन व्यापार चिह्न की आवली रजिस्ट्रीकृत कराने के आवेदन पर	40.00	टी एम-1 या टी एम-2
3	एक ही वर्ग में सम्मिलित माल के विनिर्देश के लिए धारा 47 के अधीन रक्षात्मक व्यापार चिह्न रजिस्ट्रीकृत कराने के आवेदन पर	40.00	टी एम-3
4	एक ही वर्ग में सम्मिलित माल के विनिर्देश के लिए धारा 62 के अधीन प्रमाणन व्यापार चिह्न रजिस्ट्रीकृत कराने के आवेदन पर . . .	40.00	टी एम-4
5	साथ ही, उस सभी माल के, जो एक ही वर्ग में सम्मिलित नहीं है, विनिर्देश के लिए धारा 62 के अधीन प्रमाणन व्यापार चिह्न रजिस्ट्रीकृत कराने के आवेदन पर हर वर्ग की बाबत . . .	40.00	टी एम- 4
6	पांचवीं अनुसूची की किसी भी मद में सम्मिलित नहीं किए गये माल के विनिर्देश के लिए एक ही वर्ग में अंकों या अक्षरों या उनके किसी संयोजन से बनने वाले, प्रमाणन व्यापार चिह्न से भिन्न, वस्त्र चिह्न रजिस्ट्रीकृत कराने के आवेदन पर . . .	40.00	टी एम-52

1	2	3	4
		रु० पै०	
7	एक ही वर्ग में केवल एक शब्द या शब्दों (जो उद्भावित शब्द नहीं हैं/नहीं हैं) से बने; प्रमाणन व्यापार चिह्न से भिन्न, वस्त्र चिह्न रजिस्ट्रीकृत कराने के आवेदन पर	40.00	टी एम-51
8	नियम 140 के अधीन एक ही मद में सम्मिलित मालों के विनिर्देश के लिए केवल अंकों या अक्षरों या उनके किसी संयोजन से बनने वाले, प्रमाणन व्यापार चिह्न से भिन्न, वस्त्र चिह्न रजिस्ट्रीकृत कराने के आवेदन पर	40.00	टी एम-53
9	नियम 41(1) के अधीन विनिश्चित के आधार पर वर्णित करने के निवेदन पर . .	20.00	टी एम-15
10	प्रत्येक विरुद्ध—आवेदन के लिए धारा 21(1) के अधीन प्रतिविरोधकी सूचना पर . .	50.00	टी एम-5
11	धारा 21(1) के अधीन विरुद्ध सूचना फाइल करने के लिए समय बढ़ाने के आवेदन पर . .	10.00	टी एम-44
12	प्रत्येक विरुद्ध—आवेदन के लिए धारा 21 के अधीन विरुद्ध-सूचना के विरोध में या प्रत्येक व्यापार चिह्न की बाबत में धारा 46, 47 (4) और 56 में से किसी के अधीन आवेदन के उत्तर में या प्रत्येक विरुद्ध आवेदन या संपरिवर्तन के लिए धारा 58 या नियम 105 के अधीन विरुद्ध सूचनाओं के उत्तर में प्रतिकथन पर	30.00	टी एम-6
13	संबंधित कार्यवाही के प्रत्येक पक्षकार द्वारा धारा 21, 46, 47 (4), 56 और 58 में से किसी के अधीन या नियम 105 के अधीन सुनवाई पर हाजिर होने के आशय की सूचना पर	30.00	टी एम-7
14	प्रत्येक विरुद्ध आवेदन के लिए धारा 64 (3) के अधीन केन्द्रीय सरकार के समक्ष विरुद्ध सूचना पर .	80.00	टी एम-8
15	प्रत्येक विरुद्ध आवेदन के लिए धारा 64 (3) के अधीन केन्द्रीय सरकार के समक्ष विरुद्ध सूचना के उत्तर में प्रतिकथन पर	40.00	टी एम-9
16	क्रमशः आवेदक द्वारा और विरोधी द्वारा धारा 64 (3) के अधीन केन्द्रीय सरकार के समक्ष प्रत्येक विरोध की सुनवाई पर हाजिर होने के आशय की सूचना पर	30.00	टी एम-10

1	2	3	4
		रु० पै०	
17	एक ही वर्ग में सम्मिलित माल के विनिर्देश के लिए अन्यथा अप्रभारित व्यापार चिह्न के एक रजिस्ट्रीकरण के लिए	90.00	टी एम-11
18	एक ही वर्ग में सम्मिलित माल के विनिर्देश के लिए धारा 15 के अधीन व्यापार चिह्न के आवली के एक रजिस्ट्रीकरण के लिए प्रथम चिह्न के लिए आवली के हर अतिरिक्त चिह्न के लिए . .	90.00 10.00	टी एम-11
19	पांचवीं अनुसूची की किसी भी मद में सम्मिलित नहीं किए गए माल के विनिर्देश के लिए केवल अक्षरों या अंकों या उनके किसी संयोजन से बनने वाले प्रमाणन व्यापार चिह्न से भिन्न वस्त्र चिह्न के एक रजिस्ट्रीकरण के लिए	90.00	टी एम-11
20	एक ही वर्ग में सम्मिलित माल के विनिर्देश के लिए केवल एक शब्द या शब्दों से बनने वाले (जो उद्भावित शब्द नहीं है/ नहीहैं), प्रमाणन व्यापार चिह्न से भिन्न, वस्त्र चिह्न के एक रजिस्ट्रीकरण के लिए .	90.00	टी एम-11
21	पांचवीं अनुसूची की किसी एक मद में सम्मिलित माल के विनिर्देश के लिए केवल अक्षरों या अंकों या उसके किसी संयोजन से बनने वाले, प्रमाणन व्यापार चिह्न से भिन्न, वस्त्र चिह्न के एक रजिस्ट्रीकरण के लिए	90.00	टी एम-11
22	एक ही वर्ग में सम्मिलित माल के विनिर्देश के लिए धारा 62 के अधीन प्रमाणन व्यापार चिह्न के रजिस्ट्रीकरण के लिए	90.00	टी एम-11
23	साथ ही उस सभी माल के जो एक ही वर्ग में सम्मिलित नहीं है, विनिर्देशों के लिए धारा 62 के अधीन एक प्रमाणन व्यापार चिह्न आवेदनों पर रजिस्ट्रीकरण के लिए हर वर्ग की बाबत . . .	90.00	टी एम-11
24	एक ही वर्ग में सम्मिलित माल के विनिर्देश के लिए धारा 47 के अधीन रक्षात्मक व्यापार चिह्न के एक रजिस्ट्रीकरण के लिए . . .	90.00	टी एम—11
25	ऐसे टिप्पण के व्यापार चिह्न की रजिस्ट्रीकृत प्रविष्टि में प्रत्येक परिवर्तन के लिए कि वह चिह्न एक नये रजिस्ट्रीकृत चिह्न के साथ सहयुक्त है .	10.00	टी एम—11
26	रजिस्ट्रीकृत व्यापार चिह्नों के बीच सहयुक्ति को विघटित करने के लिए धारा 16(4) के अधीन आवेदन पर	20.00	टी एम—14

1	2	3	4
		रु० पै०	
27	अन्यथा प्रभारित नही किये गये अन्तिम रजिस्ट्रीकरण की समाप्ति पर किसी व्यापार चिह्न के रजिस्ट्रीकरण के धारा 25 के अधीन नवीकरण के लिए .	100.00	टी एम–12
28	पिछले रजिस्ट्रीकरण की समाप्ति पर व्यापार चिह्न की आवली के रजिस्ट्रीकरण के धारा 25 के अधीन नवीकरण के लिए आवली के प्रथम चिह्न के लिए	100.00	टी एम–12
	आवली के प्रत्येक अतिरिक्त चिह्न के लिए .	10.00	
29	एक से अधिक वर्ग के माल के लिए उसी तारीख वाले उसी प्रमाणीकरण व्यापार के रजिस्ट्रीकरण के धारा 25 के अधीन नवीकरण के लिए––प्रत्येक वर्ग की बाबत	100.00	टी एम–12
30	रजिस्टर से हटाये गये किसी व्यापार चिह्न के प्रत्यावर्तन के लिए धारा 25(4) के अधीन आवेदन पर .	30.00 (तथा ऊपर सं० 27, 28 और 29 की प्रविष्टियों में से किसी में विहित नवीकरण फीस)	टी एम–13
31	धारा 39(2) के अधीन रजिस्ट्रार के प्रमाणपत्र के लिए आवेदन पर समनुदेशित किये जाने के लिए प्रस्थापित प्रथम चिह्न के लिए . . .	60.00	टी एम–7
	उस समनुदेशन में सम्मिलित उसी स्वत्वधारी के प्रत्येक अतिरिक्त चिह्न के लिए . . .	10.00	
32	धारा 40 के अधीन रजिस्ट्रार के अनुमोदन के लिए आवेदन पर प्रथक चिह्न के लिये . .	60.00	टी एम–19
	उसी स्वत्वधारी के उसी अन्तरण में सम्मिलित प्रत्येक अतिरिक्त चिह्न के लिए . . .	10.00	
33	प्रयुक्त व्यापार चिह्न की सदिच्छा के बिना समनुदेशन के विज्ञापन के लिए रजिस्ट्रार के निदेश के लिए धारा 41 के अधीन आवेदन पर		
	समनुदेशित प्रथम चिह्न के लिए .	30.00	टी एम–20
	हक के उसी न्यागमन के साथ प्रत्येक अतिरिक्त चिह्न के लिए	10.00	

1	2	3	4
		रु० प०	
34.	प्रयुक्त व्यापार चिह्न की सदिच्छा के बिना समनुदेशन के विज्ञापन के लिए धारा 41 के अधीन आवेदन करने के लिए समय बढ़ाने के लिए आवेदन पर		
	एक मास से अनधिक . . .	20.00	टी एम–21
	दो मास से अनधिक . . .	40.00	
	तीन मास से अनधिक . . .	60.00	
35.	प्रमाणीकरण व्यापार चिह्न के समनुदेशन या पारेषण पर केन्द्रीय सरकार की सम्मिति के लिए धारा 42 के अधीन आवेदन . . .	40.00	टी एम–22
36.	किसी एकल व्यापार चिह्न के समनुदेशन या पारेषण की दशा में पश्चातवर्ती स्वत्वधारी को रजिस्ट्रीकृत करने के लिए धारा 44 के अधीन आवेदन पर		
	यदि स्वत्वधारिता के अर्जन की तारीख से छः मास के भीतर दिया जाय . . .	30.00	टी एम–23 या टी एम–24
	यदि स्वत्वधारिता के अर्जन की तारीख से छः मास की समाप्ति के पश्चात् किन्तु स्वत्वधारिता के अर्जन की तारीख से 12 मास के पूर्व दिया जाय . .	60.00	टी एम–23 या टी एम–24
	यदि स्वत्वधारिता के अर्जन की तारीख से 12 मास के पश्चात् दिया जाय . . .	100.00	टी एम–23 या टी एम–24
37.	उसी नाम से रजिस्ट्रीकृत एक से अधिक व्यापार चिह्नों के पश्चात्वर्ती स्वत्वधारी को रजिस्ट्रीकृत करने के लिए धारा 44 के अधीन आवेदन पर, प्रत्येक मामले में हक का न्यागमन वही हो		
	यदि स्वत्वधारिता के अर्जन की तारीख से छः मास के भीतर दिया जाय		
	प्रथम चिह्न के लिए . .	30.00	टी एम–23 या टी एम–24
	प्रत्येक अतिरिक्त चिह्न के लिए . .	10.00	
	यदि स्वत्वधारिता के अर्जन की तारीख से 12 मास की समाप्ति के पश्चात् दिया जाय		
	प्रथम चिह्न के लिए . . .	100.00	टी एम–23 या टी एम–24
	प्रत्येक अतिरिक्त चिह्न के लिए . .	10.00	

1	2	3	4
		रु० पै०	
38.	एक समनुदेशन पर व्यापार चिह्नों के पश्चात्वर्ती स्वत्वधारी के रूप में किसी कम्पनी के रजिस्ट्रीकरण के लिए समय बढ़ाने के लिए धारा 45(3) के अधीन आवेदन पर		
	दो मास से अनधिक . . .	20.00	टी एम–25
	चार मास से अनधिक . .	40.00	
	छः मास से अनधिक . . .	60.00	
39.	रजिस्टर की परिशुद्धि या रजिस्टर में से व्यापार चिह्न को निकालने के लिए धारा 46, 47(4) और 56 में से किसी के अधीन आवेदन पर . .	60.00	टी एम–26
40.	रजिस्टर की परिशुद्धि या रजिस्टर मे से व्यापार चिह्न को निकालने के लिए धारा 46, 47(4) और 56 में से किसी के अधीन कार्यवाहियों मे मध्यक्षेप की इजाजत के लिए नियम 96 के अधीन आवेदन पर .	30.00	टी एम–27
41.	किसी रजिस्ट्रीकृत व्यापार चिह्न के, उसके विनिर्देश के अन्तर्गत आने वाले माल की बाबत, रजिस्ट्रीकृत प्रयोक्ता के रजिस्ट्रीकरण के लिए धारा 49 के अधीन आवेदन पर . . .	500.00	टी एम–28
42.	उसी स्वत्वधारी के एक से अधिक रजिस्ट्रीकरण व्यापार चिह्नों के, जहां सभी व्यापार चिह्नों को रजिस्टर में सहयुक्त व्यापार चिह्नों के रूप में प्रविष्ट किया गया है, उनके अपने-अपने विनिर्देशों के अन्तर्गत आने वाले माल की बाबत और प्रत्येक दशा में उन्हीं शर्तों के और निबंधनों के अध्यधीन, उसी रजिस्ट्रीकरण के लिए धारा 49 के अधीन आवेदन पर		
	प्रथम चिह्न के लिए . . .	500.00	टी एम– 28
	आवेदन में सम्मिलित स्वत्वधारी के प्रत्येक अतिरिक्त चिह्न के लिए . . .	100.00	
43.	एक व्यापार चिह्न के रजिस्ट्रीकृत प्रयोक्ता की प्रविष्टि में फेरफार करने के लिए धारा 52(1) के खण्ड (क) के अधीन आवेदन पर . .	100.00	टी एम–29
	जहां व्यापार चिह्न सहयुक्त व्यापार चिह्नो के रूप में रजिस्टर में प्रविष्ट किये गये हों और उनमें से प्रत्येक के बारे में वहीं रजिस्ट्रीकृत प्रयोक्ता रजिस्ट्रीकृत हो		
	प्रथम चिह्न के लिए . . .	100.00	
	आवेदन में सम्मिलित प्रत्येक अतिरिक्त चिह्न के लिए . . .	50.00	

1	2	3	4
		रु० पै०	
44.	एक व्यापार चिह्न के रजिस्ट्रीकृत प्रयोक्ता की प्रविष्टि के रद्दकरण के लिए धारा 52(1) के खण्ड (ख) के अधीन आवेदन पर . . .	40.00	टी एम–30
	जहां चिह्न सहयुक्त व्यापार चिह्नों के रूप में रजिस्टर में प्रविष्ट हैं . . .		
	प्रथम चिह्न के लिए . . .	40.00	
	आवेदन में सम्मिलित प्रत्येक अतिरिक्त चिह्न के लिए	10.00	
45.	एक व्यापार चिह्न के रजिस्ट्रीकृत प्रयोक्ता की प्रविष्टि के रद्दकरण के लिए धारा 52(1) के खण्ड (ग) या (घ) के अधीन आवेदन पर . .	40.00	टी एम–31
	जहां चिह्न सहयुक्त व्यापार चिह्नो के रूप में रजिस्टर में प्रविष्ट है . . .		
	प्रथम चिह्न के लिए . . .	40.00	
	आवेदन में सम्मिलित प्रत्येक अतिरिक्त चिह्न के लिए	10.00	
46.	व्यापार चिह्न के किसी रजिस्ट्रीकृत प्रयोक्ता की प्रविष्टियों में फेरफार और रद्दकरण के लिए एक कार्यवाही में मध्यक्षेप करने के आशय की नियम 92(2) के अधीन सूचना पर . . .	30.00	टी एम–32
47.	जहां स्वत्वधारिता या रजिस्ट्रीकृत प्रयोक्ता के अभिज्ञान में कोई परिवर्तन नहीं हुआ हो वहां रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी या रजिस्ट्रीकृत प्रयोक्ता के नाम या वर्णन में परिवर्तन करने के लिए आवेदन पर (उस सूरत में के सिवाय जहां लोक प्राधिकारी के आदेश के फलस्वरूप या कानूनी अपेक्षा के परिणामस्वरूप आवेदन किया गया है) . . .	20.00	टी एम–33
	जहां चिह्न सहयुक्त व्यापार चिह्नों के रूप में रिजस्टर में प्रविष्टि है––		
	प्रथम चिह्न के लिए . . .	20.00	
	आवेदन में सम्मिलित प्रत्येक अतिरिक्त चिह्न के लिए	10.00	
48.	जब तक कि नियम 98(3) के अधीन फीस से छूट न दे दी गई हो, व्यापार चिह्न के रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी या रजिस्ट्रीकृत प्रयोक्ता के पते की प्रविष्टि में परिवर्तन के लिए धारा 57 के अधीन आवेदन पर	20.00	टी एम–34

1	2	3	4
		रु० पै०	
	जहां चिह्न सहयुक्त चिह्नों के रूप में प्रविष्ट है और जहां प्रत्येक मामले में पता वही है और उसी ढंग से परिवर्तित किया जाता है . .		
	प्रथम प्रविष्टि के लिए . . .	20.00	
	आवेदन में सम्मिलित प्रत्येक अन्य प्रविष्टि के लिए	10.00	
49.	किसी रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी या रजिस्ट्रीकृत प्रयोक्ता की भारत में सर्विस के लिए पते की प्रविष्टि करने के लिए आवेदन पर . . .	20.00	टी एम–50
	जहां चिह्न सहयुक्त व्यापार चिह्नों के रूप में रजिस्टर में प्रविष्ट हैं और प्रविष्ट किया जाने वाला सर्विस के लिए पता प्रत्येक मामले में नहीं है —		
	प्रथम प्रविष्टि के लिए . . .	20.00	
	आवेदन में सम्मिलित प्रत्येक अन्य प्रविष्टि के लिए .	10.00	
50.	जब तक कि नियम 98(3) के अधीन फीस से छूट न दे दी गई हो भारत में सर्विस के लिए पते की रजिस्टर प्रविष्टि को परिवर्तित या प्रतिस्थापित करने के आवेदन पर	20.00	टी एम–50
	जहां चिह्न व्यापार चिह्नों के रूप में रजिस्टर में प्रविष्ट हैं और प्रविष्ट किया जाने वाला सर्विस के लिए पता वही है और उसी ढंग से परिवर्तित या प्रतिस्थापित होता है—		
	प्रथम प्रविष्टि के लिए . . .	20.00	
	आवेदन में सम्मिलित प्रत्येक अन्य प्रविष्टि के लिए .	10.00	
51.	धारा 57(1) के खण्ड (ग), (घ) या (ङ) के अधीन व्यापार चिह्न की प्रविष्टि या प्रविष्टि के भाग के रद्दकरण के लिए या रजिस्टर पर इंकार या शापन की प्रविष्टि के लिए आवेदन पर .	10.00	टी एम –35 या टी एम –36 या टी एम –37
52.	धारा 58 के अधीन रजिस्ट्रीकृत व्यापार चिह्न में जोडने या परिवर्तन करने के लए इजाजत के लिए आवेदन पर (सिवाय वहां के जहां आवेदन किसी लोक प्राधिकारी के आदेश के फलस्वरूप या किसी कानूनी अपेक्षा के परिणामस्वरूप दिया गया है) . .	100.00	टी एम –38

1	2	3	4
		रु० पै०	
	जहां चिह्न रजिस्टर में व्यापार चिह्नों के सहयुक्तों के रूप में प्रविष्टि किए गए हैं और प्रत्येक दशा में किया जाने वाला परिवर्धन या परिवर्तन वही है,		
	प्रथम चिह्न के लिए	100.00	
	आवेदन में सम्मिलित प्रत्येक अन्य चिह्न के लिए .	50.00	
53	धारा 58 (2) के अधीन रजिस्ट्रीकृत व्यापार चिह्न में जोड़ने या परिवर्तन करने के लिए इजाजत के लिए किसी आवेदन के विरोध में नोटिस पर, प्रत्येक विरुद्ध आवेदन के लिए . . .	50.00	टी०एम०—39
54	धारा 59 के अधीन विनिर्देश के संपरिवर्तन के लिए आवेदन पर	20.00	टी०एम०—40
55	धारा 59(2) के अधीन विनिर्देश के संपरिवर्तन या रजिस्ट्रीकृत व्यापार चिह्न के विनिर्देश के विरुद्ध नोटिस पर, . . .	50.00	टी०एम०—41
	जहां चिह्न रजिस्टर में सहयुक्त व्यापार चिह्नों के रूप में प्रविष्ट किए गए हैं और उनकी वही विनिर्देश हैं—		
	प्रथम चिह्न के लिए . . .	50.00	
	विरुद्ध नोटिस में सम्मिलित प्रत्येक अतिरिक्त चिह्न के लिए . . .	10.00	
56	धारा 65 के अधीन जमा किये गए प्रमाणन व्यापार चिह्न के विनियमों के परिवर्तन के लिए आवेदन पर	40.00	टी०एम०—42
	जहां चिह्न रजिस्टर में सहयुक्त व्यापार चिह्नों के रूप में प्रविष्ट किए गए हैं, एक रजिस्ट्रीकरण के विनियमों के लिए	40.00	
	उसी रूप में परिवर्तन किए जाने वाले और उसी आवेदन में सम्मिलित किए जाने के लिए प्रस्थापित प्रत्येक अतिरिक्त रजिस्ट्रीकरण के उन्हीं या सारतः उन्हीं विनियमों के लिए . .	10.00	
57	धारा 69 के अधीन केन्द्रीय सरकार को प्रमाणन व्यापार चिह्न को निकाल देने या उसमें फेरफार करने या प्रमाणन व्यापार चिह्न के जमा किए गए विनियमों में या एक जैसे रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी के प्रमाणन व्यापार चिह्न में जहां विनियम सारतः वही फेरफार करने के लिए आवेदन पर . .	60.00	टी० एम०—43.

1	2	3	4
58	नियम 24 (1) के अधीन एक वर्ग की बाबत में तालाश के लिए	रु० पै० 10.00	टी०एम०–54
59	धारा 103 के अधीन एक वर्ग की बाबत प्रस्तत किए गए प्रत्येक व्यापार चिह्न के लिए रजिस्ट्रार की प्रारम्भिक राय के लिए प्रार्थना पर . .	10.00	टी०एम०–55
60	धारा 115 के अधीन रजिस्ट्रार के प्रमाण पत्र के लिए प्रार्थना पर (धारा 23 (2) के अधीन प्रमाण पत्र से भिन्न)	10.00	टी० एम–46
61	धारा 15 के अधीन व्यापार चिन्हों की आबली के रजिस्ट्रीकरण के लिए रजिस्ट्रार के प्रमाणपत्र (धारा 23(2) के अधीन प्रमाणपत्र से भिन्न) के लिए प्रार्थना पर	20.00	टी० एम०–46
62	धारा 125(2) के अधीन रजिस्टर में की किसी प्रविष्टि की या किसी दस्तावेज की प्रमाणित प्रतिलिपि के लिए प्रार्थना पर तथा इस अनुसूची की प्रविष्टि 70 में यथाविहित प्रविष्टि या दस्तावेज काटाइ गई खर्च	10.00	टी० म०–46
63	नियम 123 के अधीन एक चिन्ह की बाबत विधि मान्यता के प्रमाण पत्र के टिप्पण को रजिस्टर में प्रविष्ट करने और विज्ञापित करने के लिए प्रार्थना पर	10.00	टी० एम०–47
64	लेखन अशुद्धि के सुधारने के लिए संशोधन के लिए, जो अन्यथा प्रभारित नहीं की गई है सिवाय वहां के जहां यह प्रार्थना किसी लोक प्राधिकारी के आदेश के फलस्वरूप या किसी कानूनी अपेक्षा के परिणाम स्वरूप की गई ह प्रार्थना पर .	10.00	टी० एम०–16
65	धारा 101 के अधीन समय बढाने के लिए आवेदन पर (वह समय नहीं जो अधिनियम में सपष्टतः उपबंधित है या नियम 81 द्वारा या नियम 82(4) द्वारा विहित है)	10.00	टी० एम०–56
66	धारा 97 (ग) के अधीन रजिस्टर के विनिश्चय के पुनर्विलोकन के लिए आवेदन पर .	30.00	टी० एम० –57
67	प्रतिवादित कार्यवाही में रजिस्ट्रार के आदेश या किसी अन्तर्वर्ती विषय को अभिप्राप्त करने की याचिका पर (जो अन्यथा प्रभारित नहीं की गई है) .	20.00	

1	2	3	4
		रु० पै०	
68	नियम 50 के अधीन विहन के विज्ञापन की विशिष्टयों के लिए रजिस्ट्रार को प्राथना पर .	10.00	टी० एम०—58
69	धारा 125(1) में वर्णित दस्तावेजों के निरीक्षण के लिए, प्रत्येक घंटे या उसके भाग क लिए .	10.00	
70	दस्तावेजों को टाइप करने के लिए, प्रत्येक 100 शब्दों या उसके किसी भाग के लिए . .	00.50 (न्यूनतम 5—रु० के अध्यधीन)	
71	दस्तावेजो की फोटो प्रतिया देने के लिए पूरे आकार के लिए 16.5 से० मी० × 21.6 से० मी० या 15.24 से० मी० × 25.4 से० मी०) प्रथम प्रति के लिए उसकी प्रत्येक अतिरिक्त प्रति के लिए .	5.00 4.50	
	केबिनेट आकार के लिए (12से० मी० × 16.5 से० मी०) प्रथम प्रति के लिए . .	3.50	
	उसकी प्रत्येक अतिरिक्त प्रति के लिए .	3.00	
72	प्रमाण पत्र की दूसरी प्रति या अतिरिक्त प्रति के लिए प्रार्थना पर	10.00	टी०एम०—59
73	धारा 20 के अधीन रजिस्ट्रीकरण के व्यापार चिन्ह के लिए आवेदन के विज्ञापन या पुनर्विज्ञापन के लिए या धारा 58 के अधीन रजिस्ट्रीकृत व्यापार चिह्न में जोड़ या परिवर्तन के विज्ञापन के लिए .	10.00	
74	जनरल में विज्ञापन या पुनर्विज्ञापन के लिए अतिरिक्त स्थान के लिए उन मामलों में जहां व्यापार चिन्ह के लिए मुद्रण ब्लाक चौड़ाई या गहराई मे या चौड़ाई और गहराई में 5 से० मी० से अधिक हैं ।		
			
	प्रत्येक 2.5 से० मी० या उसके भाग के लिए जो चौड़ाई में 5 से० मी० से अधिक हैं प्रत्येक 2.5 से० मी० या उसके भाग लिए जो गहराई में 5 से० मी० से अधिक हैं । . .	10.00	
75	नियम 151 के अधीन व्यापार चिह्न अभिकर्ता के रूप में रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन पर .	20.00	टी० एम०—1
76	नियम 153 के अधीन व्यापार चिह्न अभिकर्ता के रूप में किसी व्यक्ति के रजिस्ट्रीकरण के लिए .	60.00	

1	2	3	4
		रु० प०	
77	नियम 154 के अधीन व्यापार चिह्न अभिकर्ता के रजिस्टर में किसी व्यक्ति का नाम बनाए रखने के लिए—		
	प्रत्येक वर्ष के लिऐ प्रथम वर्ष को अपवर्जित करते हुए) जो प्रत्येक वर्ष में प्रथम अप्रैल को संदत्त किया जान हैं । . . .	25.00	
	प्रथम वर्ष के लिए रजिस्ट्रीकरण के लिए फीस के साथ संदत्त किए जाने की उस व्यक्ति की दशा में जो प्रथम अप्रैल और 30 सितम्बर के बीच किसी भी समय रजिस्ट्रीकृत हुआ हैं । .	25.00	
	उस व्यक्ति की दशा में जो प्रथम अक्टूबर और आने वाले 31 मार्च के बीच किसी भी समय रजिस्ट्रीकृत हुआ हैं । . .	15.00	
	ध्यान दीजिए : इस प्रयोजन के लिए वर्ष अप्रैल के प्रथम दिन को आरम्भ और आने वाले मार्च के इकत्तीसवें दिन को समाप्त होगा । .		
78	नियम 156 के अधीन व्यापार चिह्न अभिकर्त्ताओं के रजिस्टर में व्यक्ति के नाम के प्रत्यावर्तन के लिए आवेदन पर . . .	20.00	टी म०—2 तथा प्रविष्ट सं० 77 के अधीन बनाए रखने की फीस
79	नियम 157 के अधीन व्यापार चिह्न अभिकर्ताओं के रजिस्टर में किसी भी प्रविष्टि के परिवर्तन के लिए आवेदन पर . . .	10.00	टी०एम०ए०—3"

3. उक्त नियमों की द्वितीय अनुसूची में (क) प्ररूपों की सूची में—

(1) प्ररूप सं० टी०एम०—12 से सम्बन्धित चतुर्थ स्तम्भ में "27 से 30" अंकों और शब्दों के लिए "27 से 29" अंक और शब्द प्रतिस्थापित किए जाएंगे ।

(2) प्ररूप सं० टी० एम 13 से संबन्धित चतर्थ स्तम्भमें "31" अंक के लिए "30" अंक प्रतिस्थापित किए जाएंगे ।

(3) प्ररुप सं० टीएम 16 से सम्बन्धित चतुर्थ स्तम्भ में "66" अंक के स्थान पर "64" अंक प्रतिस्थापित किया जाएगा

(4) प्ररुप सं० टीएम 16 से सम्बन्धित चतुर्थ स्तम्भ में "32" अंक के स्थान पर "31" अंक प्रतिस्थापित किया जाएगा

(5) प्ररुप सं० 19 से सम्बन्धित चतुर्थ स्तम्भ में "33" अंक के स्थान पर "32" अंक प्रतिस्थापित किया जाएगा

(6) प्ररुप सं० टीएम 20 से सम्बन्धित चतुर्थ स्तम्भ में "34" अंक के स्थान पर "33" अंक प्रतिस्थापित किया जाएगा

(7) प्ररुप सं० टी एम 21 से सम्बन्धित चतुर्थ स्तम्भ में '35' अंक के स्थान पर '34' अंक प्रतिस्थापित किया जाएगा

(8) प्ररुप सं० टीएम 22 से सम्बन्धित चतुर्थ स्तम्भ में '36' अंक के स्थान पर '35' अंक प्रतिस्थापित किया जाएगा

(9) प्ररुप सं० टी एम 23 से सम्बन्धित चतुर्थ स्तम्भ "37" 38" अंकों के स्थान पर 36, 37 अंक प्रतिस्थापित किया जाएगा

(10) प्ररुप सं० टी एम 24 से सम्बन्धित चतुर्थ स्तम्भ में "37, 38" अंकों के स्थान पर 36, 37 अंक प्रतिस्थापित किए जाएंगे।

(11) प्ररुप सं० टीएम 25 से सम्बन्धित चतुर्थ स्तम्भ में '39' अंक के स्थान पर '38' अंक प्रतिस्थापित किया जाएगा

(12) प्ररुप सं० 26 टीएम से सम्बन्धित चतुर्थ स्तम्भ में '40' अंक के स्थान पर '39' अंक प्रतिस्थापित किया जाएगा।

(13) प्ररुप सं० 27 टी एम से सम्बन्धित चतुर्थ स्तम्भ में '41' अंक के स्थान पर '40' अंक प्रतिस्थापित किया जाएगा।

(14) प्ररुप सं० 28 टी एम से सम्बन्धित चतुर्थ स्तम्भ में '42', '43' अंकों के स्थान पर '41', '42' अंक प्रतिस्थापित किए जाएंगे।

(15) प्ररुप सं० टी एम 29 से सम्बन्धित चतुर्थ स्तम्भ में '44" अंकों के स्थान पर '43' अंक प्रतिस्थापित किए जाएंगे।

(16) प्ररुप सं० टी एम 30 से सम्बन्धित चतुर्थ स्तम्भ में '55' अंकों के स्थान पर '45' अंक प्रतिस्थापित किए जाएंगे।

(17) प्ररुप सं० टी एम 31 से सम्बन्धित चतुर्थ स्तम्भ में '46' अंकों के स्थान पर '45' अंक प्रतिस्थापित किए जाएंगे।

(18) प्ररुप सं० टी एम 32 से सम्बन्धित चतुर्थ स्तम्भ में "47" अंकों के स्थान पर "46" अंक प्रतिस्थापित किए जाएंगे।

(19) प्ररुप सं० टी एम–33 से सम्बन्धित चतुर्थ स्तम्भ में "48" अंकों के स्थान पर "47" अंक प्रतिस्थापित किए जाएंगे।

(20) प्ररूप सं० टीएम 34–से सम्बन्धित चतुर्थ स्तम्भ में "49" अंकों के स्थान पर "48" अंक प्रतिस्थापित किए जाएंगे।

(21) प्ररुप सं० टी एम 35 से सम्बन्धित चतुर्थ स्तम्भ में "52" अंकों के स्थान पर "51" अंक प्रतिस्थापित किए जाएंगे।

(22) प्ररुप सं० टी एम "36" से सम्बन्धित चतुर्थ स्तम्भ में "52" अंकों के स्थान पर "51" अंक प्रतिस्थापित किए जाएंगे।

(23) प्ररुप सं० टी एम "37" से सम्बन्धित चतुर्थ स्तम्भ में "52" अंकों के स्थान पर "51" अंक प्रतिस्थापित किए जाएंगे।

(24) प्ररुप सं० टी एम–38 से सम्बन्धित चतुर्थ स्तम्भ में "53" अंकों के स्थान पर "52" अंक प्रतिस्थापित किए जाएंगे।

(25) प्ररुप सं० टी एम 39 से सम्बन्धित चतुर्थ स्तम्भ में "54" अंकों के स्थान पर "53" अंक प्रतिस्थापित किए जाएंगे।

(26) प्ररुप सं० टीएम –40 से सम्बन्धित चतुर्थ स्तम्भ में "55" अंकों के स्थान पर "54" अंक प्रतिस्थापित किए जाएंगे।

(27) प्ररुप सं० टी एम–41 से सम्बन्धित चतुर्थ स्तम्भ में "56" अंकों के स्थान पर "55" अंक प्रतिस्थापित किए जाएंगे।

(28) प्ररुप सं० टी एम –42 से सम्बन्धित चतुर्थ स्तम्भ में "57" अंकों के स्थान पर "56" अंक प्रतिस्थापित किए जाएंगे।

(29) प्ररुप सं० टी एम –43 से सम्बन्धित चतुर्थ स्तम्भ में "58" अंकों के स्थान पर "57" अंक प्रतिस्थापित किए जाएंगे।

(30) प्ररुप सं० टी एम–45 लुप्त कर दिया जाएगा।

(31) प्ररुप सं० टी एम–46 से सम्बन्धित चतुर्थ स्तम्भ में "62, 63, 64" अंकों के स्थान पर "60, 61, 62" अंक प्रतिस्थापित किए जाएंगे।

(32) प्ररुप सं० टी एम–47 से सम्बन्धित चतुर्थ स्तम्भ में "65" अंकों के स्थान पर "63" अंक प्रतिस्थापित किए जाएंगे।

(33) प्ररुप सं० टी० एम–50 से सम्बन्धित चतुर्थ स्तम्भ में "50, 51" अंकों के स्थान पर "49, "50" अंक प्रतिस्थापित किए जाएंगे।

(34) प्ररुप सं० टी एम–54 से सम्बन्धित चतुर्थ स्तम्भ में "59" अंकों के स्थान पर "58" अंक प्रतिस्थापित किए जाएंगे ।

(35) प्ररुप सं० टी० एम–55 से सम्बन्धित चतुर्थ स्तम्भ में "60" अंकों के स्थान पर "59" अंक प्रतिस्थापित किए जाएंगे।

(36) प्ररुप सं० टी एम–56 से सम्बन्धित चतुर्थ स्तम्भ में '67' अंकों के स्थान पर "65" अंक प्रतिस्थापित किए जाएंगे।

(37) प्ररुप सं० टी एम– 57 से सम्बन्धित चतुर्थ स्तम्भ में "68" अंकों के स्थान पर "66" अंक प्रतिस्थापित किए जाएंगे।

(38) प्ररुप सं० टी० एम०–58 से संबंधित चतुर्थ स्तंभ में "70" अंकों के स्थान पर "68" अंक प्रतिस्थापित किए जायेंगे ;

(39) प्ररुप सं० टी एम–59 से संबंधित चतुर्थ स्तंभ में "73" अंकों के स्थान पर "72" अंक प्रतिस्थापित किए जाएंगे ;

(40) प्ररुप सं० टी० एम ए–1 से संबंधित चतुर्थ स्तंभ में "76" अंकों के स्थान पर "75" अंक प्रतिस्थापित किए जाएंगे ।

(41) प्ररुप सं० टी एम ए–2 से संबंधित चतुर्थ स्तंभ में "79" अंकों के स्थान पर "78" अंक प्रतिस्थापित किए जायेंगे ।

(42) प्ररुप सं० टी एम ए–3 से संबंधित चतुर्थ स्तंभ में "80" अंकों के स्थान पर "78" अंक प्रतिस्थापित किए जायेंगे ।

(ख) प्ररूपों में—

"(1) प्ररूप टी एम–1 और प्ररूप टी एम–2 में "फीस : 30/–रु० प्रथम अनुसूची की प्रविष्टि सं० 1 और 2 देख", शब्दों, अक्षरों और अंकों के स्थान पर "फीस : 40/– रु०" शब्द और अंक प्रतिस्थापित किए जायेंगे।

(2) प्ररूप टी एम-3 में, "30/–रु०" अभिव्यक्ति के स्थान पर"8 40/– रु०" अभिव्यक्ति प्रतिस्थापित की जाएगी ;

(3) प्ररूप टी एम–4 में "फीस : प्रथम अनुसूची की प्रविष्टि सं० 4 और 5 देखें" शब्दो, अक्षरों और अंकों के स्थान पर "फीस : 40/–रु०" शब्द 'अक्षर और अंक प्रतिस्थापित किए जाएंगे ;

(4) प्ररूप टी एम–5 में "30/–रु०" अभिव्यक्ति के स्थान पर "50/–रु०" अभिव्यक्ति प्रतिस्थापित की जाएगी ;

(5) प्ररूप टी एम–6 में "15/–रु०" अभिव्यक्ति के स्थान पर "30/–रु०"प्रतिस्थापित की जाएगी ;

(6) प्ररूप टी एम–7 में "20/–रु०" अभिव्यक्ति के स्थान पर "30/–रु०" अभिव्यक्ति प्रतिस्थापित की जाएगी ;

(7) प्ररूप टी एम–8 में "40/–रु०" अभिव्यक्ति के स्थान पर "80/–रु०" अभिव्यक्ति प्रतिस्थापित कीजाएगी ;

(8) प्ररूप टी एम–9 में "20/–रु०" अभिव्यक्ति के स्थान पर "40/–रु०" अभिव्यक्ति प्रतिस्थापित की जाएगी ;

(9) प्ररूप टी एम-10 में "20/–रु०" अभिव्यक्ति के स्थान पर "30/–रु०" अभिव्यक्ति प्रतिस्थापित की जाएगी ;

(10) प्ररूप टी एम-12 में "फीस" प्रथम अनुसूची की प्रविष्टि सं० 27 से 30 देखें" शब्दों, अक्षरों और अंकों के स्थान पर "फीस : प्रथम अनुसूची की प्रविष्टि सं० 27 से 29 देख" शब्द, अक्षर और अंक प्रतिस्थापित किए जायेंगे ;

(11) प्ररूप टी एम-3 में "फीस : 30/–रु० तथा प्रथम अनुसूची की प्रविष्टि सं० 27 से 31 में से किसी में विहित नवीकरण फीस" शब्दों, अक्षरों और अंकों के स्थान पर "फीस : 30/–रु० तथा प्रथम अनुसूची की प्रविष्टि सं० 27 से 29 में से किसी में विहित नवीकरण फीस"शब्द, अक्षर और अंक प्रतिस्थापित किए जायेंगे;

(12) प्ररूप टी एम–15 में "10/–रु०" अभिव्यक्ति के स्थान पर "20/–रु०" अभिव्यक्ति प्रतिस्थापित की जाएगी ;

(13) प्ररूप टी एम–7 में "30/– रु०" और "5/–रु०" अभिव्यक्तियों के स्थान पर क्रमश "60/–रु०" और "10/–रु०" अभिव्यक्तियां प्रतिस्थापित की जायेंगी

(14) प्ररूप टी एम 9 में "30/–रु०" और "5/–रु०" अभिव्यक्तियां के स्थान पर क्रमश: "60/–रु०" और "10/–रु०" अभिव्यक्तियां प्रतिस्थापित की जायेंगी;

(15) प्ररूप टी एम–20 में "15/–रु०" और "5/–रु०" अभिव्यक्तियों के स्थान पर "30/–रु०" और "10/–रु०" अभिव्यक्तियां क्रमश : प्रतिस्थापित की जायेंगी;

(16) प्ररूप टी एम–21 में "15/–, 30/–या 45/–रु०" अभिव्यक्ति के स्थान पर "20/–, 40/– या 60/–रु०" अभिव्यक्ति प्रतिस्थापित की जाएगी ;

(17) प्ररूप टी एम-22 में "20/–रु०" अभिव्यक्ति के स्थान पर "40/–रु०" अभिव्यक्ति प्रतिस्थापित की जाएगी।

(18) प्ररूप टी एम–23 और टी एम–24 में "फीस : प्रथम अनुसूची की प्रविष्टि सं० 37 और 38 देखें" शब्दों, अक्षरों और अंकों के स्थान पर "फीस : प्रथम अनुसूची की प्रविष्टि सं० 36 और 37 देखें" शब्द, अक्षर और अंक प्रतिस्थापित किए जायेंगे ;

(19) प्ररूप टी एम –26 में "40/–रु०" अभिव्यक्ति के स्थान पर "60/–रु०" अभिव्यक्ति प्रतिस्थापित की जाएगी ;

(20) प्ररूप टी एम–27 में "20/– रु०" अभिव्यक्ति के स्थान पर "30/– रु०" अभिव्यक्ति प्रतिस्थापित की जाएगी ।

(21) प्ररूप टी एम–28 में "फीस : प्रथम अनुसूची की प्रविष्टि सं० 42 और 43 देखें" शब्दों, अक्षरों और अकों के स्थान पर "फीस : प्रथम अनुसूची की प्रविष्टि सं० 41 और 42 देखें" शब्द, अक्षर और अंक प्रतिस्थापित किए जाऐंगे ;

(22) प्ररूप टी एम–29 में "फीस: प्रथम अनुसूची की प्रविष्टि स० 44 देखें" शब्दों, अक्षरों और अंकों के स्थान पर "फीस : प्रथम अनुसूची की प्रविष्टि स० 43 देखें" शब्द, अक्षर और अंक प्रतिस्थापित किए जाएंगे ;

(23) प्ररूप टी एम–30 में "फीस : प्रथम अनुसूची की प्रविष्टि सं० 45 देखें" शब्दों, अक्षरों और अंकों के स्थान पर "फीस : प्रथम अनुसूची की प्रविष्टि स० 44 देखें" शब्द, अक्षर और अंक प्रतिस्थापित किए जाएंगे ;

(24) प्ररूप टी एम–31 में "फीस : प्रथम अनुसूची की प्रविष्टि सं० 46 देखें" शब्दों, अक्षरों और अंकों के स्थान पर "फीस : प्रथम अनुसूची की प्रविष्टि सं० 45 देखें" शब्द, अक्षर और अक प्रतिस्थापित किए जाएंगे ;

(25) प्ररूप टी एम–32 में "20/–रु०" अभिव्यक्ति के स्थान पर "30/–रु०" अभिव्यक्ति प्रतिस्थापित की जाएगी ;

(26) प्ररूप टी एम–33 में—

(*i*) "फीस : प्रथम अनुसूची की प्रविष्टि सं० 48 और नीचे का पाद टिप्पण देखें " शब्दों, अक्षरों और अंकों के स्थान पर "फीस : प्रथम अनुसूची की प्रविष्टि सं० 47 और नीचे का पाद टिप्पण देखें" शब्द, अक्षर और अंक प्रतिस्थापित किए जाएगे;

(*ii*) पाद टिप्पण में "10/–रु० और 5/–रु०" अभिव्यक्तियों के स्थान पर "20/– रु० और 10/– रु०" अभिव्यक्तियां क्रमशः प्रतिस्थापित की जाएगी;

(27) प्ररूप टी एम–34 में —

(*i*) "फीस : प्रथम अनुसूची की प्रविष्टि सं० 49 और नीचे का पाद टिप्पण देखें" शब्दों, अक्षरों और अको के स्थान पर "फीस : प्रथम अनसूची की प्रविष्टि सं० 48 और नीचे का पाद टिप्पण देखें" शब्द, अक्षर और अंक प्रतिस्थापित किए जाएंगे ;

(*ii*) पाद टिप्पण में "10/– रु०" और "5/– रु०" अभिव्यक्तियों के स्थान पर "20/– रु०" और "10/– रु०" अभिव्यक्तियां प्रतिस्थापित की जाएगी ;

(28) प्ररूप टी एम–38 में—

(*i*) "फीस : प्रथम अनुसूची की प्रविष्टि सं० 53 और नीचे का पाद टिप्पण देखें" शब्दो, अक्षरो और अंको के स्थान पर "फीस : प्रथम अनुसूची की प्रविष्टि सं० 52 और नीचे का पाद टिप्पण देखें" शब्द, अक्षर और अंक प्रतिस्थापित किए जाएंगे ;

(*ii*) पाद टिप्पण में—

(क) "30/– रु०" अभिव्यक्ति के स्थान पर दोनों स्थानों में जहां वे आते हैं, "100/– रु०" अभिव्यक्ति प्रतिस्थापित की जाएगी ;

(ख) "10/– रु०" अभिव्यक्ति के स्थान पर "50/– रु०" अभिव्यक्ति प्रतिस्थापित की जाएगी;

(29) प्ररूप टी एम–29 में "30/– रु०" अभिव्यक्ति के स्थान पर "50/– रु०" अभिव्यक्ति प्रतिस्थापित की जाएगी;

(30) प्ररूप टी एम– 40 में "10/– रु०" अभिव्यक्ति के स्थान पर "20/– रु०" अभिव्यक्ति प्रतिस्थापित की जाएगी;

(31) प्ररूप टी एम–41 में "फीस : प्रथम अनुसूची की प्रविष्टि सं० 56 देखें" शब्दों, अक्षरों और अंकों के स्थान पर "फीस : प्रथम अनुसूची की प्रविष्टि सं० 55 देखें" शब्द, अक्षर और अंक प्रतिस्थापित किए जाएंगे ;

(32) प्ररूप टी एम–42 में "फीस : प्रथम अनुसूची की प्रविष्टि सं० 57 देखें" शब्दों, अक्षरों और अंकों के स्थान पर "फीस : प्रथम अनुसूची प्रविष्टि सं० 56 देखें" शब्द, अक्षर और अंक प्रतिस्थापित किए जाएंगे ;

(33) प्ररूप टी एम–43 में "40/–रु०" अभिव्यक्ति के स्थान पर "60/– रु०" अभिव्यक्ति प्रतिस्थापित की जाएगी ;

(34) प्ररूप टी० एम०–45 लुप्त कर दिया जाएगा

(35) प्ररूप टी एम–46 में "फीस : प्रथम अनुसूची की प्रविष्टि सं० 62, 63 और 64 देखें" शब्दों, अक्षरों और अकों के स्थान पर "फीस : प्रथम अनुसूची की प्रविष्टि स० 60, 61 और 62 देखें" शब्द, अक्षर और अंक प्रतिस्थापित किए जाएंगे ;

(36) प्ररूप टी एम– 50 में "फीस : प्रथम अनुसूची की प्रविष्टि सं० 50 और 51 देखें" शब्दों, अक्षरों और अंकों के स्थान पर "फीस : प्रथम अनुसूची की प्रविष्टि सं० 49 और 50 देखें" शब्द, अक्षर और अंक प्रतिस्थापित किए जाएंगे ;

(37) प्ररूप टी एम–51, प्ररूप टी एम–52 और प्ररूप टी एम–53 में "30/– रु० अभिव्यक्ति के स्थान पर "40/– रु०" अभिव्यक्ति प्रतिस्थापित की जाएंगी ;

(38) प्ररूप टी एम–56 में "फीस : प्रथम अनुसूची की प्रविष्टि सं० 67 देखें" शब्दों, अक्षरों और अंकों के स्थान पर "फीस : 10/–रु०" शब्द, अक्षर और अंक प्रतिस्थापित किए जाएंगे ;

(39) प्ररूप टी एम–58 में "5/– रु०" अभिव्यक्ति के स्थान पर "10/– रु०" अभिव्यक्ति प्रतिस्थापित की जाएगी;

(40) प्ररूप टी एम–2 में "फीस : 20/– रु० तथा प्रथम अनुसूची की प्रविष्टि सं० 78 में विनिर्दिष्ट चालू रखने की फीस" शब्दों, अक्षरों और अंकों के स्थान पर "फीस : 20/– रु० तथा प्रथम अनुसूची की प्रविष्टि सं० 77 में विनिर्दिष्ट चालू रखने की फीस" शब्द, अक्षर और अंक प्रतिस्थापित किए जाएंगे;

(41) प्ररूप टी एम–3 में "45– रु०" अभिव्यक्ति के स्थान पर "10/– रु०" अभिव्यक्ति प्रतिस्थापित की जाएगी ।

[सं० 25/1/टी एम/आई टी/69]

एस० राजारामन, उप सचिव ।

(Department of Industrial Development)

(Indian Standards Institution)

New Delhi, the 24th December, 1970

S.O. 561.—In pursuance of sub-regulation (1) of Regulation 8 of the Indian Standards Institution (Certification Marks), Regulations, 1955, as amended from time to time, the Indian Standards Institution hereby notifies that twentyeight licences, particulars of which are given in the following Schedule, have been granted authorizing the licensees to use the Standard Marks:

THE SCHEDULE

Serial No.	Licence No. (CM/L-)	Period of Validity		Name and Address of the Licensee	Article/Process covered by the Licence and the Relevant IS : Designation.
		From	To		
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
1	CM/L-2419 6-10-1970	16-10-1970	15-10-1971	Manju Electrical Industries, Pollachi Road (12th km), Malumichampatti, Chettypalayam Post, Coimbatore Distt., (Tamil Nadu).	Three-phase induction motors up to 3.7 KW (5 HP) 400/400 Volts with class 'A' insulation—IS : 325-1961.
2	CM/L-2420 6-10-1970	16-10-1970	15-10-1971	Chaliha Rolling Mills Pvt. Ltd., 13, Chanditala Lane, 55 Netaji Subhas Chandra Bose Road, Tollygunge, Calcutta-40 having their Regd. Office at 5, Mission Row, Calcutta-1.	Galvanized stay strand—IS : 2141-1968.
3	CM/L-2421 6-10-1970	16-10-1970	15-10-1971	Multiplex Agro Industries (Pvt.) Ltd., Plot No. 184/11, & 184/12, Naroda Industrial Estate, Naroda, Ahmedabad-2.	Endrin emulsifiable concentrates—IS :1310-1958.
4	CM/L-2422 7-10-1970	16-10-1970	15-10-1971	National Pesticides, 5, Industrial Estate, Vidisha (M.P.).	DDT dusting powders—IS : 564-1961.
5	CM/L-2423 7-10-1970	16-10-1970	15-10-1971	Prakash Insecticides Pvt. Ltd., Naini, Allahabad (U.P.)	DDT dusting powders—IS : 564-1961.
6	CM/L-2424 12-10-1970	16-10-1970	15-10-1971	Som Engineering Corporation, 96-B, Co-operative Industrial Estate, Govind Nagar, Kanpur.	AC single phase propeller Type ventilating exhaust fan for use at voltage not exceeding 250, 440 mm size only—IS : 2312-1967.
7	CM/L-2425 14-10-1970	16-10-1970	15-10-1971	Narang Breweries, Nawabganj, Distt. Gonda (U.P.).	Beer—IS : 3865-1966.
8	CM/L-2426 14-10-1970	16-10-1970	15-10-1971	Bharat Pulverising Mills Pvt. Ltd., Chinchpokli Cross Lane,Bombay-27 having their head office at 28, Sayani Road, Bombay-25.	DDT water dispersible powder concentrates —IS : 565-1961.

1926GI

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
9	CM/L-2427 19-10-1970	1-11-1970	31-10-1971	Unique Industries, Nadiad—Petlad Road, Near Mahi Canal, Piplag, Nadiad, Distt., Kaira (Gujarat) having their office at Bhanu Niwas, Santram Society, Nadiad, Distt. Kaira (Gujarat).	Polythene insulated and PVC sheathed cables, twin core pat, 250/440 Volts grade with aluminium conductors-IS : 1596-1962.
10	CM/L-2428 19-10-1970	16-10-1970	15-10-1971	Hindustan General Industries Ltd., Nangloi, Delhi.	Welded low carbon steel gas cylinder for the storage and transportation of low pressure liquifiable gases of water capacity 33.8 litres—IS : 3196-1968.
11	CM/L-2429 19-10-1970	16-10-1970	15-10-1971	Bharat Pulverising Mills (P) Ltd., 1074, Thiruvottiyur High Road, Madras-19.	Fenitrothion emulsifiable concentrates— IS: 5281-1969.
12	CM/L-2430 20-10-1970	16-10-1970	15-10-1971	Rockweld Electrodes India Ltd., 29 Industrial Estate, Ambattur, Madras-58 having their Regd. office at 2/C Moores Road, Madras-6.	Covered electrodes for metal arc welding of mild steel, normal penetration Type FACILEND (M 307443)—IS : 814-1967.
13	CM/L-2431 20-10-1970	1-11-1970	31-10-1971	Swarup Chemicals, Water Works Road, Aish Bagh, Lucknow.	Aldrin dusting powders—IS : 1308-1958.
14	CM/L-2432 21-10-1970	1-11-1970	31-10-1971	The Bharat Plywood & Timber Products Pvt. Ltd., Baliapatam (Kerala) having their office at Fort Road, P. O. Box No. 21, Cannanore-1 (Kerala).	Wooden flush door shutters (solid core type) with plywood face panels—IS : 2202 (Part I)-1966.
15	CM/L-2433 21-10-1970	16-10-1970	15-10-1971	AGEW Steel Manufacturers Pvt. Ltd., Ambica Oil Mill Compound, Outisde Gomtipur Gate, Ahmedabad-21 having their Regd. office at 522/1, Outside Pauchkuva Gate, Ahmedabad-2, (Gujarat State).	Steel windows and ventilators—IS : 1038-1968.
16	CM/L-2434 22-10-1970	1-11-1970	31-10-1971	Wavin India Limited, Plots 65 & 66, Ambattur Industrial Estate, Madras-58.	Unplasticized PVC pipes for potable water supplies sizes 20 mm, 40 mm and 110 mm —IS : 4985-1968.
17	CM/L-2435 27-10-1970	1-11-1970	31-10-1971	Dujodwala Industries, 14/1, Mile, Delhi Mathura Road, Faridabad (Haryana).	Pine oil—IS : 5757-1970.
18	CM/L-2436 27-10-1970	1-11-1970	31-10-1971	The National Insulated Cable Co. of India Ltd., Shamnagar, 24 Parganas, West Bengal having their Regd. office at 'NICCO House' Hare Street, Calcutta-1.	Flexible cables for miners cap-lamps—IS : 2593-1964.
19	CM/L-2437 27-10-1970	1-11-1970	31-10-1971	Chemicals & Insecticides, Ramnagar, Karanjaha, P.O. Bhaisaha, Gorakhpur (U.P.).	Aldrin dusting powders—IS : 1308-1958.

20	CM/L-2438 30-10-1970	1-11-1970	31-10-1971	The Alkali & Chemical Corporation of India Ltd., P.O. Rishra, District Hooghly, West Bengal having their office at 18 Strand Road, Calcutta-1.	Thiram, technical—IS : 4320-1967.
21	CM/L-2439 30-10-1970	1-11-1970	31-10-1971	Khandesh Pesticides Private Ltd., Station Road, Dharangaon, Distt. Jalgaon having their office at 91, Mint Road, Fort Bombay-1.	DDT dusting powders—IS:564-1961
22	CM/L-2440 30-10-1970	1-11-1970	31-10-1971	Khandesh Pesticides Private Ltd., Station Road, Dharangaon, Distt. Jalgaon having their office at 91, Mint Road, Fort, Bombay-1.	Endrin emulsifiable concentrates—IS : 1310-1958.
23	CM/L-2441 30-10-1970	1-11-1970	31-10-1971	Do.]	DDT emulsifiable concentrates— IS : 633-1956.
24	CM/L-2442 30-10-1970	1-11-1970	31-10-1971	Vensons Agro Chemicals & Allied Industries Pvt Ltd., Private Industrial Estate, Coimbatore.	BHC dusting powders—IS : 561-1962.
25	CM/L-2443 30-10-1970	1-11-1970	31-10-1971	Bhoruka Udyog, Bara Mandir, Panihati, 24 Parganas.	Steel drums 20 litres capacity grade B-2 (galvanized)—IS : 2552-1963.
26	CM/L-2444 30-10-1970	1-11-1970	31-10-1971	Associated Industries, 8-B, Chetla Road, Calcutta-27.	Tea-chest metal fittings—IS : 10-1964.
27	CM/L-2445 30-10-1970	1-11-1970	31-10-1971	Shree Digvijay Cement Co. Ltd., Sikka (via Jamnagar), Gujarat state.	Portland -pozzolana cement—IS : 1489-1967.
28	CM/L-2446 30-10-1970	1-11-1970	31-10-1971	Singhal Iron Foundry, Farah, Distt. Mathura.	Cast iron pushing cisterns (bell type) high level, 12.5 litres capacity only— IS : 774-1964

[No. CMD/13 : 11]

औद्योगिक विकास विभाग

(भारतीय मानक संस्था)

नई दिल्ली, 24 दिसम्बर, 1970

एस० ओ० 561:—समय समय पर संशोधित भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिह्न) विनियम, 1955 के विनियम 8 के उपविनियम (1) के अनुसार भारतीय मानक संस्था की ओर से सूचित किया जाता है कि 28 लाइसेंस जिनके ब्यौरे नीचे अनुसूची में दिए हैं लाइसेंसधारियों को मानक सम्बन्धी मुहर लगाने का अधिकार देते हुए स्वीकृत किए गए हैं:

अनुसूची

क्रम संख्या	लाइसेंस संख्या सी एम/एल	वैधता की अवधि से	वैधता की अवधि तक	लाइसेंसधारी का नाम और पता	लाइसेंस के अधीन वस्तु/प्रक्रिया और तत्सम्बन्धी भारतीय मानक पदनाम
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
1.	सी एम/एल—2419 6-10-1970	16-10-1970	15-10-1971	मंजु इलैक्ट्रिकल इंडस्ट्रीज पोल्लावी रोड (12 वां कि मी) मजूमि-चम्पट्टी चेतट्टीपलयम् पोस्ट कोयम्बटूर जिला (तमिलनाडु)	3.7 कि वा (5 हा० पा०) के 400/440 वोल्ट वाले श्रेणी क रोधन युक्त तीन फेजी प्रेरण मोटर—IS: 325—1961
2.	सी एम/एल—2420 6-10-1970	16-10-1970	15-10-1971	चाहिला रोलिंग मिल्स प्रा० लि० 13 चंडीताला लेन 55 नेताजी सुभाषचन्द्र बोस रोड टालीगंज, कलकत्ता-40 इलाका जि० दफ्तर 5 मिशन रो, कलकत्ता-1 पर है।	गाल्वनीकृत रोक तार—IS: 2141—1968

3.	सी एम/एल—2421 6-10-1970	16-10-1970	15-10-1971	मल्टीप्लेक्स ऐग्रो इंडस्ट्रीज (प्रा०) लि० प्लाट सं० 184/11 और 184/12 नरोदा इंडस्ट्रीयल इस्टेट नरोदा—अहमदाबाद—2	एन्ड्रिन पायसनीय तेज द्रव— IS : 1310—1958
4.	सी एम/एल—2422 7-10-1970	16-10-1970	15-10-1971	नेशनल पेस्टीसाइड्स 5 इंडस्ट्रियल इस्टेट, विदिशा (म० प्र०)	डी डी टी धूलन पाउडर— IS: 564—1961
5.	सी एम/एल—2423 7-10-1970	16-10-1970	15-10-1971	प्रकाश इंसेक्टीसाइड्स प्रा० लि०,नैनी, इलाहाबाद (उ० प्र०)	डी डी टी धूलन पाउडर IS: 564—1961
6.	सी एम/एल—2424 12-10-1970	16-10-1970	15-10-1971	सोम इंजीनियरिंग कारपोरेशन 96 बी, कोआपरेटिव इंडस्ट्रियल इस्टेट, गोविन्द नगर, कानपुर	केवल 440 मिमी साइज वाला ए सी इकहरे फेज संवातक निकास पंखा , 250 वोल्ट से अनधिक वोल्टता पर उपयोग के लिए IS: 13-12-1967
7.	सी एम/एल—2425 14-10-1970	16-10-1970	15-10-1971	नारंग ब्रूअरीज नवाबगंज जिला गोंडा (उ०प्र०)	बियर— IS : 3865—1966
8.	सी एम/एल -2426 14-10-1970	16-10-1970	15-10-1971	भारत पुल्वराइजिंग मिल्स प्रा०लि० चिचंपोवली क्रास लेन बम्बई-27; इनका मुख्यालय 28 सायनी रोड, बम्बई—25 में है ।	डी डी टी जल छिड़कावक तेज चूर्ण— IS : 565—1961
9.	सी एम/एस—2427 19-10-1970	1-11-1970	31-10-1971	यूनीक इंडस्ट्रीज नाडियाड-पेटलाद रोड निकट माही नहर, पिपलाम नाडियाड, जिला कैरा (गजरात) इनका दफ्तर भानु निवास संत्रम् सोसाइटी, नाडियाड जिला कैरा (गुजरात) में है ।	दोहरे कोर वाले, चपटे 250/440 वोल्ट ग्रेड वाले एल्युमिनियम चालक युक्त पालीइथाइलीन रोधित और पी वी सी खोलदार केबल— IS : 1596—1962

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
10.	सी एम/एल–2428 19–10–1970	16–10–1970	15–10–1971	हिन्दुस्तान जनरल इंडस्ट्रीज लि० नांगलोई, दिल्ली	अल्पदाब द्रवणीय गैसें भरने और उनके परीक्षण के लिए 33.8 लीटर की जल समाई वाले वेल्डकृत अल्प कार्बन इस्पात के सिलिंडर— IS : 3196–1968
11.	सी एम/एल–2429 19–10–1970	16–10–1970	15–10–1971	भारत पुल्वराइजिंग मिल्स (प्रा०) लि० 1074, तिरुवोत्तियूर हाई रोड, मद्रास–19	फेनीट्राथियोन का पायसनीय तेज द्रव— IS : 5281–1969
12.	सी एम/एल-2430 20–10–1970	16–10–1970	15–10–1971	राकवेल्ड इलेक्ट्रोड इंडिया लि० 29 इंडस्ट्रियल इस्टेट, अम्बत्तूर, मद्रास–58 इनका रजि० दफ्तर 2/सी मूर्स रोड, मद्रास–6 पर है	सामान्य प्रवेश वाले, फेसीलैण्ड एम 307443), इस्पात की मेटल आर्क वेल्डिंग के लिए ढके इलेक्ट्रोड— IS : 814–1967
13.	सी एम/एल–2431 20–10–1970	1–11–1970	31–10–1971	स्वरूप केमिकल्स वाटर वर्क्स रोड, ऐश बाग, लखनऊ	एल्ड्रिन धूलन पाउडर— IS : 1308–1958
14.	सी एम/एल-2432 21–10–1970	1–11–1970	31–10–1971	दि भारत प्लाईवुड एण्ड टिम्बर प्राडक्टस प्रा० लि० वलियापाटम (केरल) ; इनका दफ्तर फोर्ट रोड, पी० जी० ओ० बक्स सं० 21, कन्नोर–1 (केरल) में है ।	ऊपर प्लाईवुड लगे समतल दरवाजों (ठोस मध्य भाग वाले) के पल्ले— IS :2202 (भाग 1)–1966

15.	सी एम/एल–2433 21–10–1970	16–10–1970	15–10–1971	ऐ जी ई डब्लू मैन्यूफैक्चरर्स प्रा० लि० अम्बिका आयल मिल कम्पाउंड गोमतीपुर गेट के बाहर अहमदाबाद–21 ; इनका रिज० दफ्तर 522/1 पैंचकुआं गेट के बाहर, अहमदाबाद–2 में है ।	इस्पात के दरवाजे, खिड़कियां और रोशनदान— IS : 1038–1968
16.	सी एम/एल–2434 22–10–1970	1–11–1970	31–10–1971	वेविन इंडिया लि० प्लाट सं० 65 और 66 अम्बूत्तर इंडस्ट्रियल इस्टेट, मद्रास–58	टोंटी से बर्तनों में पानी भरने के अनमकृत पी वी सी के 20 मिमी, 40 मिमी और 110 मिमी आकार के पाइप IS : 4985–1968
17.	सी एम/एल-2435 27–10–1970	1–11–1970	31–10–1971	डुजोडवाला इंडस्ट्रीज 14/1 मील, दिल्ली मथुरा रोड फरीदाबाद (हरयाणा)	चीड़ का तेल— IS : 5577–1970
18.	सी एम/एल–2436 27–10–1970	1–11–1970	31–10–1971	दि नेशनल इंसुलेटेड केबल कं० आफ इंडिया लि० शामनगर–24 परगना पश्चिम बंगाल; इनका रजि० दफ्तर निक्को हाउस, हेयर स्ट्रीट, कलकत्ता–1 में है ।	खनिकों के कैम्प लैम्पों के लिए नम्य केबल— IS : 2593–1964
19.	सी एम/एल–2437 27–10–1970	1–11–1970	31–10–1971	केमिकल्स एण्ड इंसेक्टीसाइडस रामनगर करंजहा, पो० ओ० भैंसहा, गोरखपुर (उ० प्र०)	ऐल्ड्रिन धूलन पाउडर— IS : 1308–1958

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
20	सी एम/एल–2438 30–10–1970	1–11–1970	31–10–1971	दि एल्कली एण्ड केमिकल कारपोरेशन आफ इंडिया लि० पी० ओ० रिशरा, जिला हुगली, प० बंगाल, इनका कार्यालय 18 स्ट्रैण्ड रोड कलकत्ता–1 पर है ।	थिराम तकनीकी— आई एस : 4320–1967
21	सी एम/एल–2439 30–10–1970	1–11–1970	31–10–1971	खानदेश पेस्टीसाइडस प्रा० लि० स्टेशन रोड, धरगांव जिला जलगांव इनका दफ्तर 91 मिंट रोड, फोर्ट बम्बई–1 में है।	डी डी टी धूलन पाउडर आई एस : 564–1961
22	सी एम/एल–2440 30–10–1970	1–11–1970	31–10–1971	खानदेश पेस्टीसाइडस प्रा० लि० स्टेशन रोड, धरगाँव, जिला जलगाव ; इनका दफ्तर 91 मिंट रोड, फोर्ट, बम्बई –1 में है ।	एन्ड्रिन का पायसनीय तेज द्रव– आई एस : 1310–1958
23	सी एम/एल–2441 30–10–1970	1–11–1970	31–10–1971	,,	डी डी टी पायसनीय तेज चूर्ण— आई एस : 633–1956
24	सी एम/एल–2442 31–10–1970	1–11–1970	31–10–1971	वेन्सस ऐग्रो केमिकल्स एण्ड एलाइड इंडस्ट्रीज प्रा० लि० प्राइवेट इंडस्ट्रयल इस्टेट कोयम्बटूर	बी एच सी धूलन पाउडर— आई एस : 561–1962
25	सी एम/एल–2443 30–10–1970	1–11–1970	31–10–1971	भोरूका उद्योग बड़ा मंदिर पनिहाटी 24–परगना	बी–2 ग्रेड के 20 लीटर समाई वाले इस्पात के ड्रम (जस्ता चढ़े)— आई एस. 2552–1963

26	सी एम/एल–2444 30–10–1970	1–11–1970	31–10–1971	ऐसोसियेटेड इंडस्ट्रीज 8–बी चेतला रोड, कलकत्ता–27	चाय के बक्सो के धातु के फिटिंग— आई एस : 10–1964
27	सी एम/एल–2445 30–10–1970	1–11–1970	31–10–1971	श्री दिग्विजय सीमेण्ट कं० लि० सिक्का (बरास्ता जामनगर) गुजरात प्रदेश	पोर्टलैंड पोजोलाना सीमेण्ट— आई एस : 1489–1967
28	सी एम/एल–2446 30–10–1970	1–11–1970	31–10–1971	सिंघल आयरन फाउंड्री फरा, जिला मथुरा	सिर्फ 12.5 लीटर समाई वाली ऊंचे स्तर वाली ढलवां लोहे की फ्लश की टंकिया (बेलनुमा) आई एस: 774–1964

[सं० सी एम डी/13:11]

S.O. 562.—In pursuance of sub-regulation (4) of regulation 14 of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Regulations, 1955, as amended subsequently, the Indian Standards Institution hereby notifies that licence No. CM/L-1972 particulars of which are given below, has been cancelled with effect from 16 December 1970 as per the request made by the licensee:—

Licence No. and Date	Name and Address of the Licensee	Article/Process covered by the licence cancelled	Relevant Indian Standard
CM/L-1972 21-5-1969	M/s. Woodcrafts Assam, (Prop: Jayshree Tea & Industries Ltd.,) Mariani (Assam) having their office at INDUSTRY HOUSE, 10 Camac Street, Calcutta-16.	Wooden flush Door Shutters (solid core type) with plywood face panels.	IS : 2202 (Part I)—1966 Specification for wooden flush door shutters (solid core type) Part I plywood face panels (*First Revision*)

[No. CMD/55 : 1972.]

एस० ओ० 562.—समय समय पर संशोधित भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिह्न) विनियम, 1955, के विनियम 14 के उपविनियम (4) के अनुसार भारतीय मानक संस्था द्वारा सूचित किया जाता है कि लाइसेंस सं० सी एम /एल – 1972 जिसके ब्यौरे नीचे दिए हैं लाइसेंसधारी के निवेदन पर 16 दिसम्बर, 1970 से रद्द कर दिया गया है ।

लाइसेंस संख्या और तारीख	लाइसेंसधारी का नाम और पता	रद्द किए गए लाइसेंस के अधीन वस्तु/प्रक्रिया	तत्सम्बन्धी भारतीय मानक
सी एम/एल—1972 21-5-1969	मेसर्स वुडक्राफ्ट्स असम (प्रो० जय श्री टी एण्ड इंडस्ट्रीज लि०) मरियानी (असम) इनका दफ्तर 'इंडस्ट्री हाउस' 10 कैमेक स्ट्रीट कलकत्ता–16 पर है	ऊपर प्लाईवुड के तख्ते लगे लकड़ी के समतल दरवाजों के पल्ले (ठोस मध्य भाग वाले)	IS : 2202 (भाग 1)—1966 लकड़ी के समतल दरवाजों के पल्लों (ठोस मध्य भाग वाले) की विशिष्ट , भाग 1 [ऊपर प्लाईवुड के तख्ते लगे (पहला पुनरीक्षण)

[सं० सी एमडी/55 1972]

S.O. 563.—In pursuance of sub-regulation (4) of regulation 14 of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Regulations, 1955, as amended subsequently, the Indian Standards Institution hereby notifies that licence No. CM/L-111 particulars of which are given below, has been cancelled with effect from 13 November 1970 due to change in the name of the firm:—

Licence No. and Date	Name & Address of the licensee	Article/Process covered by the licence cancelled	Relevant Indian Standards
CM/L-111 16-12-1958	M/s. Beliaghata Timber Works Pvt. Ltd., 25B, Chaulpatty Road, Calcutta-10.	Tea-chest plywood panels.	IS : 10-1953 Specification for plywood tea-chests (*revised*)

[No. CMD[55 : 111]

एस० ओ० 563—समय पर संशोधित भारतीय मानक संस्था (प्रमाणनचिह्न) विनियम, 1955 के विनियम 14 के उपनियम (4) के अनुसार भारतीय मानक संस्था द्वारा सूचित किया जाता है कि लाइसेंस सं० सी० एम/एल-111 जिसका ब्यौरा नीचे दिया गया है, फर्म के नाम में परिवर्तन हो जाने से 13 नवम्बर 1970 से रद्द कर दिया गया है।

लाइसेंस संख्या और तारीख	लाइसेंसधारी का नाम और पता	रद्द किए लाइसेंस के अधीन वस्तु/प्रक्रिया	तत्सम्बन्धी भारतीय मानक
सी एम/एल-111 16-12-1958	मेसर्स बलियाघाट टिम्बर वर्क्स प्रा०लि०, 28-बी चौलपट्टी रोड, कलकत्ता—10	चाय के बक्सों के प्लाईबुड के तख्ते	IS: 10-1953 चाय क बक्सों प्लाईबुड की विशिष्टि (पुनरीक्षित)

[सं० सी० एम डी/55:111]

New Delhi, the 6th January 1971

S.O. 564.—In pursuance of sub-regulation (4) of regulation 14 of the Indian Standards Institution (Certification Marks), Regulation 1955, as amended from time to time, the Indian Standards Institution hereby notifies that licence No. CM/L-2245, particulars of which are given below has been cancelled with effect from 24 December 1970 since the firm is no longer interested to operate the licence.

Sl. No.	Licence No. and Date	Name and Address of the licensee	Article/Process covered by the licence cancelled	Relevant Indian Standard
1	CM/L-2245 9-2-1970	The General Industrial Society, Ltd., (Gondalpara Jute Mills, Gondalpara, Chandernagorek Distt. Hooghly (W. Bengal) having their office at 8, India Exchange Place, Calcutta-1.	New Jute Wool pack.	IS:4856-1968 specification for new jute wool pack.

[No. CMD/55:2245.]

नई दिल्ली, 6 जनवरी, 1971

एस० ओ० 564—समय समय पर संशोधित भारतीय मानक संस्था प्रमाण (चिन्ह) विनियम, 1955 के विनियम 14 के उपविनियम (4) के अनुसार भारतीय मानक संस्था द्वारा सूचित किया जाता है कि लाइसेंस सं०सी एम/एल–2245, जिसका ब्यौरा नीचे दिया गया है 24 दिसम्बर 1970 से रद्द कर दिया गया है क्योंकि फर्म अब यह लाइसेंस चलाना नहीं चाहती।

क्रमांक	लाइसेंस संख्या और तारीख	लाइसेंसधारी का नाम और पता	रद्द किए लाइसेंस के अधीन वस्तु प्रक्रिया	तत्सम्बन्धी भारतीय मानक
1	सी एम/एल–2245 9–2–1970	दि जनरल इंडस्ट्रियल सोसाइटी लि० (गोंडलपाडा जूट मिल) गोंडलपाड़ा, चंदरनगर, जिला हुगली (प० बंगाल) इनका दफ्तर 8, इंडिया एक्सचेंज प्लेस कलकत्ता–1 पर है।	ऊन बांधने की पटसन की नई बोरी	IS : 4856–1968 ऊन बांधने की पटसन की नई बोरी

[सं० सी एम डी/55 : 2245]

New Delhi, the 8th January, 1971

S.O. 565.—In pursuance of sub-regulation of regulation of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Regulation, 1955, the Indian Standards Institution hereby notifies that the marking fee(s) per unit for various products, details of which are given in the Schedule hereto annexed, have been determined and the fee(s) shall come into force with effect from the dates shown against each:

THE SCHEDULE

Sl. No.	Product/Class of Products	No. and Title of Relevant Indian Standard	Unit	Marking Fee per Unit	Date of effect
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
1.	Correcting fluid	IS : 4175-1967 Specification for correcting fluid.	One litre	Rs. 2.00	20 November 1970
2.	Guar meal as live stock feed.	IS : 4193-1967 Specification for guar meal as livestock feed.	One tonne	12 paise	1 December 1970

[No. CMD/13:10]

नई दिल्ली, 8 जनवरी 1971

एस० ओ० 565 :—भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिन्ह) विनियम 1955 के विनियम 7 के उपविनियम (3) के अनुसार भारतीय मानक संस्था की ओर से सूचित किया जाता है कि विभिन्न वस्तुओं की मुहरांकन फीस जिनके ब्यौरे नीचे अनुसूची में दिए हैं निर्धारित की गई है और ये फीसें उनके आगे लिखी तिथियों से लागू हो जाएगी ।

अनुसूची

क्रमांक	उत्पाद-उत्पाद का वर्ग	सम्बन्ध भारतीय मानक की पदसंख्या और शीर्षक	इकाई	प्रति इकाई मुहर लगाने की फीस	लागू होने की तारीख
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
1	शुद्धकारी द्रव (करेक्टिव फ्लूड)	IS 4175–1967 शुद्धकारी द्रव की विशिष्ट	एक लीटर	रु० 2.00	20 नवम्बर 1970
2	पशुआहरा के लिए सुआर चूरी	IS : 4193–1967 पशुआहार के लिए गुआर चूरी	एक टन	12 पैसे	1 दिसम्बर 1970

[सं० सी एम डी/13 : 10]

S.O. 566.—In pursuance of sub-regulation (3) of regulation 7 of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Regulations, 1955, the Indian Standards Institution notifies that the marking fee per unit for electrical steel sheets, details of which are given in the Schedule hereto annexed, has been determined and the fee shall come in to force with effect from 1 December 1970:

THE SCHEDULE

S. No.	Product/Class of Products	No. and Title of Relevant Indian Standard	Unit	Marking Fee per unit
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
1.	Electrical steel sheets (non-printed steel).	IS : 648-1962 Specification for steel sheets for magnetic circuits of power electrical apparatus (non-oriented steel) (*revised*).	One tonne	25 paise

[No. CMD/13:10]

एस० ओ० 566.—भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिह्न) विनियम 1955 के विनियम 7 के उपविनियम (3) के अनुसार भारतीय मानक संस्था की ओर से सूचित किया जाता है कि बिजली के कार्यों के लिए इस्पात की चद्दरों की प्रमाणन फीस जिसका ब्यौरा नीचे अनुसूची में दिया है, निर्धारित की गई है और यह फीस 1 दिसम्बर 1970 से लागू हो जाएगी।

अनुसूची

क्रमांक	उत्पाद/उत्पादन का वर्ग	सम्बद्ध भारतीय मानक की पदसंख्या और शीर्षक	इकाई	प्रति इकाई मुहर लगाने की फीस
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
1	बिजली के कार्यों के लिए इस्पात की चद्दरें (अनअरियंटेड इस्पात)	IS : 648–1962 पावर उपकरणों के चुम्बकीय परिपथो के लिए इस्पात की चादरों (अन ओरियंटेड इस्पात) की विशिष्ट (पुनरीक्षित)	1 मीटरी टन	25 पैसे

[सं सी एम डी०/13 :10]

S. O. 567.—Certification Marks Licences,details of which are mentionedin the schedule given below, have lapsed or their renewals deferred :

SCHEDULE

Sl. No.	Licence No.	Licensee's Name & Address	Article/Process and the relevant IS : Designation	S.O. No. and date of the Gazette Notifying Grant of Licence	Remarks
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
1.	CM/L-498 11-1-63	Devidayal Tube Industries Ltd., Gupta Mills Estate, Reay Road, Darukhana, Bombay.	Brass tubes for general purposes—IS:407-1961	S.O. 484 dated 16-2-63	The renewal was deferred after 31-1-1964, the licence is now to be treated as lapsed after that date.
2.	CM/L-655 29-4-64	Bansal Electric Stores, 1472, Dariba Kalan, Delhi-6.	Metal clad switches —IS:1567-1960	S.O.1676 dated 16-5-64	The renewal was deferred after 31-5-1965; the licence is now to be treated as lapsed after that date.
3.	CM/L-758 14-8-64	The Bharat Carbon & Ribbon Mfg. Co. Ltd., Plot No. 66-A, Industrial Area, Faridabad Township (Office : N-75 Bombay Life Bldg., Connaught Circus, New Delhi).	Carbon papers for typewriters, types 1 & 3 — IS:1551-1959 and Carbon papers, handwriting, types A, B & C— IS : 3450-1966	S.O. 3553 dated 10-10-64	Deferred from 1-10-1970 to 15-12-1970.
4.	CM/L-779 8-9-64	Newage Electrical Works, G.T. Road, Goraya (Punjab)	Metal clad switches —IS: 1567-1960	S.O.3762 dated 31-10-64	The nenewal was deferred after 30-9-1965; the licence is now to be treated as lapsed after that date.
5.	CM/L-814 28-10-64	M. Faizullabhoy & Co. Falkland Road, 5th Cross Lane, Bombay-4 (Office: 37/39 Bhajipala Street, Bombay-3).	Wrought aluminium utensils, Grade SIC—IS: 21-1959	S.O.4038 dated 28-11-64	Lapsed after 31-10-1970 due to change in the name of the firm.
6.	CM/L-955 28-11-64	Bharat Jute Mills Ltd., Dasnagar, Howrah.	Jute Hessian—IS:2618-1964	S.O. 79 dated 2-1-65	The renewal was deferred after 30-11-1968; the licence is now to be treated as lapsed after that date.
7.	CM/L-956 28-11-64	Bharat Jute Mills Ltd., Dasnagar, Howrah.	Jute sackings (1) A-twill jute bags —IS:1943-1964 (2) B-twill jute bags —IS:2566-1965 (3) Heavy cee jute bags — IS:2874-1964	S.O. 79 dated 2-1-65	The renewal was deferred after 30-11-1968; the licence is now to be treated as lapsed after that date.

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
			(4) Jute corn sacks—IS : 2875-1964 (5) B-twill cloth — IS : 3667-1966 (6) Liverpool twill (L-twill) cloth—IS:3668-1966 (7) Jute corn sack cloth — IS:3750-1966 (8) Heavy cee cloth —IS : 3751-1966 (9) Liverpool twill (L-twill) bags—IS:3794-1966		
8.	CM/L-1195 10-1-66	Prakash Metal Industries, Chhachrauli Gate, Jagadhri.	Rolled brass plate, sheet, strip and foil —IS:410-1959	S.O. 525 dated 19-2-66	The renewal was deferred after 31-7-1969; the licence is now to be treated as lapsed after that date.
9.	CM/L-1803 7-10-68	Pioneer Agro Industries Plot No. 24, Badlapur Industrial Estate, MIDC, P. O. Kulgaon, Distt. Thana.	Endrin emulsifiable concentrates—IS:1310-1958	S.O. 4257 dated 30-11-68	Deferred after 15-10-1970.
10.	CM/L-2004 30-6-69	Jay Em Provender Mills, Kugarwara (Unnao), (Office : 54/1 Nayaganj, Kanpur)	Poultry feeds, growing, laying and starting—IS:1374—1968	S.O. 3018 dated 26-7-69	The renewal was deferred after 30-6-1970; the licence is now to be treated as lapsed after that date.
11.	CM/L-2005 30-6-69	Do.	Compounded feeds for cattle—IS:2052-1968	S.O. 3018 dated 26-7-69	The renewal was deferred after 30-6-1970; the licence is now to be treated as lapsed after that date.
12.	CM/L-2037 28-7-69	Bhagsons Paint Industries (India), 16A, DLF, Industrial Area, Najafgarh Road, New Delhi-15.	Linseed oil, boiled for paints—IS:77-1950	S.O. 3585 dated 6-9-69	Lapsed after 31-7-1970
13.	CM/L-2112 16-10-69	Patel Rolling Mills, Kolshet Road, (Near Power House), Thana (C. Rly) (Office: K. Maganlal Estate, Reti Bunder, Darukhana, Bombay-10).	Structural steel (standard quality)—IS:226-1969	S.O. 4849 dated 5-12-69.	Deferred after 15-10-1970.
14.	CM/L-2113 16-10-69	Do.	Structural steel (ordinary quality) —IS:1977-1969	S.O. 4849 dated 6-12-69	Deferred after 15-10-1970.

[No. CMD/13:14]

एस० ओ० 567.—यहां जिन प्रमाणन मुहर लाइसेंसों के ब्यौरे दिए गए हैं वे या तो अवधिपूर्ण होने पर रद्द हो गए हैं अथवा उनका नवीकरण स्थगित कर दिया गया है :

अनुसूची

क्रमांक	लाइसेंस की संख्या	लाइसेंसधारी का नाम और पता	वस्तु/प्रक्रिया और तत्सम्बन्धी भारतीय मानक का पद नाम	लाइसेंस मंजूरी प्रकाशित करने वाले गजट की एस० ओ० संख्या और दिनांक	विवरण
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
1	सी एम/एल–498 11–1–1963	देवीदयाल ट्यूब इंडस्ट्रीज लि० गुप्ता मिल्स इस्टेट, रिए रोड दासखाना बम्बई	सामान्य कार्यों के लिए पीतल की नालियां— IS : 407–1961	एस ओ० 484 दिनांक 16–2–1963	इस लाइसेंस का नवीकरण 31–1–1964 को स्थगित किया गया था अब उसी तिथि से रद्द माना जाए ।
2	सी एम/एल–655 29–4–1964	बंसल इलेक्ट्रिक स्टोर्स 1472 दरीबा कलां, दिल्ली–6	धातु के ढक्कनदार स्विच— IS : 1567–1960	एस० ओ० 1676 दिनांक 16–5–1964	इस लाइसेंस का नवीकरण 31–5–1965 को स्थगित किया गया था अब उसी तिथि से रद्द माना जाए ।

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
3	सी एम/एल–758 14–3–1964	दि भारत कार्बन एण्ड रिबन मन्यु-फक्चरिंग कं० लि० प्लांट सं० 66–ए इंडस्ट्रियल एरिया फरीदाबाद टाउनशिप (दफ्तर : एन–75 बाम्बे लाइफ बिल्डिंग, कनाट सरकस, नई दिल्ली)	टाइपराइटरों के कार्बन, कागज टाइप 1 और 3, हाथ से लिखने के कार्बन कागज टाइप ए, बी और सी IS : 3450–1966	एस० ओ० 3553 दिनांक 10–10–1964	30–9–1970 के बाद स्थगित
4	सी एम/एल।779 8–9–1964	न्यू एज इलेक्ट्रिकल वर्क्स जी टी रोड गोरया (पंजाब)	धातु के ढक्कनदार स्विच— IS : 1576–1960	एस० ओ० 3762 दिनांक 31–10–1964	इस लाइ सेंस का नवीकरण 30–9–1965 को स्थगित किया गया था अब उसी तिथि से रद्द माना जाए।
5	सी एम/एल। 814 28–10–1964	एम फजुल्ला माइ एण्ड कं०, फाकलैण्डरोड, 5वी क्रास लेन बम्बई-4 (दफ्तर : 37/39 भाजीपाला स्ट्रीट बम्बई–3)	पिटवां एल्युमिनियम के बर्तन, ग्रेड एस-आई सी IS : 21–1959	एस ओ० 4038 दिनांक 28–11–1964	31–10–1970 के बाद फर्म का नाम बदल जाने के कारण रद्द हो गया।

6	सी एम/एल–955 28–11–1964	भारत जूट मिल्स लि०, दासनगर हावड़ा	पटसन हेसियन IS : 2818–1964	एस ओ 79 दिनांक 2–1–1965	इस लाइसस का नवीकरण 30–11–1968 को स्थगित किया गया था अब उसी समय से रद्द माना जाए।
7	सी एम/एल–958 28–11–1964	भारत जूट मिल्स लि०, दासनगर हावड़ा	जूट सैकिंग (1) ए-ट्विल पटसन बोरे IS: 1943–1964 (2) बी-ट्विल पटसन बोरे IS: 2566–1965 (3) भारी सी पटसन बोरे IS: 2874–1964 (4) पटसन के मक्का भरने के बोरे IS: 2875–1964 (5) बी-ट्विल कपड़ा— IS: 3667–1966 (6) लिवरपूल ट्विल (एल-ट्विल कपड़ा)— IS: 3668–1966 (7) मक्का भरने के बोरे का पटसन कपड़ा— IS: 3750–1966	एस ओ 79 दिनांक 2–1–65	इस लाइसेंस का नवीकरण 30–11–68 को स्थगित किया गया था अब उसी तिथि से रद्द माना जाए।

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
			(8) भारी सी कपड़ा— IS: 3751–1966 (9) लिवरपूल ट्विल (एम-ट्विल) बीरे— IS: 3794–1966		
8	सी एम/एल–1195 10–1–1966	प्रकाश मेटल इंडस्ट्रीज छछरौली गेंट, जगाधरी	पीतल की रोल्ड पट्टी, चद्दर, पत्ती और पन्नी— IS: 410–1959	एस ओ 525 दि० 19–2–66	इस लाइसेंस का नवीकरण 31–7–69 को स्थगित किया गया था अब उसी तिथि से रद्द माना जाए ।
9	सी एम/एल–1803 7–10–1968	पायनियर ऐग्रो इंडस्ट्रीज प्लाट सं० 24, बदलापुर इंडस्ट्रियल इस्टेट एम आई डी सी, पो आ० कुलगांव, जिला थाना	एन्ड्रिन का पायसनीय तेज द्रव– IS: 1310–1958	एस ओ 4257 दि० 30–11–68	15–10–1970 के बाद स्थगित
10	सी एम/एल–2004 30–6–1969	जे एम प्रोवेण्डर मिल्स मगरवारा (उन्नाव) (दफ्तर : 54/1 नयागंज, कानपुर)	मुर्गियों का चुग्गा बढ़ने वाली, अंडे देने वाली मुर्गियों तथा चूजो के लिए– IS: 1374–1968	एस ओ 3018 दि० 26–7–69	इस लाइसेंस का नवीकरण 30–6–70 को स्थगित किया गया था, अब उसी तिथि से रद्द माना जाए ।

11	सी एम/एल–2005 30–6–1969	,,	गाय भैंसों के लिए मिश्रित आहार— IS: 2052–1968	एस ओ 3018 दि० 26–7–69	इस लाइसेंस का नवीकरण 30–6–70 को स्थगित किया गया था अब उसी तिथि से रद्द माना जाए ।
12	सी एम/एल–2037 28–7–1969	भागसंस पेण्ट इंडस्ट्रीज (इंडिया) 16 ए डी एल एफ इंडस्ट्रियल एरिया नजफगढ़ रोड, नई दिल्ली–15	अलसी का तेल, रंग रोगन के लिए उबला हुआ– IS: 77–1950	एस ओ 3585 दि० 6–9–69	31–7–1970 के बाद रद्द कर दिया गया ।
13	सी एम/एल–2112 16–10–1969	पटेल रोलिंग मिल्स कोलशेत रोड (बिजलीघर के निकट) थाना (म० रेलवे) (दफ्तर : के० मगनलाल इस्टेट, रेती बंदर, दासवाना, बम्बई–10	संरचना इस्पात (मानक किस्म)— IS: 226–1969	एस ओ 4849 दि० 6–12–69	15–10–1970 के बाद स्थगित ।
14	सी एम/एल–2113 16–10–1969	,,	संरचना (इस्पात साधारण किस्म)— IS: 1977–1969	एस ओ 4849 दि० 6–12–69	15–10–1970 के बाद स्थगित ।

[सं० सी० एम० डी० 13:14.]

S.O. 568.—In pursuance of sub-rule (1) of rule 4 of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Rules, 1955 the Indian Standards Institution hereby notifies that the Standard Mark(s), design(s) of which together with the verbal description of the design(s) and the title(s) of the relevant Indian Standard(s) are given in the Schedule hereto annexed, have been specified.

These Standard Mark(s) for the purpose of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Act, 1952 and the Rules and Regulations framed thereunder, shall come into force with effect from the dates shown against each:

THE SCHEDULE

Sl. No.	Design of the Standard Mark	Product/ Class of Product	No. and Title of the Relevant Indian Standard	Verbal description of the Design of the Standard mark	Date of effect
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
1.	IS:4175 	Correcting fluid.	IS : 4175-1967 Specification for correcting fluid.	The monogram of the Indian Standards Institution, consisting of letters 'ISI', drawn in the exact style and relative proportions as indicated in col. (2), the number designation of the Indian Standard being superscribed on the top side of the monogram as indicated in the design.	20 November 1970
2.	IS:4193 	Guar meal as livestock feed	IS : 4193-1967 Specification for guar meal as livestock feed.	The monogram of the Indian Standards Institution, consisting of letters 'ISI', drawn in the exact style and relative proportions as indicated in Col. (2), the number designation of the Indian Standard being superscribed on the top side of the monogram as indicated in the the design.	1 December 1970

[No. CMD/13 : 9]

एस० ओ० 568—भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिन्ह) नियम, 1955, के नियम 4 के उपनियम (1) के अनुसार भारतीय मानक संस्था की ओर से सूचना दी जाती है कि मानक चिन्ह जिनकी डिजाइन और शाब्दिक विवरण तत्सम्बन्धी भारतीय मानकों के शीर्षक सहित नीचे अनुसूची में दिए हैं, भा मा संस्था द्वारा निर्धारित किए गए हैं :

भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिह्न) अधिनियम, 1952 और उसके अधीन बने नियमों के निमित्त ये मानक चिन्ह उनके आगे लिखी तिथियों से लागू हो जाएंगी ।

अनुसूची

क्रमांक	मानक चिन्ह की डिजाइन	उत्पाद/उत्पाद का वर्ग	सम्बद्ध भारतीय मानक की पदसंख्या और शीर्षक	मानक चिन्ह की डिजाइन का शाब्दिक विवरण	लागू होने की तिथि
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
1	IS : 4175	शुद्धकारी द्रव (करेक्टिंग फ्लूड)	IS: 4175–1967 शुद्धकारी द्रव की विशिष्ट	भारतीय मानक संस्था का मोनोग्राम जिसमें ISI: शब्द होते हैं स्तम्भ (2) में दिखाई शैली और अनुपात में तैयार किया गया है, और जैसा दिखाया है उस मोनोग्राम के ऊपर की ओर भारतीय मानक की पद संख्या दी हुई है ।	20 नवम्बर 1970
2	IS : 4193	पशु आहार के लिए गुआर चूरी	IS: 4193–1967 पशु आहार के लिए गुआर चूरी	भारतीय मानक संस्था का मोनोग्राम जिसमें ISI: शब्द होते हैं स्तम्भ (2) में दिखाई शैली और अनुपात में तैयार किया गया है और जैसा दिखाया है उस मोनोग्राम के ऊपर की ओर भारतीय मानक की पदसंख्या दी हुई है ।	1 दिसम्बर 1970

[सं० सीएमडी/13:9]

S.O. 569.—In pursuance of sub-rule (1) of rule 4 of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Rules, 1955 the Indian Standards Institution hereby notifies that the Standard Mark, design of which together with the verbal description of the design and the title of the relevant Indian Standard is given in the Schedule hereto annexed, has been specified.

This Standard Mark for the purpose of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Act, 1952 and the Rules and Regulations framed thereunder, shall come into force with effect from 1 December, 1970:

THE SCHEDULE

Sl. No.	Design of the Standard Mark	Product/Class of Product	No. and Title of the Relevant Indian Standard	Verbal description of the Design of the Standard Mark
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
1.	IS : 648	Electrical steel sheets (non-oriented steel)	IS : 648-1962 Specification for steel sheets for magnetic circuits of power electrical apparatus (non-oriented steel) (*revised*)	The monogram of the Indian Standards Institution, consisting of letters 'ISI', drawn in the exact style and relative proportions as indicated in Col. (2), the number designation of the Indian Standard being superscribed on the top side of the monogram as indicated in the design.

[No. CMD/13: 9]

एस० ओ० 569.—भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिह्न) नियम, 1955, के नियम 4 के उपनियम (1) के अनुसार भारतीय मानक संस्था की ओर से सूचना दी जाती है कि मानक चिन्ह जिसकी डिजाइन और शाब्दिक विवरण तत्सम्बन्धी भारतीय मानकों के शीर्षक सहित नीचे अनुसूची में दिया है, भा मा संस्था द्वारा निर्धारित किया गया है ।

भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिह्न) अधिनियम, 1952 और उसके अधीन बने नियमों के निमित्त यह मानकचिह्न 1 दिसम्बर, 1970 से लागू हो जाएगा ।

अनुसूची

क्रमांक	मानक चिह्न की डिजाइन	उत्पाद/उत्पादन का वर्ग	सम्बद्ध भारतीय मानक की पद संख्या और शीर्षक	मानक चिन्ह की डिजाइन का शाब्दिक विवरण
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
1	IS: 648	बिजली के कार्यों के लिए इस्पात की चद्दरें (अन ओरियंटेड इस्पात)	IS: 648–1962 पावर उपकरणों के चुम्बकीय परिपथों के लिए इस्पात की चद्दरों (अनओरियंटेड–इस्पात) की विशिष्ट (पुनरीक्षित)	भारतीय मानक संस्था का मोनोग्राम जिसमें ISI: शब्द होते हैं स्तम्भः (2) में दिखाई शैली और अनुपात में तैयार किया गया है, और जैसा दिखाया है उस मोनोग्राम के ऊपर की ओर भारतीय मानक की पद संख्या दी हुई है ।

[सं० सीएमडी/13:9]

New Delhi, the 12th January 1971

S.O. 570.—In pursuance of sub-regulations (2) and (3) of regulation 3 of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Regulations, 1955, as amended from time to time, the Indian Standards Institution hereby notifies that the Indian Standard(s), particulars of which are mentioned in the Schedule given hereafter, have been established with immediate effect :—

THE SCHEDULE

Sl. No.	No. and Title of the Indian Standard Established	No. and Title of the Indian Standard if any, superseded by the new Indian Standard	Brief Particulars
(1)	(2)	(3)	(4)
1	*IS : 1875—1970 Specification for carbon steel billets, blooms slabs and bars for forgings (*second revision*).	(*i*) *IS : 1875—1966, Specification for carbon steel billets, blooms and slabs for forgings (*revised*) and (*ii*) *IS : 4369—1967. Specification for carbon steel bars for forgings.	This standard covers the requirements for seven classes of carbon steel billets, blooms slabs and bars for forgings designated as Class 1, 2, 3, 3A, 4, 5 and 6. (Price Rs. 3·50).
2	IS : 1884—1970 Specification for automobile electric horns (*first revision*).	(*i*) IS : 1884 (Part I)—1961 Specification for automobile electric horns Part I de-vibrating type and (*ii*) IS : 1884 (Part II)—1963 Specification for automobile electric horns Part II wind —tone type.	This standard covers the basic mechanical, electrical and acoustical requirements and methods of tests for —6, 12— and 24—volt electric horns for use with a automobiles (including motor cycles and scooters). It also lays down their overall and fixing dimensions. This standard covers all types of electric horns, namely, vibrating type and wind tone type excepting those intended for three-wheelers. (Price Rs. 5·50).
3	IS : 2906—1969 Specification for sluice valves for water works purposes (350 to 1200 mm SIZE) (*first revision*)	IS : 2906—1964 Specification for sluice valves for water works purposes (350 to 1200 mm size)	This standard covers requirements for non-rising or rising and inside or outside screw spindle type sluice valves from 350 to 1 200 mm size used for water works purposes with double flanged ends for connections. (Price Rs. 7·00).

*For purposes of ISI Certification Marks Scheme IS : 1875—1966 and IS : 4369—1967 shall run *concurrently* with IS : 1875—1970 up to 30 June 1971.

[No. CMD/13:2]

A. K. GUPTA,
Deputy Director General

नई दिल्ली, 12 जनवरी 1971

एस० ओ० 570.—समय समय पर संशोधित भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिन्ह) विनियम, 1955 के विनियम 3 के उपविनियम (2) और (3) के अनुसरणाय भारतीय मानक संस्था की ओर से अधिसूचित किया जाता है कि नीचे अनुसूची में जिन भारतीय मानकों के ब्यौरे दिए गए हैं वे तुरन्त लागू होने के लिए निर्धारित किए गए हैं।

अनुसूची

क्रम संख्या	निर्धारित भारतीय मानक की पद संख्या और शीर्षक	नए भारतीय मानक द्वारा निर्वर्तित भारतीय मानक यदि हों, की पद संख्या और शीर्षक	संक्षिप्त विवरण
(1)	(2)	(3)	(4)
1	†IS : 1875–1970—गढ़ी चीजों के लिए कार्बन इस्पात के बिलेट, ब्लूम, सिल्लियों और छड़ों की विशिष्ट (दूसरा पुनरीक्षण)	(1) †IS : 1875-1966 गढ़ी चीजों के लिए कार्बन इस्पात के बिलेट, ब्लूम और सिल्लियों की विशिष्टि (पुनरीक्षित) (2) †IS : 4369-1967 गढ़ी चीजों के लिए कार्बन इस्पात की छड़ों की विशिष्टि	इस मानक में गढ़ी हुई चीजों जिनके पदनाम श्रेणी 1, 2, 3, 4, 5 और 6 दिए गए हैं, लिए प्रयुक्त कार्बन इस्पात के बिलेट, ब्लूम, सिल्लियों और छड़ों के बारे में अपेक्षाएं दी गई हैं (मूल्य रु० 3.50)

†भा मा संस्था प्रमाणन मुहर योजना के लिए IS : 1875–1966 और IS : 4369–1967 दोनों 30 जून 1971 तक IS : 1875–1970 के

(1)	(2)	(3)	(4)
2	IS : 1884-1970 स्वचल गाड़ियों के बिजली के भोंपुओं (हार्न) की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	1. IS : 1884 (भाग 1)–1961 स्वचल गाड़ियों के बिजली के भोंपुओं (हार्न) की विशिष्टि, भाग 1 डी सी कम्पन द्वारा बोलने वाले। 2. IS : 1884 (भाग 2)—1963 स्वचल गाड़ियों के बिजली के भोंपुओं (हार्न) की विशिष्ट, भाग 2 हवा द्वारा बोलने वाले।	इस मानक में किसी स्वचलित गाड़ी (जिसमें मोटर साईकिल और स्कूटर भी शामिल हैं) के 6, 12—, और 24—वोल्ट के बिजली की भोंपुओं सम्बन्धी मूलभूत यान्त्रिक विद्युत् और ध्वनिक अपेक्षाएं और परीक्षण पद्धतियां दी गई हैं। इसमें उनके समग्र भाप और लगाने सम्बन्धी माप भी दिए गए हैं। इस मानक में 3 पहिए वाली गाड़ियों को छोड़ कर बाकी सभी प्रकार के बिजली के भोंपुओं अर्थात् कम्पन द्वारा बोलने वालों तथा हवा भरने से बोलने वालों, को लिया गया है (मूल्य रु० 5.50)
3	IS : 2906–1969, जलकल कार्यों के स्लूस वाल्वों (350 से 1200 मि० मी० आकार के) की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	IS : 2906–1964 जलकल कार्यों के लिए स्लूस वाल्वों (350 से 1200 मि० मी० आकार के) की विशिष्टि	इस मानक में जोड़ने के लिए दोहरे फ्लेंजदार सिरों वाले 385—1200 मि० मी० आकार के दमकल के कार्यों में आने वाले स्लूस वाल्वों के विषय में अपेक्षाएं दी गई हैं। ये वाल्व उठने वाले और न उठने वाले और भीतरी या बाहरी चूड़ीदार इंस्पिडलनुमा होते हैं। (मूल्य रु० 7.00)

[सं सी एम डी/13:2.]

ए० के० गुप्ता,
उप महानिदेशक।

(Department of Industrial Development)

(Indian Standards Institution)

New Delhi, the 12th January 1971

S.O. 571.—In exercise of the powers conferred on me under sub-regulation (4) of regulation 3 of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Regulations, 1955, as amended from time to time, modifications of the provisions of IS: 1875—1970, details of which are mentioned in the Schedule given hereafter, have tentatively been made with a view to expediting the use of the Standard Mark, without in any way affecting the quality of goods covered by the relevant standard. This notification shall come into forces with immediate effect :

THE SCHEDULE

Sl. No.	No. and Title of Indian Standard, the provisions of which have been modified	Particulars of the existing provisions	Particulars of the modifications made to the provisions
(1)	(2)	(3)	(4)
1	IS : 1875—1970 Specification for carbon steel billets, blooms, slabs and bars for forgings (*second revision*).	Clauses 7·1, 9·2 and 11·2.	Tolerances for billets, blooms and slabs have been included in the specification.

[No. CMD/13:4]

S. K. SEN,
Director General.

औद्योगिक विकास विभाग भारतीय मानक संस्था

नई दिल्ली, 12 जनवरी, 1971

एस० ओ० 571.—संख्या सी एम डी 13 : 4—समय समय पर संशोधित भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिन्ह) विनियम, 1955 विनियम 3 के उपविनियम (4) के अधीन प्राप्त शक्तियों के आधार पर मानक मुहर लगाने के काम में गति लाने के उद्देश्य से IS : 1875–1970 के उपबन्धों में कुछ परिवर्तन जिनके ब्यौरे नीचे अनुसूची में दिए गए हैं, परीक्षार्थरूप में किए गए हैं। इन परिवर्तनों से तत्सम्बन्धित भारतीय मानक के अधीन माल की किस्म पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। यह अधिसूचना तुरन्त लागू हो जाएगी।

अनुसूची

क्रम संख्या	भारतीय मानक की संख्या और शीर्षक जिसके उपबन्धों का संशोधन हुआ है।	संशोधित वर्तमान उपबन्धों के विवरण	उपबन्धों में किए गए परिवर्तनों का विवरण
1	2	3	4
1	IS : 1875–1970 गढ़ी चीजों के लिए कार्बन इस्पात के बिलेट, ब्लूम, सिल्लियों और छड़ों की विशिष्टि (दूसरा पुनरीक्षण)	खण्ड 7·1 9.2 और 11.2	विशिष्टि में बिलेट, ब्लूम और सिल्लियों के लिए छूटें सम्मिलित की गई हैं।

[सं० सी एम डी/13:4]

एस० के० सेन,
महानिदेशक।

PRINTED BY THE GENERAL MANAGER, GOVERNMENT OF INDIA PRESS, MINTO ROAD, NEW DELHI AND PUBLISHED BY THE MANAGER OF PUBLICATIONS, DELHI, 1971